RAJHIN/2016/70516

Bhilwara/171/2026-2028

सच्चाई से रूबरू

smarthalchal.com

स्मार्ट हलचल

वर्ष-10 अंक-294 जयपुर, गुरुवार, 23 अप्रैल 2026 मूल्य-4 रूपये

सुप्रीम कोर्ट बोला-जांच में ममता का दखल लोकतंत्र को खतरा

नई दिल्ली। आई-पैक रेड मामले में ED की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट में बुधवार को सुनवाई हुई। कोर्ट ने प्रवर्तन निदेशालय की जांच के बीच सीएम ममता बनर्जी के दखल को गलत ठहराया।

कहा- किसी भी राज्य का सीएम ऐसा करता है तो यह लोकतंत्र को खतरे में डालना है। जस्टिस कुमार ने कहा- यह राज्य और केंद्र के बीच का विवाद नहीं है।

दरअसल इसी साल 8 जनवरी को ED की टीम ने I-PAC हेड प्रतीक जैन के कोलकाता के गुलाउडन स्ट्रीट स्थित घर और दफ्तर पर छापा मारा था। प्रतीक जैन ही ममता बनर्जी के लिए पॉलिटिकल स्ट्रैटजी तैयार करते हैं। छापेमारी के बीच ममता प्रतीक के घर पहुंच गईं थीं और कुछ दस्तावेज लेकर चली गईं।

ED ने ममता बनर्जी और राज्य पुलिस अधिकारियों पर जांच में बाधा डालने का आरोप लगाते हुए सुप्रीम कोर्ट में याचिका लगाई।

मोदी को आतंकी कहने पर खड़गे को ईसी का नोटिस

नई दिल्ली। चुनाव आयोग ने बुधवार को कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। भाजपा ने आज पीएम मोदी को आतंकी कहने के मामले में चुनाव आयोग से खड़गे की शिकायत की थी। दरअसल खड़गे ने मंगलवार को चेन्नई में चुनाव प्रचार के दौरान पीएम मोदी को आतंकी कहा था। हालांकि बाद में उन्होंने बयान पर सफाई देते हुए कहा था कि पीएम मोदी लोगों और राजनीतिक पार्टियों को डरा रहे हैं। मैंने कभी नहीं कहा कि वह आतंकवादी हैं। मेरा मतलब है कि मोदी हमेशा धमकी देते हैं।

वहीं, अमित शाह ने पश्चिम बंगाल के दमदम उत्तर में चुनावी रैली में कहा कि आतंकवाद को खत्म करने वाले नरेंद्र मोदी को खड़गे आतंकवादी कह रहे हैं। राहुल गांधी के साथ रहकर खड़गे की भाषा बिगड़ने लगी है, लेकिन मोदी को जितनी गालियां दोगे, कमल उतना ही ज्यादा खिलेगा।

केदारनाथ धाम के कपाट खुले

सेना ने हेलिकॉप्टर से बरसाए फूल, डीजीसीए ने हेली सेवा रोकी

ठंड और बर्फ के बीच आस्था का सैलाब

रुद्रप्रयाग

उत्तराखंड के उच्च हिमालयी क्षेत्र में स्थित पवित्र केदारनाथ धाम के कपाट आज पूरे विधि-विधान और वैदिक मंत्रोच्चार के साथ श्रद्धालुओं के लिए खोल दिए गए। करीब 181 दिनों के शीतकालीन प्रवास के बाद बाबा केदार की डोली अपने मूल धाम पहुंची, जहां तड़के सुबह मुख्य पुजारी द्वारा कपाट खोलने की पावन प्रक्रिया संपन्न हुई। इस ऐतिहासिक क्षण का साक्षी बनने के लिए देश-विदेश से हजारों श्रद्धालु धाम में मौजूद रहे।

परंपरा के अनुसार सबसे पहले मंदिर के पूर्व द्वार को खोला गया और मुख्य पुजारी, रावल व हक-हकूकधारियों ने अंदर प्रवेश कर पूजा-अर्चना शुरू की। इस दौरान पिछले साल कपाट बंद करते समय ज्योतिर्लिंग पर लगाई गई भस्म को हटाकर श्रद्धालुओं में प्रसाद के रूप में बांटा गया।

कपाट खुलने के मौके पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने धाम में पहुंचकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नाम की पहली पूजा कराई। वहीं, नागरिक उड्डयन महानिदेशालय ने नियमों की अनदेखी करने पर फाटा, सिरसी और गुप्तकाशी से संचालित होने वाली सभी हेली सेवाओं पर तत्काल प्रभाव से आज के लिए रोक लगा दी है।

इस बार केदारनाथ मंदिर की भव्यता देखते ही बन रही है। मंदिर को करीब 51 क्विंटल रंग-बिरंगे फूलों से सजाया गया है, जिसने पूरे धाम को दिव्यता और आस्था के रंग में रंग दिया है। बर्फ से ढके पहाड़ों के बीच सजे मंदिर का दृश्य श्रद्धालुओं को भाव-विभोर कर रहा है।

कपाट खुलते ही पूरा केदारनाथ धाम 'हर-हर महादेव' और 'जय बाबा केदार' के जयकारों से गूंज उठा। कड़ाके की ठंड और ऊंचाई पर मौजूद कठिन परिस्थितियों के बावजूद भक्तों का उत्साह चरम पर नजर आया। बड़ी संख्या में श्रद्धालु रात से ही लाइन में लगकर इस पावन क्षण का इंतजार कर रहे थे। उत्तराखंड की परंपरा के अनुसार कपाट खुलने के बाद मंदिर के भीतर पहली पूजा देश के प्रधानमंत्री के नाम से संपन्न की गई। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने स्वयं धाम पहुंचकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से देश की सुख-समृद्धि और लोककल्याण की कामना के साथ पूजा-अर्चना कराई।

उद्धव जी और कुबेर जी की उत्सव डोलियों का चमोली जिले के पांडुकेश्वर से 22 किलोमीटर की यात्रा कर बद्रीनाथ धाम पहुंच चुकी हैं। आज ही शंकराचार्य की गद्दी भी योगध्यान बद्री मंदिर से धाम पहुंच जाएगी, जिसके बाद कल सुबह 6 बजे बद्रीनाथ धाम के कपाट खोल दिए जाएंगे।

बोलेरो ट्रॉले से टकराकर आग का गोला बनी, 8 जिंदा जले

मैहर देवी के दर्शन करके लौट रहे थे

मिर्जापुर

मिर्जापुर में बुधवार रात भीषण सड़क हादसे में 11 लोगों की मौत हो गई। बोलेरो-ट्रक की टक्कर में 8 लोग जिंदा जल गए। एक अन्य कार सवार समेत ट्रक के ड्राइवर और खलासी की दबकर मौत हो गई। जलकर मरने वाले सभी बोलेरो में सवार थे।

दरअसल, मध्यप्रदेश से चना लादकर आ रहे एक ट्रक का अचानक ब्रेक फेल हो गया, जिससे वह बेकाबू हो गया। ट्रक ने बोलेरो को जोरदार टक्कर मार दी। इससे बोलेरो आगे चल रहे गिट्टी लदे ट्रेलर में जा घुसी। बोलेरो धू-धू कर जलने लगी। हादसा ड्रमडगंज थाना क्षेत्र में हुआ।

एसपी अपर्णा रजत कौशिक ने बताया कि बोलेरो सवार सभी लोग प्रयागराज के मांडा क्षेत्र के हाटा के बताए जा रहे हैं। ये लोग मैहर धाम से दर्शन करके वापस लौट रहे थे। हालांकि, बोलेरो में सवार लोगों की संख्या अभी क्लियर नहीं है।

हादसे में गंभीर रूप से घायल ट्रक चालक को अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां उसकी इलाज के दौरान मौत हो गई। पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीम ने मौके पर रेस्क्यू किया।

डीएम पवन कुमार गंगवार भी प्रशासन के अधिकारियों के साथ मौके पर पहुंचे। सीएम योगी ने भी इस सड़क हादसे का संज्ञान लिया। उन्होंने अधिकारियों को रेस्क्यू में तेजी लाने के निर्देश दिए।

मिर्जापुर-रीवा राष्ट्रीय राजमार्ग पर रात साढ़े 9 बजे बड़का मोड़ से एक ट्रक चना लादकर जा रहा था। अचानक ट्रक के ब्रेक फेल हो गए। इसी बीच एक बोलेरो भी ढलान से नीचे उतर रही थी। तभी बेकाबू ट्रक ने बोलेरो को जोरदार टक्कर मार दी। इससे बोलेरो आगे चल रहे गिट्टी लदे ट्रक से जा भिड़ी। टक्कर इतनी भीषण थी कि बोलेरो में तुरंत आग लग गई।

आग लगने से बोलेरो में सवार सभी यात्री अंदर ही फंस गए और जिंदा जल गए। हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। स्थानीय लोग तेजी से बचाव कार्य में जुट गए। लेकिन, तेज आग के कारण किसी को बचाया नहीं जा सका।

घटना की सूचना मिलते ही एसपी अपर्णा रजत कौशिक, सीओ लालगंज अमर बहादुर और लालगंज और हलिया थाने की फोर्स भी मौके पर पहुंची। फायर ब्रिगेड की मदद से आग पर काबू पाया गया। फिलहाल, पुलिस शवों की शिनाख्त करने में जुटी है।

पहलगाम आतंकी हमले का एक साल

मोदी ने कहा- भारत आतंकवाद के आगे कभी नहीं झुकेगा

नई दिल्ली

पहलगाम आतंकी हमले को आज एक साल हो गया। इस मौके पर कश्मीर के सभी टूरिस्ट स्पॉट्स पर सुरक्षा बढ़ा दी गई है। सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट पर हैं। घाटी में काम करने वाले हर पोनी, सर्विस प्रोवाइडर, लोकल गाइड के लिए QR कोड बेस्ड स्पेशल चेकिंग सिस्टम बनाया गया है।

इधर, आतंकी हमले को याद करते हुए पीएम मोदी ने लिखा है- पिछले साल आज ही के दिन पहलगाम में हुए भयानक आतंकी हमले में जान गंवाने वाले निर्दोष लोगों को याद कर रहा हूं। उन्हें कभी भुलाया नहीं जाएगा। एक राष्ट्र के तौर पर, हम दुख और संकल्प में एकजुट हैं। भारत आतंकवाद के किसी भी रूप के आगे कभी नहीं झुकेगा। आतंकवादियों के नापाक मंसूबे कभी कामयाब नहीं होंगे।

हमले में मारे गए लोगों की याद में देश के कई हिस्सों में एकजुटता मार्च निकाला जा रहा है। 22 अप्रैल 2025 को आतंकियों ने बैसरन घाटी में घूमने आए सैलानियों पर अंधाधुंध गोलीबारी की थी। इस हमले में 26 लोगों की मौत हुई थी।

भारतीय सेना ने कहा-कुछ हदें कभी नहीं लांघनी चाहिए। भारत कुछ नहीं भूला। जब इंसानियत की हदें पार की जाती हैं, तो मुंहतोड़ जवाब दिया जाता है।

सिर-पेटदर्द, बीपी-शुगर की 141 दवाओं के सैंपल फेल

कंपनियों को नोटिस, स्टॉक वापस मंगाने के आदेश

सोलन

केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन की जांच में देश में बनी 141 दवाओं के सैंपल फेल हो गए हैं। इनमें 46 दवाएं हिमाचल प्रदेश के बद्दी, बरोटीवाला, नालागढ़, कालाअब, ऊना, सोलन में बनी हैं।

जिन दवाओं के सैंपल फेल हुए हैं, उनमें ज्यादातर दवाएं सिर दर्द, पेट दर्द, बीपी, शुगर, अल्सर, विभिन्न संक्रामक बीमारियों में इस्तेमाल होती हैं। साथ ही कैंसर और हार्ट रोग जैसी खतरनाक बीमारियों के दवाओं के सैंपल भी फेल पाए गए।

CDSCO द्वारा जारी मार्च के ड्रग अलर्ट के अनुसार, गुणवत्ता जांच में फेल पाई गई इन दवाओं को 'नॉट ऑफ स्टैंडर्ड क्वालिटी' घोषित किया गया। ड्रग कंट्रोलर ने संबंधित कंपनियों को नोटिस जारी कर स्टॉक वापस मंगवाने के आदेश जारी कर दिए हैं।

ड्रग कंट्रोलर डिपार्टमेंट की कार्यप्रणाली सवालों में

सैंपल फेल होने से स्वास्थ्य विभाग और ड्रग कंट्रोलर विभाग की कार्यप्रणाली सवालों के घेरे में आ गई है। क्योंकि फेल दवाओं में कुछ ऐसी दवाएं भी शामिल हैं, जो जनवरी 2024 की बनी हुई है। हालांकि, सैंपल फेल होने के बाद ड्रग्स कंट्रोलर डिपार्टमेंट ने फेल सैंपल के बैच का सारा स्टॉक वापस मांग लिया है।

असिस्टेंट ड्रग कंट्रोलर आशीष रैना ने बताया कि ड्रग्स एंड कॉस्मेटिक एक्ट में किसी भी दवाई की मेन्युफैक्चरिंग यूनिट से सप्लाई करने से पहले सैंपलिंग अनिवार्य नहीं है। ड्रग कंट्रोलर डिपार्टमेंट रेंडम सैंपलिंग करता है। जांच के बाद रिपोर्ट आने पर यदि किसी दवाई के सैंपल फेल होते है तो उस दवाई के पूरे स्टॉक को वापस मंगा लिया जाता है। एक्ट के मुताबिक- दवा की क्वालिटी सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी पूरी तरह निर्माता कंपनी की होती है।

होर्मुज से भारत आ रहे जहाज को ईरान ने रोका, मर्चेंट नेवी ऑफिसर फंसे

तेहरान/वॉशिंगटन डीसी

ईरान की इस्लामिक रेवोल्यूशनरी गार्ड ने होर्मुज स्ट्रेट में भारत आ रहे एक जहाज को रोककर कब्जे में ले लिया है। ईरान ने आरोप लगाया है कि जहाज बिना इजाजत होर्मुज से गुजरने की कोशिश कर रहा था।लाइबेरिया के फ्लैग वाला एपामिनोडेस नाम का यह कंटेनर शिप गुजरात के मुंद्रा पोर्ट की ओर जा रहा था। ईरानी नौसेना के मुताबिक जहाज के नेविगेशन सिस्टम में छेड़छाड़ की गई थी, जिससे समुद्री सुरक्षा को खतरा पैदा हुआ। कार्रवाई के दौरान IRGC ने जहाज को रोककर अपने कब्जे में लिया और उसे तट की ओर ले गई। इसके अलावा इजराइल से जुड़े फ्रांसेस्का नाम के दूसरे जहाज को भी कब्जे में लिया गया है। इसके अलावा यूफोरिया नाम के जहाज पर हमला भी किया गया है।

इस जहाज पर राजस्थान के श्रीगंगानगर जिले के रहने वाले मर्चेंट नेवी में वाइस कैप्टन संजय माहर मौजूद हैं। ईरान की सेना ने फायरिंग की। इसके बाद हम सभी अंदर आ गए। जहाज में मेरे समेत कुल 21 क्रू है। संजय ने शिप के अंदर का एक वीडियो भी भेजा है।

लेंसकार्ट में तिलक विवाद: एमपी-यूपी, महाराष्ट्र में प्रदर्शन

स्टोर कर्मचारियों को कलावा पहनाया

धीरेंद्र शास्त्री बोले- लाहौर में कंपनी खोल लो

नई दिल्ली

आईवियर कंपनी लेंसकार्ट के ड्रेस कोड को लेकर विवाद बढ़ गया है। उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र और छत्तीसगढ़ समेत कई राज्यों में प्रदर्शन हो रहे हैं। हिंदू संगठनों से जुड़े लोग 4 दिनों से कई शहरों के लेंसकार्ट स्टोर में जाकर कर्मचारियों को तिलक लगा रहे और कलावा बांध रहे हैं। इस बीच बागेश्वर बाबा धीरेंद्र शास्त्री ने कंपनी के प्रमोटर्स से कहा, 'तू अपनी कंपनी लाहौर में खोल ले, भारत में काहे को मर रहा है? तेरो कक्का का भारत है क्या? हां! हमारे तो बाप का भारत है।'

पिछले सप्ताह सोशल मीडिया पर कंपनी का एक पॉलिसी डॉक्यूमेंट वायरल हुआ था। इसमें कर्मचारियों को बिंदी, तिलक, कलावा और बुर्का पहनने पर रोक की बात थी।

भोपाल के न्यू मार्केट स्थित लेंसकार्ट स्टोर के बाहर हिंदू उत्सव समिति के कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन किया। उन्होंने कर्मचारियों को तिलक लगाया। मंत्रोच्चार के साथ कलावा बांधा और नारे लगाए- सनातन का अपमान, नहीं सहेगा हिंदुस्तान।

हिंदू उत्सव समिति के अध्यक्ष ने कहा कि यह हिंदुस्तान है, यहां तिलक, कलावा और बिंदी का सम्मान होना चाहिए। कंपनी ने इन पर रोक लगाने की कोशिश की, तो इसे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

रायपुर के लेंसकार्ट शोरूम में एक धार्मिक संगठन के कुछ कार्यकर्ता पहुंचे। उन्होंने कर्मचारियों से नाम पूछे और उन्हें तिलक लगाकर काम करने को कहा। साथ ही, ग्राहकों को अपनी पहचान बताने की बात भी कही।

दिल्ली में आईआरएस अफसर की बेटी से घर में रेप-हत्या

मोबाइल चार्जर के तार से गला घोंटा, आरोपी पूर्व नौकर गिरफ्तार

नई दिल्ली

दिल्ली के कैलाश हिल्स इलाके में बुधवार सुबह एक सीनियर IRS अफसर के घर में उनकी 22 साल की बेटी की रेप के बाद हत्या कर दी गई। पुलिस के अनुसार, घटना सुबह करीब 6 बजे हुई। युवती घर में अकेली थी।

IRS अफसर और उनकी पत्नी रोज की तरह जिम गए हुए थे। वापस लौटे तो बेटी का शव कमरे में मिला। वह UPSC की तैयारी कर रही थी। शुरुआती जांच के अनुसार, उसके साथ पहले रेप किया गया। फिर मोबाइल चार्जर के तार से गला घोंटकर हत्या की गई।

घटना के करीब 14 घंटे बाद दिल्ली पुलिस ने आरोपी, 19 साल के राहुल मीणा को गिरफ्तार किया। वह द्वारका इलाके के एक होटल में छिपा हुआ था। वह IRS अफसर के घर का पूर्व नौकर है। उसे करीब एक महीने पहले पैसों में गड़बड़ी के आरोप में काम से निकाला गया था।

उन्नत कृषि तकनीकों को अपनाएं किसान, बनें समृद्ध: मुख्यमंत्री

पानी-बिजली राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता

जयपुर

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार ने प्रदेश के विकास का रोडमैप बनाया है, जिसके अनुरूप पानी और बिजली जैसी बुनियादी सुविधाओं को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए कार्य किया जा रहा है। जनकल्याण के जो भी वादें किए हैं, उन्हें पूरा करते हुए हर क्षेत्र को समग्र विकास की सौगातें दी जा रही हैं। उन्होंने कहा कि विकसित भारत-विकसित राजस्थान के लक्ष्य के क्रम में युवा, महिला, किसान और मजदूर का कल्याण सुनिश्चित किया जा रहा है। शर्मा बुधवार को जोधपुर के ओसियां में विकास कार्यों के लोकार्पण और शिलान्यास समारोह को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने शिक्षा, स्वास्थ्य, विद्युत, सड़क सहित विभिन्न क्षेत्रों के 416 करोड़ रुपये से अधिक विकास कार्यों का लोकार्पण और शिलान्यास किया। उन्होंने ओसियां उपखण्ड मुख्यालय पर खेल स्टेडियम के निर्माण के साथ ही नेतरा और पिचकीबेरा में 33 केवी के जीएसएस के स्थापना की घोषणा भी की।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'सबका साथ, सबका विकास' के मूलमंत्र के अनुरूप राज्य सरकार किसानों की आय बढ़ाने के लिए समर्पण भाव के साथ कार्य कर रही है। किसान समृद्ध और खुशहाल बने, इसी क्रम में किसान सम्मान निधि की राशि बढ़ाकर 9 हजार रुपये की गई है। वहीं, हम किसानों को गेंहू की खरीद पर 150 रुपये का अतिरिक्त बोनस भी दे रहे हैं। उन्होंने आह्वान किया कि किसान आधुनिक कृषि तकनीकों को अपनाए और समृद्ध बने। इसी कड़ी में राज्य सरकार जयपुर में 23 से 25 मई तक ग्राम-2026 का आयोजन भी कर रही है।

दिन के समय में मिल रही किसानों को बिजली

शर्मा ने कहा कि प्रदेश में प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत देश में सबसे ज्यादा 2 करोड़ 19 लाख पॉलिसी जारी की गई हैं तथा 6 हजार 500 करोड़ रुपये से अधिक के क्लेम वितरित किए हैं। वहीं, पीएम कुसुम योजना के तहत 65 हजार सोलर पंप सेट स्थापित करने के लिए 1 हजार करोड़ रुपये से अधिक का अनुदान दिया गया है। उन्होंने राजस्थान सहकारी गोपाल क्रेडिट कार्ड ऋण योजना, मुख्यमंत्री मंगला पशु बीमा योजना के लाभों और उपलब्धियों का जिक्र करते हुए कहा कि आज प्रदेश के 24 जिलों में किसानों को दिन के समय में बिजली मिल रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार रामजल सेतु लिंक परियोजना, यमुना जल समझौता, इंदिरा गांधी नहर एवं गंगनहर का सुदृढ़ीकरण, देवास परियोजना का विस्तार, सोम-कमला-अंबा एवं ब्राह्मणी नदी से संबंधित परियोजनाओं को साकार करने का काम रही हैं। जोधपुर, पाली और सिरोही सहित सभी क्षेत्रों को पर्याप्त पानी की उपलब्धता सुनिश्चित कर रही है। उन्होंने कहा कि जल जीवन मिशन घोटाले में भ्रष्टाचार और अनियमितताओं में लिप्त व्यक्तियों के विरूद्ध राज्य सरकार कठोर कार्रवाई कर रही है।

प्रदेश के 15 शहरों का पारा 40 डिग्री के पार

जयपुर

प्रदेश में धीरे-धीरे पारा गर्म होने लगा है। सूरज से निकलती आग अब आमजन को झुलसाने लगी है। प्रदेश के 15 शहरों का दिन का पारा 40 डिग्री के पार पहुंच गया। श्रीगंगानगर सहित चार शहरों का पारा 42 पार रहा। 43.7 डिग्री के साथ श्रीगंगानगर और 28.8 डिग्री के साथ फलौदी की रात सबसे गर्म रही। आगामी समय में इस पारे में और उछाल देखने को मिलेगा। गर्मी को देखते हुए जयपुर कलेक्टर ने स्कूलों के समय में बदलाव किया है। मौसम विभाग के अनुसार श्रीगंगानगर के अलावा पिलानी, कोटा और चूरू का दिन का तापमान 42 पार दर्ज किया गया। वहीं जयपुर, भीलवाड़ा, अलवर, पिलानी, बाड़मेर, बीकानेर, फतेहपुर, करौली, दौसा, लूणकरणसर और झुंझुनूं का दिन का पारा 40 पार तो फलौदी के अलावा अजमेर, जयपुर, कोटा, बाड़मेर और बीकानेर का रात का पारा 25 डिग्री के पार दर्ज किया गया।

मौसम विज्ञान केंद्र जयपुर के निदेशक राधेश्याम शर्मा ने बताया कि राज्य में आगामी 4-5 दिन मौसम शुष्क रहने तथा तापमान में 1 से 2 डिग्री और बढ़ोतरी होने की संभावना है। इस दौरान अधिकांश भागों में अधिकतम तापमान 41 से 43 डिग्री दर्ज होने व उत्तरी राजस्थान में 23-25 अप्रेल को कहीं-कहीं हीट वेव की संभावना है। वर्तमान में राज्य के अधिकांश भागों में अधिकतम तापमान 40 से 43 डिग्री के मध्य रिकॉर्ड हो रहे हैं जो कि सामान्य से 2-4 डिग्री ऊपर हैं। पश्चिमी राजस्थान के जोधपुर संभाग व आसपास के क्षेत्रों में 23 अप्रेल को धूलभरी तेज सतही हवाएं (20 से 30 किमी प्रतिघंटा) चलने की संभावना है।

मणिपुर में कांपी धरती, 5.2 तीव्रता का आया भूकंप, सो रहे लोग घरों से आए बाहर

-जापान में भूकंप के बाद कुजी बंदरगाह पर 80 सेंटीमीटर ऊंची दिखी सुनामी लहरें

इम्फाल (एजेंसी)। मंगलवार तड़के मणिपुर में 5.2 तीव्रता का भूकंप आया। वहीं दूसरी ओर जापान में आए विनाशकारी भूकंप के बाद समुद्र की लहरों ने तटीय इलाकों में दस्तक दी है। राहत की बात यह है कि अभी तक किसी बड़े जान-माल के नुकसान की खबर नहीं है। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र के मुताबिक मंगलवार सुबह 5:59 बजे मणिपुर के कामजोंग जिले में भूकंप आया। रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 5.2 मापी गई। भूकंप का केंद्र जमीन से 62 किलोमीटर नीचे था। सुबह के समय आए इन झटकों से लोग डरकर घरों से बाहर आ गए। फिलहाल राज्य के किसी भी हिस्से से नुकसान की कोई खबर नहीं है। वहीं दूसरी ओर जापानी मौसम विज्ञान एजेंसी ने बताया कि इवाते प्रांत के कुजी बंदरगाह पर 80 सेंटीमीटर ऊंची सुनामी देखी गई। शाम 4:53 बजे आए भूकंप की तीव्रता जापान के भूकंपीय तीव्रता पैमाने पर 7 में से 5 के ऊपरी स्तर पर दर्ज की गई और इसका केंद्र 10 किलोमीटर की गहराई पर था। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक जापान मौसम विज्ञान एजेंसी ने पिछले एक सप्ताह से इसी तरह के भूकंपों की चेतावनी जारी की थी। जापानी मौसम एजेंसी ने होक्काइडो, आओमोरी और इवाते प्रांतों के प्रशांत तटों के लिए सुनामी की चेतावनी जारी की है और तत्काल 3 मीटर तक ऊंची लहरों के आने का पूर्वानुमान लगाया है। जापानी प्रधानमंत्री सनाए ताकाइची ने भूकंप प्रभावित क्षेत्रों के लोगों से ऊंची जगहों पर जाने का आग्रह किया।

'आई-पैक' ने 1300 कर्मियों को छुट्टी पर भेजा, तरह-तरह के उठ रहे सवाल

कोलकाता(एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस और सीएम ममता बनर्जी का चुनावी कैंपेन संभाल रही फर्म 'आई-पैक' का कोलकाता के विधाननगर स्थित दफ्तर दो दिन से बंद है। सूत्रों के मुताबिक इसके एचआर ने 1300 कर्मियों को छुट्टी पर भेज दिया है। यह सब ऐसे समय हुआ है जब पहले चरण का मतदान को कुछ दिन ही बचे हैं। 23 अप्रैल को पहले चरण के तहत 152 सीटों पर मतदान होना है। चुनाव प्रचार मंगलवार को खत्म हो गया। दूसरे चरण की वोटिंग 29 अप्रैल को है। रिजल्ट 4 मई को आएंगे। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक तृणमूल की बूथ लेवल की गतिविधि से लेकर नेताओं की सभाएं, रैलियां, सब कुछ तय करने में आईपैक एक पॉलिटिकल कंसल्टेंसी कंपनी की अहम भूमिका निभा रही है। बंगाल में पार्टी के मौजूदा करीब 33फीसदी विधायकों के टिकट काटने के फैसले के पीछे भी इसी का सर्वे आधार था। इसने बंगाल के 93 हजार पोलिंग बूथों के लिए एक लाख शैडो एजेंट्स तैयार किए थे। टीएमसी भले ही इसके बंद होने की खबरों को खारिज कर रही है, लेकिन मतदान से ठीक पहले संगठन और कार्यकर्ता असमंजस में आ गए हैं। हालांकि पार्टी सांसद डेरेक ओ ब्रायन ने कहा कि हम संसद में दूसरी बड़ी विपक्षी पार्टी हैं। 5 एजेंसियों के साथ काम कर रहे हैं। सभी ठीक हैं। पार्टी के एक अन्य नेता ने बताया कि टीएमसी संगठन 4 स्तर पर काम कर रहा है। इस बीच, टीएमसी ने आशंका जताई है कि उसके 800 नेताओं, कार्यकर्ताओं को केंद्रीय सुरक्षा बल एहतियातन गिरफ्तार कर सकते हैं। इसे लेकर पार्टी ने हाईकोर्ट में याचिका दायर कर तुरंत सुनवाई की मांग की है। पार्टी को आशंका है कि केंद्रीय बल राज्य के पुलिस थानों को कब्जे में ले सकते हैं।

दिल्ली में शराब के बाद गुजरात में हवाला कांड में फंस सकती आम आदमी पार्टी

श्रीनगर(एजेंसी)। सूरत,(ईएमएस)। गुजरात के सूरत जिले में सामने आए कथित हवाला मामले ने आम आदमी पार्टी (आप) की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। दिल्ली के कथित शराब घोटाले में ट्रायल कोर्ट से राहत मिलने के बाद जहां मामला हाई कोर्ट में पहुंच चुका है, वहीं अब गुजरात से एक नया विवाद सामने आया गया है। सूरत पुलिस ने दावा किया है कि एक बड़े हवाला रैकेट का खुलासा किया है, जिसमें पार्टी के कुछ पदाधिकारी शामिल हैं और जांच की आंच बड़े नेताओं तक भी पहुंच सकती है। पुलिस ने हवाला मामले में आकाश मिश्रा और अजय तिवारी को गिरफ्तार किया है। आरोप है कि ये दोनों हवाला नेटवर्क के जरिए पैसे के लेनदेन में शामिल थे। पुलिस सूत्रों के अनुसार, यह नेटवर्क कथित तौर पर दिल्ली से संचालित हो रहा था और इसमें पार्टी के वरिष्ठ नेताओं के निर्देश होने की भी आशंका जाहिर की गई है। सूरत पुलिस की जांच में देखा जा रहा है कि क्या इन पैसों का उपयोग गुजराज की पटेल सरकार के खिलाफ माहौल बनाने और सोशल मीडिया पर प्रभाव डालने के लिए किया गया। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, मिश्रा पहले सत्येंद्र जैन के साथ काम कर चुका है और कई राज्यों—दिल्ली, हरियाणा, बिहार और मध्य प्रदेश में सक्रिय रहा है। आरोप है कि हवाला के जरिए मिले पैसे सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स और यूट्यूबर्स को देते थे, ताकि वे गुजरात सरकार के विरोध में माहौल तैयार करें और सामाजिक विभाजन को बढ़ावा दें। इस मामले में आयकर विभाग ने भी जांच शुरु की है। जांचकर्ताओं का कहना है कि आरोपियों ने सूरत के महिधरपुरा इलाके में एक अंगड़िया से कई बार 15-20 लाख तक की रकम प्राप्त की।

कोलकाता के आनंदलोक अस्पताल में भीषण आग... 75 से 80 मरीजों को बाहर निकाला गया

कोलकाता (एजेंसी)। कोलकाता के मशहूर आनंदलोक अस्पताल में भीषण आग लगने से हड़कंप मच गया। आग ने अस्पताल की कई मंजिलों को अपनी चपेट में ले लिया, जिसके बाद तत्काल राहत और बचाव कार्य शुरू किया गया। घटना की सूचना मिलते ही दमकल विभाग की कई गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और आग बुझाने का अभियान शुरू किया। शुरुआती जानकारी के अनुसार, आग लगने के कारणों का अभी तक पता नहीं चल सका है और इसकी जांच जारी है। आग लगने के बाद अस्पताल में भर्ती मरीजों को तुरंत सुरक्षित स्थानों पर शिफ्ट किया गया। स्ट्रेचर और व्हीलचेयर की मदद से करीब 75 से 80 मरीजों को बाहर निकालकर पास की इमारतों में पहुंचाया गया।

देश में गर्मी ने पकड़ा जोर, कई जगह पारा 45 डिग्री पर पहुंचा, विदर्भ में लू की मार

-उत्तर-पश्चिम, मध्य और पूर्वी भारत के अलग-अलग इलाकों में हीटवेव की संभावना

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश के कई हिस्सों में गर्मी का प्रकोप शुरू हो गया है। यूपी के बांदा में 17 अप्रैल को 45 डिग्री तापमान दर्ज करने वाला पहला शहर बना गया। विदर्भ के वर्धा में भी तापमान 45 डिग्री तक पहुंच गया है। दिल्ली में भी भीषण गर्मी को लेकर अलर्ट जारी किया गया है। कई इलाकों में हीटवेव की चेतावनी जारी की गई है। मौसम विभाग के पूर्वानुमान के मुताबिक, विदर्भ और पूर्वी उत्तर प्रदेश में गर्मी का असर साफ दिखाई दे रहा है। नागपुर, गोंदिया, अमरावती समेत कई इलाकों में पारा 40 डिग्री से ऊपर पहुंच रहा है। पूरा विदर्भ क्षेत्र लू की मार झेल रहा है। इसके अलावा प्रयागराज, वाराणसी, सुल्तानपुर और फुर्सतगंज में लू का असर देखा जा सकता है। आने वाले दिनों में भी विदर्भ, मराठवाड़ा और मध्य महाराष्ट्र में तापमान ज्यादा रह सकता है।

पूर्वी उत्तर प्रदेश और आसपास के इलाकों में कुछ स्थानों पर तापमान 45 डिग्री तक पहुंच सकता है। 21 से 24 अप्रैल के बीच ओडिशा में भी तापमान बढ़ने के आसार हैं, बताया जा रहा है, फिलहाल गुजरात के कुछ हिस्सों में तापमान ज्यादा नहीं बढ़ेगा। इस हफ्ते पंजाब, हरियाणा, राजस्थान और दिल्ली के कुछ हिस्सों में भी लू की स्थिति बनने के आसार जताए जा रहे हैं।

आईएमडी के मुताबिक इस साल अप्रैल के तापमान में एक नया ट्रेंड देखने को मिला है। बीते सालों में जहां अप्रैल की शुरुआत में ही गर्मी का भयानक कहर शुरू हो जाता था, इस बार गर्मी का असर देर से महसूस हुआ है। साल 2026 में अप्रैल महीने में 16 अप्रैल को अधिकतम तापमान 40.3 डिग्री दर्ज किया गया, जबकि 17 अप्रैल को यह बढ़कर 41.0 डिग्री पहुंच गया था। वहीं, साल 2025 में अप्रैल की शुरुआत में ही तापमान 40 डिग्री के पार चला गया था।

नई दिल्ली (सफदरजंग) के आंकड़ों के मुताबिक पिछले कुछ सालों में अप्रैल महीने का सबसे ज्यादा तापमान 43.5 डिग्री रहा, जो 29 और 30 अप्रैल 2022 को दर्ज किया गया था। वहीं, नई दिल्ली (पालम) में पिछले पांच सालों में अप्रैल का सबसे ज्यादा तापमान 44.0 डिग्री दर्ज किया गया, जो 30 अप्रैल 2022 को रिकॉर्ड हुआ था। बता दें, भारत मौसम विज्ञान विभाग के मुताबिक मंगलवार को दिल्ली में हीटवेव की स्थिति बनी रह सकती है। ज्यादा पारा 43 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकता है। इसके अलावा आने वाले दिनों में उत्तर-पश्चिम, मध्य और पूर्वी भारत के अलग-अलग इलाकों में हीटवेव की संभावना है। पंजाब, पूर्वी राजस्थान, विदर्भ और छत्तीसगढ़, हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली के कुछ इलाकों में 24 अप्रैल तक और पश्चिमी उत्तर प्रदेश में 25 अप्रैल तक हीटवेव का अलर्ट जारी किया है।

अनुमान लगाया जा रहा है कि वेस्टर्न डिस्टर्बेंस के प्रभाव से 23 अप्रैल के आसपास एक नया सिस्टम पश्चिमी हिमालय तक पहुंचेगा, हालांकि इसका असर मुख्य रूप से पहाड़ी इलाकों तक ही सीमित रहने की संभावना है। दिल्ली में कुछ दिनों तक हल्के बादल छाए रह सकते हैं। दिल्ली और आसपास के इलाकों में हीटवेव जैसी स्थिति बनने की प्रबल संभावना है, और कुछ स्थानों पर तापमान 44डिग्री तक पहुंच सकता है।

नारी के हक को जिस-जिसने मारा है उसका सर्वनाश हुआ है : आचार्य प्रमोद

-देश में सबसे ज्यादा समस्या पैदा करने का काम राहुल गांधी कर रहे हैं

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस से नाता तोड़ चुके सीनियर नेता आचार्य प्रमोद कृष्णम ने महिला आरक्षण बिल को लेकर पार्टी पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि देश की सबसे बड़ी समस्या अब राहुल गांधी बन चुके हैं। चाहे महिलाओं की बात हो, 370 की बात हो, तीन तलाक की बात हो, चुनाव आयोग की बात हो, सबसे ज्यादा समस्या पैदा करने का काम राहुल गांधी कर रहे हैं। कांग्रेस के नेता रह चुके आचार्य प्रमोद कृष्णम ने कहा कि जो नारी शक्ति का सम्मान नहीं करेगा, उसका पतन सुनिश्चित है। पूरे देश के अंदर कश्मीर से कन्याकुमारी तक, अटक से कटक तक भारत की नारी एक ही नारा लगा रही है कि राहुल गांधी के नेतृत्व में विपक्ष ने नारी शक्ति का अपमान किया है। आचार्य प्रमोद कृष्णम ने कहा कि राहुल गांधी को यह पता चल चुका है कि देश की उन्होंने आधी आबादी के हकों को मारने का काम किया है। पीएम मोदी महिलाओं का सम्मान करना चाहते थे, लेकिन राहुल गांधी ने उसका विरोध किया। जबसे यह सृष्टि बनी है, तबसे लेकर आज तक नारी का अपमान जिस, जिसने किया है। नारी के हक को जिस-जिसने मारा है उसका सर्वनाश हुआ है। कृष्णम ने कहा कि राहुल गांधी ने जब से महिलाओं का अपमान किया है, उनकी आत्मा मन ही मन उन्हें कचोट रही है और वह अनर्गल बातें कर रहे हैं। सच बात यह है कि देश की जनता और खासतौर पर माताएं-बहनें अब कांग्रेस के पुतले जला रही हैं। उससे डरकर राहुल गांधी का मानसिक संतुलन बिगड़ चुका है।

हाईकोर्ट ने मोहन भागवत की जेड प्लस सुरक्षा पर खर्च को लेकर याचिका खारिज की

-याचिकाकर्ता की मंशा पर जताई शंका, सार्वजनिक धन के दुरुपयोग के आरोप नहीं माने

नागपुर (एजेंसी)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत को मिली जेड प्लस सुरक्षा पर होने वाले खर्च को लेकर दायर जनहित याचिका को बॉम्बे हाईकोर्ट की नागपुर खंडपीठ ने खारिज कर दिया है। अदालत ने न केवल याचिका को अस्वीकार किया, बल्कि याचिकाकर्ता की मंशा पर भी सवाल उठाए।

यह मामला हाईकोर्ट की नागपुर पीठ के समक्ष आया था, जहां मुख्य न्यायाधीश जस्टिस श्री चंद्रशेखर और न्यायमूर्ति जस्टिस अनिल किलोर की पीठ ने सुनवाई की। याचिका में दावा किया गया था कि भागवत को दी गई जेड प्लस सुरक्षा पर हर महीने लगभग 40 से 45 लाख रुपये खर्च हो रहे हैं, जो करदाताओं के पैसे का दुरुपयोग है। नागपुर निवासी ललन सिंह द्वारा दायर इस याचिका में कहा गया था कि चूंकि आरएसएस एक पंजीकृत संगठन नहीं है, इसलिए उसके प्रमुख को दी जा रही सुरक्षा का खर्च सरकार की बजाय संगठन को वहन करना चाहिए। याचिकाकर्ता ने अदालत से अनुरोध किया था कि इस खर्च की भरपाई संघ से कराई जाए। याचिका में मुकेश अंबानी से जुड़े एक मामले का भी हवाला दिया गया, जिसमें सुप्रीम कोर्ट ने 2023 में निर्देश दिया था कि उन्हें दी गई जेड प्लस सुरक्षा का खर्च उनके परिवार द्वारा उठाया जाए। हालांकि, हाईकोर्ट ने इस तर्क को स्वीकार नहीं किया और याचिका को खारिज करते हुए याचिकाकर्ता के इरादों पर सवाल उठाए। अदालत ने संकेत दिया कि इस तरह की याचिकाएं जनहित के नाम पर दाखिल की जाती हैं, लेकिन उनके पीछे वास्तविक उद्देश्य संदिग्ध हो सकता है।

गौरतलब है कि मोहन भागवत की सुरक्षा को जून 2015 में बढ़ाकर जेड प्लस श्रेणी में किया गया था, जिसके बाद उनकी सुरक्षा की जिम्मेदारी सीआईएसएफ को सौंप दी गई थी। इससे पहले उनकी सुरक्षा महाराष्ट्र पुलिस के पास थी। उल्लेखनीय है कि उन्हें पहली बार 2012 में तत्कालीन यूपीए सरकार के दौरान जेड प्लस सुरक्षा प्रदान की गई थी, जब सुशील कुमार शिंडे देश के गृहमंत्री थे।

तमिलनाडु चुनाव: स्टालिन की होगी वापसी, बीजेपी खाता खुलना भी मुश्किल !

-डीएमके गठबंधन को 120 से 140 तो एआईएडीएमके को मिल सकती है 90 सीटें

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु की 234 सीटों पर 23 अप्रैल को मतदान होना है। सरकार बनाने के लिए 118 सीटों की जरुरत होती है। मुकाबला डीएमके और एआईएडीएमके के बीच है। एक तरफ सीएम एमके स्टालिन का द्रविड़ियन मॉडल और उनकी पॉपुलर योजनाएं हैं, दूसरी तरफ जयललिता की विरासत संभाल रही एआईएडीएमके और बीजेपी गठबंधन है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक तमिलनाडु में स्टालिन सरकार की वापसी हो सकती है। डीएमके गठबंधन को 120 से 140 सीटें मिल सकती हैं। इनमें डीएमके को 100 से 110, कांग्रेस को 10 से 15 और गठबंधन की बाकी पार्टियों को 10 से 15 सीटें मिल सकती हैं। 2021 में डीएमके को 133 और कांग्रेस को 18 सीटें मिली थीं। गठबंधन ने 159 सीटें जीती थीं। डीएमके ने अपने दम पर बहुमत हासिल किया था। वहीं दूसरी बड़ी पार्टी एआईएडीएमके के गठबंधन को 90 से 100 सीटें मिल सकती हैं। एआईएडीएमके को 70 से 80 सीटें मिलने के आसार हैं। 27 सीटों पर लड़ रही बीजेपी का खाता खुलना मुश्किल दिख रहा है, लेकिन पार्टी ने बहुत अच्छा प्रदर्शन किया, तो 5 सीटें मिल सकती हैं। कोयंबटूर साउथ, तिरुनेलवेली, नागरकोइल, मोडाकुरिची और कारैकुडी सीट पर जीत के ज्यादा चांस हैं। गठबंधन की बाकी पार्टियों को 5 से 10 सीटें मिल सकती हैं। 2021 में एआईएडीएमके ने 66 और बीजेपी ने 4 सीटें जीती थीं। गठबंधन को सिर्फ 75 सीटें मिली थीं। रिपोर्ट के मुताबिक तमिल फिल्मों से सुपरस्टार थलापति विजय की नई पार्टी टीवीके का कोई खास असर नजर नहीं आ रहा है। पार्टी को 5 से 15 सीटें मिल सकती हैं। हालांकि पार्टी का वोट शेयर 12फीसदी रह सकता है। टीवीके पहली बार चुनाव लड़ रही है। पिछली बार एक्टर सीमान की पार्टी नाम तमिलर काची (एनटीके) और कमल हासन की मक्कल नीधि मय्यम (एमएनएम) का खाता नहीं खुला था। स्टालिन ने सेक्युलर प्रोग्रेसिव अलायंस को चुनाव के पहले मजबूत किया। गठबंधन को मैनेज करना उनकी सबसे बड़ी खासियत मानी जाती है। स्थानीय और जातियों वाली पार्टियों को साथ लाए। कलैगनार मगलिर उरीमाई थोगाई योजना के तहत हर महिला को एक हजार रुपए महीने दिया। ये पैसा करीब एक करोड़ महिलाओं को मिला। सरकारी बसों में महिलाओं के लिए फ्री सफर बड़ा फैक्टर है। सरकारी स्कूल से पढ़कर कॉलेज में जाने वाली लड़कियों को हर महीने एक हजार रुपए दिए गए। प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए फ्री कोचिंग, लाइब्रेरी, रीडिंग रूम, स्कॉलरशिप प्रोग्राम चलाए। इनका फायदा लेने वाले युवा फर्स्ट टाइम वोटर हैं। तमिलनाडु में करीब 12.51 लाख युवा पहली बार वोट डालेंगे। रिपोर्ट के मुताबिक गठबंधन की कमजोरी कांग्रेस है। उसे 28 सीटें मिली हैं। पार्टी के स्टार प्रचारक राज्य में कम ही सक्रिय रहे। कांग्रेस ने प्रचार का पूरा जिम्मा डीएमके को सौंप दिया है।

केदारनाथ मंदिर कमेटी का फैसला...न मोबाइल, न फोटो, और न ही वीडियो या इंस्ट्राग्राम रील बनाएंगे

देहरादून। केदारनाथ मंदिर की पवित्रता और धार्मिक मर्यादा बनाए रखने के लिए मंदिर समिति ने बड़ा निर्णय लिया है। अब मंदिर परिसर में मोबाइल फोन के इस्तेमाल पर पूरी तरह प्रतिबंध लगाया है। समिति के सदस्य विनीत पोस्टी के अनुसार, श्रद्धालु मंदिर के अंदर मोबाइल नहीं ले जा सकते और न ही फोटो, वीडियो या इंस्ट्राग्राम रील बना पाएंगे। इस नियम का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई होगी, जिसमें सजा का प्रावधान भी शामिल हो सकता है। इस फैसले का मुख्य उद्देश्य श्रद्धालुओं को शांतिपूर्ण और आध्यात्मिक वातावरण में दर्शन का अनुभव कराना है। देहरादून से मिली जानकारी के अनुसार, मंदिर समिति ने सभी यात्रियों से इन दिशा-निर्देशों का पालन करने की अपील की है ताकि धार्मिक स्थल की गरिमा बनी रहे। वहीं, रुद्रप्रयाग पुलिस प्रशासन ने आगामी केदारनाथ यात्रा को ध्यान में रखते हुए व्यापक यातायात प्रबंधन योजना तैयार की है। इस योजना के तहत यात्रा मार्गों पर ट्रैफिक को नियंत्रित करने, भीड़भाड़ कम करने और सुरक्षित आवागमन सुनिश्चित करने पर विशेष ध्यान दिया गया है। राष्ट्रीय राजमार्गों से लेकर संपर्क मार्गों तक यातायात व्यवस्था को मजबूत किया जा रहा है। प्रमुख स्थानों पर पुलिस बल की तैनाती की जाएगी और स्थायी व अस्थायी पार्किंग की व्यवस्था भी की जाएगी ताकि जाम की स्थिति से बचा जा सके। पुलिस अधीक्षक निहारिका तोमर ने बताया कि जिले को 2 सुपर जोन और 11 सेक्टरों में बांटा गया है। साथ ही 13 मोबाइल पुलिस टीमें भी तैनात रहेंगी। जरूरत पड़ने पर वैकल्पिक मार्गों का उपयोग किया जाएगा। यह पूरी योजना श्रद्धालुओं की सुरक्षा, सुविधा और सुचारू यात्रा सुनिश्चित करने के लिए बनाई गई है।

अपर्णा और शाही के सपा-कांग्रेस का झंडा जलाने पर बीजेपी नाराज, पार्टी की हुई किरकिरी

-अखिलेश ने कहा था- बीजेपी वाले 12 करोड़ आबादी वाले यूपी में सिर्फ 12 महिलाएं भेजते

लखनऊ (एजेंसी)। लोकसभा में महिला आरक्षण बिल को लेकर बिल के पारित ना होने पर यूपी महिला आयोग की उपाध्यक्ष अपर्णा यादव और सदस्य ऋतु शाही ने सपा-कांग्रेस का झंडा जलाकर विरोध जताया था। अब दोनों महिला नेताओं के इस प्रदर्शन पर बीजेपी नेतृत्व नाराज है। राज्य महिला आयोग की उपाध्यक्ष अपर्णा यादव और सदस्य ऋतु शाही पर पार्टी हाईकमान ने सवाल उठाए हैं कि इससे पार्टी की किरकिरी हुई है।

बता दें 17 अप्रैल की देर रात विधानसभा के बाहर अपर्णा यादव और ऋतु शाही ने महिलाओं के साथ प्रदर्शन किया। उन्होंने सपा और कांग्रेस के झंडे जलाए और विपक्षी दलों के खिलाफ नारेबाजी की। यह प्रदर्शन संसद में नारी शक्ति वंदन अधिनियम के गिर जाने के विरोध में किया गया था। अपर्णा ने कहा था कि यह कलंकित करने वाली रात है। विपक्ष का चेहरा दिखावटी है। नारी शक्ति इन्हें कुचल देगी। सपा-कांग्रेस के नेता दुर्योधन और दुशासन जैसे हैं, इसलिए हमने उनके झंडे जलाए।

प्रदर्शन में सिर्फ 10-12 महिलाओं की मौजूदगी पर सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने तंज कसा। उन्होंने एक फोटो शेयर कर लिखा- बीजेपी वाले 12 करोड़ महिलाओं वाले यूपी में सिर्फ 12 महिलाओं को भेजते हैं। कहा जा रहा है कि अखिलेश के इस पोस्ट ने बीजेपी को काफी शर्मिंदगी में डाल दिया, जिसकी वजह से पार्टी आला कमान दोनों ही नेताओं से नाराज है। सूत्रों के मुताबिक यूपी बीजेपी अध्यक्ष पंकज चौधरी और महासचिव धर्मपाल सिंह सहित कई बड़े नेता इस घटना से नाराज हैं। उनका कहना है कि बिना पार्टी की अनुमति के और इतनी कम संख्या में प्रदर्शन करना पूरी पार्टी को बदनाम करने जैसा था। पार्टी सूत्रों के मुताबिक अपर्णा यादव और ऋतु शाही से या तो लिखित स्पष्टीकरण मांगा जा सकता है या फिर मौखिक जवाब।

बता दें मुलायम सिंह यादव की छोटी बहू अपर्णा यादव 2022 में सपा छोड़कर बीजेपी में शामिल हुई थीं। ऋतु शाही एसटीएफ के डिप्टी एसपी धर्मेश कुमार शाही की पत्नी हैं और पहले बीजेपी की गोरखपुर इकाई की महिला विंग की कोषाध्यक्ष रह चुकी हैं। बताया जा रहा है कि इस पूरे प्रकरण से बीजेपी की रणनीति को धक्का लगा है, महिला आरक्षण बिल पर विपक्ष के विरोध के बाद इसे बड़ा मुद्दा बनाने के फिराक में है। फिलहाल दोनों महिला नेताओं की ओर से कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है।

तुम से न हो पाएगा... कहकर तेज प्रताप यादव ने राहुल गांधी पर कस दिया तंज

इंडिया गठबंधन को प्रियंका गांधी वाड्रा ही चला सकती

नई दिल्ली, (एजेंसी)। बिहार के पूर्व मंत्री तेज प्रताप यादव ने कांग्रेस नेता और लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी से इंडिया गठबंधन नहीं चल पाएगा है। लालू के बड़े बेटे ने कहा कि प्रियंका गांधी वाड्रा इंडिया गठबंधन का नेतृत्व कर सकती हैं और उनमें यह क्षमता है। तेज प्रताप ने कहा, प्रियंका गांधी वाड्रा ही चला सकती हैं। वे इंदिरा गांधी जी की तरह हैं। राहुल गांधी से गठबंधन चलने वाला नहीं है। यात्रा निकालने से या फिर बुलेट पर बैठ जाने से गठबंधन नहीं चलता। इस तरह तेज प्रताप ने कांग्रेस के सर्वोसर्वा राहुल गांधी पर ही सीधा सवाल उठा दिया है।

नीतीश कुमार के बिहार का मुख्यमंत्री पद छोड़ने को लेकर राहुल गांधी ने कहा था कि वह कंप्रोमाइज हुए हैं और इसकारण भाजपा के दबाव में इस्तीफा दिया है। इस बोर में तेज प्रताप से पूछा गया, तब उन्होंने कहा कि राहुल गांधी इन्हीं सब चीजों में फंसे रहने वाले है। शुरू में बुलेट चलाते हुए उनका शौक पूरा नहीं हुआ। अब उन्हें कुर्सी पर बैठने का लालच हुआ है। वह जो कुकिंग कर रहे थे और मीट-मुर्गा बना रहे थे, वही बनाते रहें। तेज ने कहा, प्रियंका गांधी ही चला सकती हैं। राहुल गांधी जी से चलने वाला नहीं है। तेज प्रताप ने कहा कि अब नीतीश के मुख्यमंत्री पद छोड़ने पर बात कर रहे हैं। नीतीश छोड़कर गए, तब दूसरे नेता आए और सीएम बन गए। राहुल गांधी को बिहार को लेकर लालच क्यों लग रहा है। उन्हें क्या यहां पर मुख्यमंत्री का पद चाहिए।

बात दें कि तेज प्रताप यादव ने बिहार विधानसभा चुनाव में आरजेडी से बगावत की थी। वह अपने जनसत्ता दल की ओर से ही खुद लड़े थे और कैंडिडेट भी उतारे थे। हालांकि तेज प्रताप यादव खुद हार गए थे और उनके उतारे किसी कैंडिडेट को भी जीत नहीं मिली थी। तेज प्रताप अपने छोटे भाई तेजस्वी यादव के खिलाफ चुनाव में सीधे हमले करते नहीं दिखे थे, लेकिन उनके करीबियों पर खूब बाण चलाए थे। इतना ही नहीं उनकी बहन रोहिणी आचार्य भी अक्सर सोशल मीडिया पर तेज प्रताप का ही समर्थन करती दिखती हैं। बता दें कि आरजेडी में इस फूट को भी हार की एक वजह माना जाता है।

भारत और रूस एक-दूसरे के देशों में हजारों सैनिक, फाइटर जेट और वॉरशिप तैनात करने की तैयारी में

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका-ईरान जंग के बीच एक बड़ी हलचल हुई है। जिसका ध्यान पूरी दुनिया से खींचा है। दरअसल भारत और रूस एक दूसरे की जमीन पर अपने हजारों सैनिक, फाइटर जेट और वॉरशिप तैनात करने की तैयारी शुरू कर रहे हैं। बता दें कि भारत और रूस के बीच रीलॉस यानी कि रेसिप्रोकल एक्सचेंज ऑफ लॉजिस्टिक सपोर्ट समझौता पूरी तरह से लागू हो गया है। इसके तहत दोनों देश एक दूसरे के एयरबेस, नेवल बेस और सैन्य ठिकानों का इस्तेमाल कर सकते हैं और वह भी पूरी सफाई के साथ ऑपरेशन कर सकते है। इस डील की सबसे बड़ी ताकत इसकी क्षमता है। अब दोनों देश एक साथ 3000 सैनिक, 10 मिलिट्री एयरक्राफ्ट और पांच वॉरशिप्स एक दूसरे के क्षेत्र में तैनात कर सकते हैं। लेकिन असली खेल सिर्फ तैनाती नहीं है बल्कि उस तैनाती को मिलने वाला पूरा सपोर्ट है। यानी कि रिफ्यूलिंग, रिपेयर, मेंटेनेंस, मेडिकल और ट्रांसपोर्ट यानी पूरी युद्ध मशीन को कहीं भी चलाने की ताकत।

अब भारत की सेना सिर्फ अपने क्षेत्र तक सीमित नहीं बल्कि जरूरत पड़ने पर दुनिया के अलग-अलग हिस्सों में तेजी से ऑपरेट कर सकती है। बात दें कि आज दुनिया एक नए पावर गेम में है। जहां हर देश अपने सप्लाई रूट्स और मिलिट्री रीच को सुरक्षित करने में लगा है। दूसरी वजह दुनिया भर में चीन का बढ़ता असर है। चीन लगातार एशिया और इंडोपेसिफिक में अपनी पकड़ मजबूत कर रहा है। इसके बाद भारत के लिए अपनी मौजूदगी बढ़ाना जरूरी था। तीसरी वजह रूस की रणनीति को मना जा रहा है। पश्चिमी दबाव के बीच रूस को इसतरह के पार्टनर की जरूरत थी जिस पर भरोसा कर सके और भारत रुस के लिए दुनिया में सबसे भरोसेमंद दोस्त है। इस बीच भारत ने जो रास्ता चुना है वह सबसे अलग है ना पूरी तरह किसी एक के साथ और ना किसी के खिलाफ बल्कि अपने हितों के हिसाब से हर बड़े देश के साथ संतुलन बनाकर चलना।

रूस के पास आर्कटिक से लेकर यूरोप तक फैले सैन्य बेस है और इस डील के बाद भारत को इन इलाकों में एक्सेस मिल सकता है। खासकर आर्कटिक जहां भविष्य के नए समुद्री रास्ते बन रहे हैं। यानी आने वाले समय में व्यापार और संसाधनों पर सीधा असर होगा। दूसरा लॉजिस्टिक मतलब रियल पावर मिलना है। युद्ध सिर्फ हथियारों से नहीं बल्कि सप्लाई से भी जीता जाता है। अब भारत और रूस एक दूसरे को फ्यूल, रिपेयर बेस सपोर्ट दे सकते हैं। मतलब जहां जरूरत वहां ऑपरेशन आसान। तीसरा स्ट्रेटेजिक ऑटोनोमी जिसका पहले हमने जिक्र किया। यानी कि भारत ने अमेरिका के साथ एलई एमओए किया और अब रूस के साथ रिलोस। मतलब साफ है भारत किसी एक गुट में नहीं बल्कि हर बड़ी ताकत के साथ संतुलन बनाकर चल रहा है।

बडलियास पुलिस का अवैध बजरी खनन पर बड़ा प्रहार: एस्कॉर्ट कर रही स्कॉर्पियो सहित 5 वाहन जब्त, 5 आरोपी गिरफ्तार

रात के अंधेरे में डंपर और ट्रेलर से हो रही थी बजरी की तस्करी, बनास नदी से भी पकड़े दो ट्रैक्टर

स्मार्ट हलचल|बडलियास

राज्य सरकार द्वारा अवैध बजरी खनन और परिवहन के खिलाफ चलाए जा रहे सख्त अभियान के तहत भीलवाड़ा की बडलियास थाना पुलिस ने बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया है। पुलिस ने दो अलग-अलग कार्रवाइयों में अवैध बजरी परिवहन करते हुए एक ट्रेलर, एक टीपर (डंपर), एस्कॉर्ट कर रही एक स्कॉर्पियो और दो ट्रैक्टर जब्त किए हैं। इस दौरान पुलिस ने 5 आरोपियों (बजरी माफियाओं) को गिरफ्तार किया है।

पहली कार्रवाई: आधी रात को एस्कॉर्ट के साथ जा रहे थे बजरी से भरे भारी वाहन

बडलियास थानाधिकारी जसवंत सिंह ने बताया कि 22 अप्रैल 2026 की रात करीब 12:30 बजे हैड कांस्टेबल सांवलदान मय जाब्ता गश्त पर थे। इसी दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि आमां की तरफ से एक ट्रेलर और एक टीपर डंपर अवैध बजरी भरकर आ रहे हैं और एक ब्लैक रंग की स्कॉर्पियो गाड़ी उन्हें एस्कॉर्ट (पायलटिंग) कर रही है। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए जित्या चौराहे पर नाकाबंदी की। नाकाबंदी के दौरान पुलिस ने स्कॉर्पियो सहित अवैध बजरी से भरे ट्रेलर और डंपर को रोक लिया। पुलिस ने वाहनों को जब्त कर थाने खड़ा करवाया और मौके से 5 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया।

दूसरी कार्रवाई: सुबह बनास नदी में दबिश, 2 ट्रैक्टर जब्त

दूसरी कार्रवाई 22 अप्रैल की सुबह करीब 9:00 बजे की गई। पुलिस को सूचना मिली थी कि ग्राम गेंदलिया व अमरतिया के बीच बनास नदी में अवैध बजरी खनन हो रहा है।

इस पर सवाईपुर चौकी इंचार्ज (सउनि) प्यारचन्द मय जाब्ता ने मौके पर दबिश दी और बनास नदी से अवैध बजरी परिवहन करते हुए 2 ट्रैक्टरों को जब्त कर लिया। दोनों मामलों में खनिज विभाग को सूचित कर दिया गया है।

ये आरोपी चढ़े पुलिस के हत्थे:

पुलिस ने पहली कार्रवाई में इन पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है: किशन जाट (24) निवासी बिहारीपुरा, थाना मंगरोप (भीलवाड़ा), ओमप्रकाश जाट (33) निवासी मंशा, थाना कोटड़ी (भीलवाड़ा), रणवीर (23) निवासी मण्डपिया महाराज, थाना साडास (चित्तौड़गढ़), महावीर (22) निवासी मोहनपुरा, थाना माण्डलगढ़ (भीलवाड़ा), भैरू (32) निवासी मंशा, थाना कोटड़ी (भीलवाड़ा)

इनके नेतृत्व में हुई कार्रवाई:

यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक धर्मेन्द्र यादव के निर्देशानुसार, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (मुख्यालय) पारस जैन एवं माण्डलगढ़ वृत्ताधिकारी बाबू लाल विश्नोई के सुपरविजन में हुई। पुलिस टीम में थानाधिकारी जसवंत सिंह, सउनि प्यारचन्द, हैड कांस्टेबल सांवलदान और कांस्टेबल संदीप कुमार, श्रवण कुमार, कृष्ण कुमार व अनिल कुमार शामिल रहे।

सड़कों पर मंडरा रहा मौत का साया

आवारा सांडों के आतंक से आमजन खौफजदा

स्मार्ट हलचल|गंगापुर

कस्बे में निराश्रित गौवंश और आवारा सांडों के कारण रोजाना हो रही दुर्घटनाओं से आमजन में भारी भय और आक्रोश का माहौल है। हैरानी की बात यह है कि नगर पालिका द्वारा संचालित गौशाला होने के बावजूद सड़कों पर घूम रहे बेसहारा गौवंश को वहां शिफ्ट नहीं किया जा रहा है। प्रशासन की इस घोर अनदेखी के चलते स्थिति लगातार गंभीर और जानलेवा होती जा रही है।

सांडों के आतंक से ये लोग हो चुके हैं घायल:

बाजारों और मुख्य मार्गों पर आवारा सांडों के आपसी संघर्ष के चलते कई बार वाहन क्षतिग्रस्त हो रहे हैं और राहगीरों की जान सांसत में रहती है। सांडों के इस आतंक के कारण अब तक कई लोग गंभीर रूप से घायल हो चुके हैं। इनमें 80 वर्षीय बुजुर्ग दौलत राम माली, मांगी देवी तेली और धनराज माली सहित अन्य नागरिक शामिल हैं।

ज्ञापन दिए, पर नहीं हुई कोई कार्रवाई:

स्थानीय नागरिकों और विभिन्न संगठनों द्वारा पूर्व में कई बार प्रशासन को ज्ञापन देकर अवगत कराया जा चुका है कि निराश्रित गौवंश को तत्काल गौशाला में शिफ्ट किया जाए। लोगों का कहना है कि पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष दिनेश तेली के कार्यकाल में भी इस गंभीर समस्या को लेकर कई बार शिकायतें की गई थीं, लेकिन तब भी कोई ठोस समाधान नहीं निकाला गया और आज भी हालात जस के तस बने हुए हैं।

दी उग्र आंदोलन की चेतावनी:

प्रशासन की इस कुंभकर्णी नींद से परेशान होकर अब नागरिकों ने खुली चेतावनी दी है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि प्रशासन द्वारा जल्द ही इस समस्या का ठोस समाधान नहीं किया गया और गौवंश को सुरक्षित रूप से गौशाला में शिफ्ट नहीं किया गया, तो आमजन को मजबूर होकर सड़कों पर उतरकर उग्र आंदोलन का रास्ता अपनाना पड़ेगा। इस आंदोलन और उसके बाद बिगड़ने वाले हालात की समस्त जिम्मेदारी प्रशासन की होगी।

फसल बीमा राहत: 11,700 किसानों के खातों में 8 करोड़ रुपये जमा

स्मार्ट हलचल

शाहपुरा। शाहपुरा-बनेड़ा विधानसभा क्षेत्र के किसानों के लिए राहत की खबर है। वर्ष 2025 के खरीफ सीजन में अतिवृष्टि से हुए फसल नुकसान के बाद प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत किसानों के खातों में बीमा राशि हस्तांतरित की गई है।

विधायक डॉ. लालाराम बैरवा के सतत प्रयासों और प्रशासन से समन्वय के चलते शाहपुरा व फुलिया कला उपखण्ड के करीब 8,000 किसानों को 6.50 करोड़ रुपये तथा बनेड़ा उपखण्ड के लगभग 3,700 किसानों को 1.50 करोड़ रुपये की राशि दी गई है। कुल मिलाकर करीब 11,700 किसानों के खातों में 8 करोड़ रुपये जमा हुए हैं।

यह सहायता किसानों के लिए राहतकारी साबित हो रही है, जिससे वे नुकसान की भरपाई के साथ आगामी कृषि कार्यों की तैयारी कर सकेंगे। किसानों ने इसके लिए सरकार व जनप्रतिनिधियों का आभार जताया है।

विधायक डॉ. बैरवा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सरकार किसानों के हितों के लिए प्रतिबद्ध है और आगे भी हर संभव सहायता दी जाती रहेगी।

हमीरगढ़ पुलिस का अवैध खनन पर बड़ा प्रहार: 2 डंपर और 3 ट्रैक्टर जब्त, 2 माफिया गिरफ्तार

अवैध बजरी और पत्थर का हो रहा था परिवहन, पुलिस ने दर्ज किए 3 मामले

स्मार्ट हलचल|हमीरगढ़ (भीलवाड़ा)

जिले में अवैध खनन और परिवहन के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत हमीरगढ़ थाना पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने अलग-अलग स्थानों पर दबिश देकर अवैध बजरी और पत्थर से भरे 2 डंपर और 3 ट्रैक्टर-ट्रॉली जब्त किए हैं। इस दौरान अवैध खनन और परिवहन करने के आरोप में दो अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया है।

हमीरगढ़ थानाधिकारी सुनील कुमार बेड़ा ने बताया कि पुलिस अधीक्षक धर्मेन्द्र सिंह के निर्देशन में अवैध खनन पर अंकुश लगाने के लिए थाना स्तर पर अलग-अलग टीमों का गठन किया गया था। इन टीमों ने थाना क्षेत्र में गश्त के दौरान:

अवैध बजरी परिवहन करते हुए 1 डंपर और 3 ट्रैक्टर मय ट्रॉली (बजरी से भरी हुई) जब्त की।

अवैध पत्थर परिवहन करते हुए 1 डंपर को भी जब्त किया। इस प्रकार कुल 5 वाहन जब्त किए गए हैं और पुलिस ने अवैध खनन करने वालों के विरुद्ध थाने में 3 अलग-अलग प्रकरण दर्ज किए हैं।

ये आरोपी चढ़े पुलिस के हत्थे:

कार्रवाई के दौरान पुलिस ने मौके से दो अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है:

जगदीश अहीर (24) पिता शंकर लाल, निवासी समोड़ी (थाना पुर, जिला भीलवाड़ा)।

प्रहलाद गुर्जर (36) पिता नारायण गुर्जर, निवासी देवदा (थाना गंगरार, जिला चित्तौड़गढ़)।

इन अधिकारियों के नेतृत्व में हुई कार्रवाई:

यह संपूर्ण कार्रवाई अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (मुख्यालय) पारस जैन एवं सदर वृत्ताधिकारी हरजीराम के सुपरविजन तथा थानाधिकारी सुनील कुमार बेड़ा के नेतृत्व में की गई। इस विशेष पुलिस टीम में हैड कांस्टेबल विशम्बर दयाल, हैड कांस्टेबल राहुल और कांस्टेबल बलवीर, राहुल पायला व अंकुर शामिल रहे।

अरनिया घोड़ा में विकास की नई राह

विधायक बैरवा ने किया करोड़ों के कार्यों का शिलान्यास

सड़क और शिक्षा से बदलेगा गांव का स्वरूप, डीएमएफटी योजना से मिलेगी गति

स्मार्ट हलचल

शाहपुरा। ग्राम पंचायत अरनिया घोड़ा में विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए डीएमएफटी (जिला खनिज फाउंडेशन ट्रस्ट) योजना के अंतर्गत स्वीकृत विभिन्न कार्यों का विधिवत शिलान्यास शाहपुरा विधायक डॉ. लालाराम बैरवा द्वारा किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में ग्रामीणों की उपस्थिति रही, जिससे माहौल उत्साहपूर्ण बन गया।

शिलान्यास समारोह को संबोधित करते हुए विधायक बैरवा ने कहा कि राज्य सरकार आमजन की मूलभूत आवश्यकताओं को प्राथमिकता देते हुए निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने स्पष्ट किया कि सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य और आधारभूत ढांचे का सुदृढ़ीकरण सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। इन योजनाओं के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में विकास की नई लकीर खींची जा रही है।

उन्होंने बताया कि अरनिया घोड़ा क्षेत्र में स्वीकृत कार्यों से ग्रामीणों को सीधा लाभ मिलेगा और गांव के समग्र विकास को नई गति मिलेगी। विशेष रूप से संपर्क सड़क के चैड़ीकरण और सुदृढ़ीकरण से आवागमन सुगम होगा, वहीं विद्यालय में नए कक्षों के निर्माण से विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक वातावरण मिलेगा।

इस अवसर पर जिन प्रमुख कार्यों का शिलान्यास किया गया, उनमें देवनारायण मंदिर (अरनिया घोड़ा) तक संपर्क सड़क का चैड़ीकरण एवं सुदृढ़ीकरण कार्य शामिल है, जिसकी स्वीकृत राशि 60 लाख रुपये है। इसके अलावा राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय, सरदारपुरा में दो कक्षा-कक्षों के निर्माण के लिए 20.26 लाख रुपये की स्वीकृति दी गई है।

कार्यक्रम के अंत में ग्राम पंचायत के नागरिकों ने विधायक का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इन विकास कार्यों से गांव की तस्वीर बदलेगी और आने वाले समय में क्षेत्र प्रगति की नई ऊंचाइयों को छुएगा।

अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार दम्पति घायल

स्मार्ट हलचल

सवाईपुर। नेशनल हाईवे 758 पर ढ़ेलाणा चौराहे पर मंगलवार रात्रि को अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार दम्पति घायल हो गए । घायलों को जिला चिकित्सालय भेजा गया, सुचना पर सवाईपुर चौकी पुलिस मौके पर पहुंची । चौकी प्रभारी प्यार चंद खटीक ने बताया कि मंगलवार रात्रि को ढ़ेलाणा चौराहे पर अज्ञात वाहन ने बाइक सवार को पीछे से जोरदार टक्कर मार दी, जिससे बाइक सवार दम्पति व छोटा बच्चा दुर जाकर गिरे । जिसमे बाइक सवार खजीना निवासी भंवर लाल शर्मा व उनके पत्नी भंवरी देवी शर्मा

घायल हो गए, घायलों को सवाईपुर 108 एंबुलेंस की मदद से जिला चिकित्सालय भेजा, जहां पैर में गंभीर चोट होने पर जिले के निजी चिकित्सालय रेफर किया । घटना के बाद मौके पर ग्रामीणों व राहगीरों की भीड़ लग गई, जिससे कुछ देर तक हाईवे पर जाम की स्थिति बनी, पुलिस ने वाहनों को हटाकर हाईवे को सुचारू करवाया।

कोटड़ी पुलिस व डीएसटी का बड़ा धमाका: रिटायर्ड शिक्षक के घर हुई 45 लाख की चोरी का पर्दाफाश, 5 गिरफ्तार

छत के रास्ते घर में घुसे थे चोर, 162 ग्राम सोना और करीब 8 किलो चांदी शत-प्रतिशत बरामद, माल छिपाने में पूरा परिवार शामिल

स्मार्ट हलचल |कोटड़ी (भीलवाड़ा)

जिले की कोटड़ी थाना पुलिस और जिला विशेष टीम ने संयुक्त रूप से बड़ी कार्रवाई करते हुए गेंहुली गांव में एक 91 वर्षीय रिटायर्ड और दिव्यांग शिक्षक के घर हुई 45 लाख रुपये की सनसनीखेज नकबजनी (चोरी) का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने वारदात को अंजाम देने वाले दो मुख्य आरोपियों के साथ-साथ चोरी का माल छिपाने में सहयोग करने वाले परिवार के तीन अन्य सदस्यों (जिनमें दो महिलाएं शामिल हैं) को भी गिरफ्तार किया है। पुलिस ने चुराए गए शत-प्रतिशत जेवरात बरामद कर लिए हैं।

बुजुर्ग की बेबसी का उठाया फायदा:

पुलिस अधीक्षक धर्मेन्द्र सिंह ने बताया कि 11 फरवरी 2026 को गेंहुली निवासी 91 वर्षीय रिटायर्ड अध्यापक रायमल पिता मांगीलाल त्रिपाठी ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि अज्ञात चोरों ने उनके घर की अलमारी से भारी मात्रा में सोने-चांदी के जेवरात चुरा लिए हैं। तफ्तीश में सामने आया कि शातिर चोरों ने बुजुर्ग की अपंगता और वृद्धावस्था का फायदा उठाया और रात के समय छत के रास्ते घर में घुसकर इस बड़ी वारदात को अंजाम दिया।

कड़ी पूछताछ में टूटा आरोपी, शत-प्रतिशत माल बरामद:

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (शाहपुरा) राजेश आर्य और कोटड़ी वृत्ताधिकारी सुरेश डाबरिया के सुपरविजन में कोटड़ी थानाधिकारी महावीर प्रसाद और ष्ठस्ट प्रभारी कन्हैयालाल के नेतृत्व में विशेष टीमों का गठन किया गया था। मुखबिर की सूचना और परंपरागत पुलिसिंग के जरिए संदिग्धों को पकड़ा गया। गहन पूछताछ में आरोपियों ने अपना जुर्म कबूल लिया। पुलिस ने मुख्य आरोपियों की निशानदेही पर 162.5 ग्राम सोने के जेवरात (बाजार मूल्य करीब 25 लाख रुपये) और 7.969 किलोग्राम चांदी के जेवरात (बाजार मूल्य करीब 20 लाख रुपये) सहित कुल 45 लाख रुपये का माल शत-प्रतिशत बरामद कर लिया है।

चोरी का माल छिपाने में पत्नी, माता-पिता भी गिरफ्तार:

इस मामले में पुलिस ने कुल 5 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। वारदात को अंजाम देने वाले मुख्य आरोपी शिवलाल उर्फ शिवराज गुर्जर (28) और शंकर लाल गुर्जर (55) निवासी गेंहुली हैं।

चोरी का माल अपने कब्जे में रखकर घर में छिपाने और वारदात में सहयोग करने के आरोप में मुख्य आरोपी शिवलाल के पिता नाथु लाल गुर्जर (52), मां बाली देवी (50) और पत्नी लीलादेवी (27) को भी गिरफ्तार किया गया है। सभी आरोपियों को न्यायालय में पेश कर 3 दिन के पुलिस रिमांड पर लिया गया है, जिनसे अन्य वारदातों के संबंध में पूछताछ जारी है।

इन पुलिसकर्मियों का रहा विशेष योगदान:

इस पूरी कार्रवाई में कोटड़ी थाना और डीएसटी टीम का बेहतरीन समन्वय रहा। विशेष रूप से ष्ठस्ट के हैड कांस्टेबल प्रताप राम विश्नोई, कांस्टेबल अमृत सिंह और ऋषिकेश का वारदात खोलने में विशेष योगदान रहा। टीम में सउनि गोपाल लाल, हैड कांस्टेबल औंकार सिंह, कांस्टेबल रविन्द्र सिंह, मोती राम, राकेश, मनोहर, महिला कांस्टेबल किरण, हेमराज और जोमदीन भी शामिल रहे।

स्वच्छ भारत अभियान को कलेक्ट्रेट में ही लगाया जा रहा पलीता

टूटे शौचालय, गंदगी से अटे पेशाबघर और सूखे पौधे–जिम्मेदारों की अनदेखी उजागर

स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के स्वच्छ भारत अभियान को भीलवाड़ा कलेक्ट्रेट परिसर में ही पलीता लगाया जा रहा है। जिले के सबसे महत्वपूर्ण प्रशासनिक केंद्र में स्वच्छता व्यवस्था पूरी तरह ध्वस्त नजर आ रही है, जिससे सरकारी दावों की सच्चाई उजागर हो रही है।

परिसर में बने शौचालयों की हालत बेहद खराब है। कहीं सीटें टूटी पड़ी हैं तो कहीं गंदगी का अंबार लगा हुआ है। पेशाबघर भी साफ-सफाई के अभाव में बदहाल हैं–दीवारों पर जमी गंदगी, फर्श पर फैला गंदा पानी और उठती बदबू आमजन के लिए परेशानी का कारण बनी हुई है।

इतना ही नहीं, परिसर में रखे गमलों में पौधे पानी के अभाव में सूख चुके हैं, जो रखरखाव की गंभीर लापरवाही को दर्शाते हैं। चौंकाने वाली बात यह है कि यह स्थिति जिला कलेक्टर के कार्यालय

के नीचे ही बनी हुई है, इसके बावजूद जिम्मेदार अधिकारी बेखबर बने हुए हैं।

स्वच्छता के नाम पर बड़े-बड़े दावे करने वाला प्रशासन अपने ही मुख्यालय में व्यवस्था बनाए रखने में नाकाम साबित हो रहा है। यदि कलेक्ट्रेट परिसर का यह हाल है, तो शहर के अन्य हिस्सों की स्थिति का सहज अंदाजा लगाया जा सकता है।

अब सवाल यह है कि क्या जिम्मेदार अधिकारी इस ओर ध्यान देंगे या स्वच्छता अभियान यूं ही कागजों तक सीमित रहेगा।

केंद्रीय जल शक्ति मंत्री ने किया पंचायतों से संवाद, मांडलगढ़ की पेयजल व्यवस्था की हुई सराहना

जल जीवन मिशन की वीसी में मांडलगढ़ ने पेश की मिसाल, घर-घर और पशुआलयों तक पहुंचा पानी

स्मार्ट हलचल

मांडलगढ़। जल जीवन मिशन (छ्वछ्वरू) की प्रगति रिपोर्ट और पंचायत स्तर पर पेयजल व्यवस्थाओं की जमीनी हकीकत जानने के लिए केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सी.आर. पाटिल ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग (वीसी) के माध्यम से देशभर की चुनिंदा पंचायतों के प्रतिनिधियों से सीधा संवाद किया। इस महत्वपूर्ण संवाद में मांडलगढ़ क्षेत्र की पंचायत की पेयजल व्यवस्था भी चर्चा का प्रमुख केंद्र रही, जहां घर-घर पानी पहुंचाने की उत्कृष्ट व्यवस्था की विस्तृत जानकारी मंत्री और केंद्रीय अधिकारियों को दी गई।

ऑफशोर कंपनी ने बिछाई पाइपलाइन, पशुआलयों तक पहुंचा पानी:

वीसी के दौरान केंद्रीय मंत्री ने पंचायत प्रतिनिधियों से वर्तमान पेयजल स्थिति, जलापूर्ति की नियमितता, पाइपलाइन नेटवर्क और आमजन को मिल रही सुविधाओं को लेकर विस्तार से चर्चा की। अधिकारियों ने मंत्री को अवगत कराया कि जल जीवन मिशन के तहत ऑफशोर कंपनी द्वारा गांव की हर गली में पाइपलाइन बिछाकर प्रत्येक घर तक नल कनेक्शन पहुंचाए गए हैं। इसके अलावा, पशुआलयों तक भी पानी की सुविधा उपलब्ध कराने के विशेष प्रयास किए गए हैं, जिससे ग्रामीणों को भारी राहत मिली है।

केंद्र का आश्वासन–प्राथमिकता से होंगे काम:

संवाद के दौरान केंद्रीय अधिकारियों ने योजना को और अधिक सुदृढ़ बनाने को लेकर अपने सुझाव भी दिए। उन्होंने आश्वस्त किया कि जिन क्षेत्रों में अब भी आवश्यकता है, वहां प्राथमिकता के आधार पर कार्य किया जाएगा। केंद्रीय मंत्री सी.आर. पाटिल ने भरोसा दिलाया कि केंद्र सरकार ग्रामीण भारत में स्वच्छ और पर्याप्त पेयजल उपलब्ध कराने के लिए पूरी गंभीरता और प्रतिबद्धता के साथ काम कर रही है।

प्रधानमंत्री व अधिकारियों का जताया आभार:

इस दौरान पंचायत प्रतिनिधियों ने स्थानीय स्तर पर सफल क्रियान्वयन के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय मंत्री सी.आर. पाटिल, उनकी टीम, क्षेत्रीय विधायक तथा चंबल पेयजल योजना से जुड़े अधिकारियों का आभार व्यक्त किया। प्रतिनिधियों ने कहा कि निरंतर प्रयासों के कारण ही क्षेत्र में पेयजल व्यवस्था मजबूत हुई है।

इस वीसी कार्यक्रम के दौरान अधीक्षण अभियंता रामप्रसाद जाट, सहायक अभियंता प्रकाश शर्मा, ग्राम विकास अधिकारी भारत सिंह देवड़ा, अध्यापिका आरती जीनगर, पूर्व उपसरपंच हेमंत जोशी, आशीष कुमार जोशी और महेंद्र सिंह भाटी सहित अन्य ग्रामीणजन मुख्य रूप से मौजूद रहे।

जहाजपुर उपजिला चिकित्सालय में नई सोनोग्राफी मशीन का शुभारंभ, मरीजों को मिली बड़ी राहत

विधायक गोपीचंद मीणा ने किया उद्घाटन, गर्भवती महिलाओं को अब जांच के लिए नहीं जाना पड़ेगा बाहर

स्मार्ट हलचल

जहाजपुर। उपजिला चिकित्सालय जहाजपुर में मरीजों और खासकर महिलाओं के लिए एक बड़ी राहत की खबर है। लंबे समय से प्रतीक्षित नई सोनोग्राफी मशीन का आज अस्पताल परिसर में विधिवत उद्घाटन कर दिया गया। क्षेत्रीय विधायक गोपीचंद मीणा ने मशीन का शुभारंभ कर इसे जनता को समर्पित किया।

20 साल पुरानी मशीन हो गई थी खराब:

अस्पताल में पूर्व से लगी करीब 20 वर्ष पुरानी सोनोग्राफी मशीन काफी समय से खराब पड़ी थी। इस वजह से मरीजों, विशेषकर गर्भवती महिलाओं को जांच के लिए निजी सेंटरों या अन्य शहरों की ओर रुख करना पड़ता था, जिससे उन्हें भारी आर्थिक और शारीरिक परेशानी उठानी पड़ रही थी।

विधायक के प्रयासों से मिली सौगात:

चिकित्सालय प्रशासन की निरंतर मांग और विधायक गोपीचंद मीणा के विशेष प्रयासों से लगभग 15 दिन पूर्व आरएमसीएल जयपुर के माध्यम से यह नई अत्याधुनिक सोनोग्राफी मशीन अस्पताल को उपलब्ध करवाई गई थी। मशीन के पीसीपीएनडीटी पंजीयन और इंस्टॉलेशन की कागजी व तकनीकी प्रक्रिया पूरी होने के बाद आज इसका विधिवत शुभारंभ किया गया। चिकित्सालय के सोनोलॉजिस्ट डॉ. जी.पी. गोयल ने जानकारी देते हुए बताया कि शुरुआत में फिलहाल गर्भवती महिलाओं की सोनोग्राफी जांच प्राथमिकता से की जाएगी, ताकि मातृ-शिशु स्वास्थ्य देखभाल को बेहतर किया जा सके और महिलाओं को बाहर जाने की जहमत न उठानी पड़े।

जल्द भरे जाएंगे रिक्त पद:

उद्घाटन कार्यक्रम के पश्चात प्रमुख चिकित्सा अधिकारी डॉ. नईम अख्तर ने विधायक व अन्य जनप्रतिनिधियों का आभार व्यक्त किया। साथ ही उन्होंने चिकित्सालय में विशेषज्ञ चिकित्सकों की भारी कमी की ओर भी विधायक का ध्यान आकृष्ट करवाया। इस पर विधायक गोपीचंद मीणा ने क्षेत्रवासियों को बेहतर चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध कराने का भरोसा दिलाते हुए आश्वासन दिया कि आगामी कुछ ही महीनों में अस्पताल में खाली पड़े चिकित्सकों के पदों को भर दिया जाएगा।

इस अवसर पर विधायक के साथ भाजपा के वरिष्ठ कार्यकर्ता, नगर के गणमान्य नागरिक एवं चिकित्सालय का समस्त स्टाफ उपस्थित रहा।

मेवाड़ का हरिद्वार 'मातृकुंडिया' कनेक्टिविटी में बदहाल

रोडवेज बसें बंद होने से श्रद्धालु और पर्यटक परेशान पुनः शुरू करने की मांग

स्मार्ट हलचल

गुरला। चित्तौड़गढ़/आरणी। मेवाड़ के हरिद्वार के नाम से विख्यात प्रसिद्ध तीर्थ स्थल मातृकुंडिया इन दिनों प्रशासन की अनदेखी का शिकार है। हिंदू आस्था के इस बड़े केंद्र और राजस्थान के सबसे बड़े बांधों में शुमार 52 गेटों वाले मातृकुंडिया बांध तक पहुँचने के लिए रोडवेज बसों की कनेक्टिविटी पूरी तरह ठप हो गई है, जिससे श्रद्धालुओं और स्थानीय निवासियों में भारी रोष है।

पूर्व में संचालित बसें हुईं बंद

स्थानीय निवासी पंकज सेन (आरणी) ने बताया कि पूर्व में इस मार्ग पर रोडवेज की महत्वपूर्ण बसें संचालित थीं। आरणी से उदयपुर और चित्तौड़गढ़ से पाली वाया मातृकुंडिया होकर चलने वाली रोडवेज बसें लंबे समय से बंद पड़ी हैं। इन बसों के बंद होने से न केवल आम जनता को आवागमन में परेशानी हो रही है, बल्कि दूर-दराज से आने वाले श्रद्धालुओं को

भी निजी वाहनों या महंगे विकल्पों का सहारा लेना पड़ रहा है।

पर्यटन और आस्था पर पड़ रहा असर

मातृकुंडिया न केवल धार्मिक रूप से महत्वपूर्ण है, बल्कि एक प्रमुख पर्यटन स्थल भी है। बांध के 52 गेटों का नजारा देखने बड़ी संख्या में लोग यहाँ आते हैं। परिवहन के उचित साधन न होने के कारण यहाँ पर्यटन व्यवसाय भी प्रभावित हो रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि शासन और प्रशासन इस ओर बिल्कुल ध्यान नहीं दे रहे हैं।

प्रशासन से पुनः बस सेवा शुरू करने की मांग

क्षेत्रवासियों और श्रद्धालुओं ने मांग की है कि मातृकुंडिया के धार्मिक और पर्यटन महत्व को देखते हुए बंद की गई रोडवेज सेवाओं को तुरंत बहाल किया जाए। आरणी निवासी पंकज सेन सहित अन्य ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही रोडवेज कनेक्टिविटी में सुधार नहीं हुआ, तो वे अपनी मांग को लेकर उच्च अधिकारियों को ज्ञापन सौंपेंगे।

नरेगा कार्यों का सामाजिक अंकेक्षण बाकरा में ग्राम सभा आयोजित

स्मार्ट हलचल | खजुरी

कार्यालय कार्यक्रम अधिकारी ईजीएस पंचायत समिति जहाजपुर (भीलवाड़ा) के आदेश अनुसार राजस्थान सरकार के ग्रामीण विकास एवं पंचायतीराज विभाग द्वारा जारी निर्देशों की पालना में ग्राम पंचायतों में सामाजिक अंकेक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इसी क्रम में ग्राम पंचायत बाकरा में भी द्वितीय चरण का सामाजिक अंकेक्षण ग्राम सभा के माध्यम से प्रशासक निशा देवी मीना की अध्यक्षता में संपादित किया गया।

इस अंकेक्षण में महात्मा गांधी नरेगा योजना एवं स्वच्छ भारत मिशन के तहत स्वीकृत शौचालय निर्माण कार्यों की समीक्षा की गई। ग्राम सभा में पारदर्शिता के साथ कार्यों का सत्यापन किया गया तथा ग्रामीणों से सुझाव भी लिए गए ग्राम विकास अधिकारी नरेंद्र कुमार मीना ने बताया कि सामाजिक अंकेक्षण का उद्देश्य योजनाओं में पारदर्शिता बनाए रखना एवं आमजन की भागीदारी सुनिश्चित करना है, जिससे विकास कार्यों की गुणवत्ता में सुधार हो सके।

कार्यक्रम के दौरान उप प्रशासक सत्यनारायण शर्मा, पूर्व सरपंच राकेश खटीक, कनिष्ठ लिपिक कांता मीना, अनीता गुर्जर ,निर्मला मीणा रघुनाथ गुर्जर सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

सिद्धेश्वर बालाजी मंदिर का कलश स्थापना दिवस

51 यूनिट रक्तदान, कलश यात्रा के साथ तीन दिवसीय महोत्सव का आगाज

महिलाओं ने निकाली भव्य कलश यात्रा, तीन दिन तक चलेंगे धार्मिक अनुष्ठान और विशाल यज्ञ

स्मार्ट हलचल | भीलवाड़ा

वार्ड नंबर 68, देवनारायण चौराहे के पास 100 फिट रोड स्थित सिद्धेश्वर बालाजी मंदिर के कलश स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में बुधवार (22 अप्रैल) को तीन दिवसीय धार्मिक महोत्सव का भव्य आगाज हुआ। पहले दिन महिलाओं द्वारा भव्य कलश यात्रा निकाली गई और महादान के रूप में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें 51 यूनिट रक्त संग्रहित हुआ।

कलश यात्रा में उमड़ी मातृशक्ति, युवाओं ने किया रक्तदान:

सामाजिक कार्यकर्ता विनोद सुखवाल और विनोद अग्याल ने बताया कि महोत्सव की शुरुआत में

चारभुजा मंदिर से सिद्धेश्वर बालाजी मंदिर तक एक विशाल कलश यात्रा निकाली गई, जिसमें बड़ी संख्या में मातृशक्ति ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इसके पश्चात मंदिर प्रांगण में एक विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन रखा गया। शिविर में युवाओं और क्षेत्रवासियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और कुल 51 यूनिट रक्तदान किया। इस पुनीत कार्य में भीलवाड़ा ब्लड बैंक की टीम का विशेष सहयोग रहा।

सुंदरकांड पाठ और यज्ञ का आयोजन:

धार्मिक कार्यक्रमों की श्रृंखला में बुधवार रात्रि को संगीतमय सुंदरकांड पाठ का आयोजन रखा गया है। इसके साथ ही, आचार्य पुष्पेंद्र जी ओझा के सान्निध्य और नेतृत्व में तीन दिवसीय विशाल यज्ञ भी आयोजित किया जा रहा है, जिसमें यजमान आहुतियां देंगे।

इनकी रही प्रमुख उपस्थिति:

कलश यात्रा और रक्तदान शिविर को सफल बनाने में क्षेत्रवासियों का भरपूर सहयोग रहा। कार्यक्रम में मुख्य रूप से रामलाल शर्मा, कैलाश सुथार, शिव जोशी, श्याम गुर्जर, हीरा गुर्जर, दशरथ शर्मा, सत्यनारायण, महावीर शर्मा, हरि प्रजापति, चंदू, मुकेश शर्मा, अरविंद मीणा, बनवारी, घीसू, भागचंद, नटवर और दिनेश सहित बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक एवं श्रद्धालु उपस्थित रहे।

भीलवाड़ा देहात कांग्रेस ओबीसी विभाग की कार्यकारिणी घोषित

जिलाध्यक्ष राजेन्द्र कुमावत ने उपाध्यक्ष, महासचिव, सचिव व ब्लॉक अध्यक्षों की सूची जारी की

स्मार्ट हलचल

शाहपुरा। जिला कांग्रेस कमेटी भीलवाड़ा (देहात) में संगठन विस्तार को लेकर अन्य पिछड़ा वर्ग ओबीसी विभाग की नई जिला कार्यकारिणी एवं ब्लॉक अध्यक्षों की घोषणा कर दी गई है। यह नियुक्तियां जिलाध्यक्ष रामलाल जाट की अनुशंसा पर संगठन महासचिव सागर मावर द्वारा अनुमोदित की गई हैं।

ओबीसी विभाग के जिलाध्यक्ष राजेन्द्र कुमावत ने जानकारी देते हुए बताया कि कार्यकारिणी में विभिन्न पदों पर सक्रिय कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारी सौंपी गई है। उपाध्यक्ष पद पर रूपचन्द धाकड़, मोतीलाल जाट, शंकर सिंह राठौड़, शंकर लाल गुर्जर, प्रहलाद कुमावत, रतन गाडरी, मनोहर लाल अहीर, रामेश्वर लाल जाट, भैरूलाल कुमावत, भैरूलाल गुर्जर, लक्ष्मण जाट, राकेश लोहार एवं राणे खां सिंधी को नियुक्त किया गया है।

इसी प्रकार महासचिव पद पर सुरेश वैष्णव, उदयलाल धाकड़, भागचंद जाट, रामपाल तेली, कालूराम बंजारा, बाबूलाल कुमावत, अशोक कुमार चाडा, देवकिशन गाडरी, पारसमल जाट, केशर लाल जाट, कैलाश चंद्र गुर्जर, सांवरलाल गाडरी, संजय सोनी एवं जसवंत सिंह सोलंकी को जिम्मेदारी दी गई है। सचिव पद पर राजेन्द्र वैष्णव,

रामलाल गुर्जर, अशोक कुमार टेलर, खेमराज माली, रविशंकर गिरी, रामरतन कुमावत, राकेश धातरवाल, हेमराज कुम्हार, अमरचंद गुर्जर, राजू जाट, सूरज सोनी, शिवराज कुमावत, फतेह लाल सेन एवं जमना लाल भाट को नियुक्त किया गया है। इसके साथ ही संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने के उद्देश्य से विभिन्न ब्लॉकों में अध्यक्ष भी नियुक्त किए गए हैं। करेडा में धर्माराम रायका, बनेड़ा में रामराज दरोगा, मांडलगढ़ में कमलेश कुमार गुर्जर, शाहपुरा में रामगोपाल सेन, हुरड़ा में धनश्याम माली, गंगापुर में मांगीलाल गाडरी, रायपुर में लादूलाल गुर्जर, बिजोलिया में संजय कुमार मालवीय, मांडल में लक्ष्मण कीर तथा आंसीद ब्लॉक में भंवरलाल गुर्जर को अध्यक्ष बनाया गया है। जिलाध्यक्ष कुमावत ने सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों से संगठन की नीतियों को जन-जन तक पहुंचाने तथा आगामी चुनावों को ध्यान में रखते हुए पार्टी को मजबूत करने का आह्वान किया है।

राष्ट्रीय आदिवासी एकता मंच के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बने ज्ञानेश्वर गोंड

स्मार्ट हलचल | भीलवाड़ा

राष्ट्रीय आदिवासी एकता मंच ने संगठन विस्तार की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए बिहार निवासी ज्ञानेश्वर गोंड को राष्ट्रीय उपाध्यक्ष पद की जिम्मेदारी सौंपी है। उनकी नियुक्ति के बाद आदिवासी समाज और संगठन से जुड़े लोगों में खुशी का माहौल है।

यह नियुक्ति राष्ट्रीय आदिवासी एकता मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष यशवंत सिंह दरबार के नेतृत्व में की गई। वहीं महिला प्रकोष्ठ की राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती राजू मीणा तथा राष्ट्रीय महासचिव एवं वरिष्ठ पत्रकार राकेश मीणा की अनुशंसा पर ज्ञानेश्वर गोंड को यह महत्वपूर्ण दायित्व सौंपा गया।

ज्ञानेश्वर गोंड इससे पहले झारखंड अनुसूचित जनजाति मोर्चा (भारतीय जनता पार्टी) में पूर्व राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य एवं सह प्रभारी के रूप में अपनी सेवाएं दे चुके हैं। संगठनात्मक अनुभव और सामाजिक सक्रियता

को देखते हुए उन्हें यह नई जिम्मेदारी दी गई है।

नियुक्ति के बाद सामाजिक एवं राजनीतिक क्षेत्र से जुड़े लोगों ने उन्हें बधाई देते हुए विश्वास जताया कि उनके नेतृत्व में राष्ट्रीय आदिवासी एकता मंच को नई मजबूती मिलेगी और आदिवासी समाज के हितों के लिए प्रभावी कार्य होंगे। ज्ञानेश्वर गोंड ने संगठन नेतृत्व का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे समाज की आवाज को राष्ट्रीय स्तर पर मजबूती से उठाने और युवाओं को संगठन से जोड़ने के लिए समर्पित भाव से कार्य करेंगे।

2 लाख के बदले 3.95 लाख ऐंठने के बाद भी नहीं भरी नीयत, कोटड़ी पुलिस ने दो सूदखोरों को किया गिरफ्तार

खाली चेक और स्टाम्प रख डरा-धमका रहे थे ब्याज माफिया, पिता-पुत्र 6 मई तक भेजे गए जेल

स्मार्ट हलचल | कोटड़ी (भीलवाड़ा)

जिले में ब्याज माफियाओं और सूदखोरों के खिलाफ पुलिस का शिकंजा कसता जा रहा है। कोटड़ी थाना पुलिस ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए 2 लाख रुपये के मूल ऋण के बदले 3.95 लाख रुपये ऐंठने और उसके बाद भी खाली चेक व स्टाम्प के जरिये प्रताड़ित करने वाले दो शातिर सूदखोरों (पिता-पुत्र) को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से पुलिस ने खाली चेक और स्टाम्प सहित अन्य दस्तावेज बरामद कर लिए हैं। न्यायालय के आदेश पर दोनों को 6 मई 2026 तक न्यायिक अभिरक्षा (माण्डलगढ़ जेल) में भेज दिया गया है।

5-6 साल पहले लिया था 2 लाख का कर्ज:

पुलिस अधीक्षक धर्मेन्द्र सिंह के निर्देश पर की गई इस कार्रवाई के संबंध में कोटड़ी थानाधिकारी महावीर प्रसाद ने बताया कि धायलों का खेड़ा निवासी प्रार्थी चन्द्रा पिता लक्ष्मण गाडरी ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। रिपोर्ट में बताया गया कि उसने करीब 5-6 वर्ष पूर्व आरोपी आशाराम तेली से 2 लाख रुपये (2 रुपये प्रति सैकड़ा की दर से) उधार लिए थे। उस समय सिक्योरिटी के तौर पर आशाराम ने एचडीएफसी बैंक के 7 खाली चेक और 500 रुपये का एक खाली स्टाम्प प्रार्थी से रखवा लिया था।

बैंक से लोन लिया तो खाली चेक से उड़ा लिए 3.90 लाख:

आरोपियों ने मूल राशि पर मनमाना ब्याज और पेनल्टी लगाकर भारी-भरकम राशि की मांग शुरू कर दी। प्रार्थी ने अपना कर्ज चुकाने के लिए बैंक से 3,95,000 रुपये का लोन लिया। जैसे ही यह पैसा प्रार्थी के खाते में आया, आरोपी आशाराम ने पहले से रखे एक खाली चेक में 3,90,000 रुपये की राशि भरकर अपने खाते में ट्रांसफर करवा ली।

मकान पर कब्जा करने और झूठे मुकदमों की दे रहे थे धमकी:

लगभग दोगुनी राशि वसूलने के बावजूद सूदखोरों का लालच खत्म नहीं हुआ। वे अवैध पेनल्टी लगाकर और रुपयों की मांग करने लगे। रुपये न देने पर उन्होंने प्रार्थी को धमकाया कि बचे हुए अमानतन खाली चेक और स्टाम्प का दुरुपयोग कर वे उसे झूठे मुकदमों में फंसा देंगे और मकान पर कब्जा कर लेंगे। आरोपियों की इस प्रताड़ना से पीड़ित और उसका परिवार आत्महत्या करने की कगार पर पहुंच गया था।

ये आरोपी हुए गिरफ्तार:

पुलिस ने धोखाधड़ी, आपराधिक षड्यंत्र और डरा-धमका कर जबरन पैसे ऐंठने की धाराओं (308 (2), 316, 318(4), 61(2) बीएनएस) में मामला दर्ज कर जांच शुरू की। पुलिस ने मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए मुख्य आरोपी आशाराम (34) पुत्र प्रभू लाल तेली और उसके पिता प्रभूलाल (55) पिता मांगीलाल (निवासी कोटड़ी) को गिरफ्तार कर लिया।

कार्रवाई में शामिल पुलिस टीम:

यह कार्रवाई एएसपी (शाहपुरा) राजेश आर्य व वृत्ताधिकारी सुरेश डाबरिया के सुपरविजन में की गई। टीम में थानाधिकारी महावीर प्रसाद, सउनि रणजीत सिंह, हैड कांस्टेबल कमलेश कुमार, कांस्टेबल राकेश और लक्ष्मण शामिल रहे।

उदयपुर-बेगूं बस में 48 सवारी में से 23 बिना टिकट मिली

चित्तौड़गढ़। राजस्थान परिवहन निगम के उड़न दस्ते ने चेकिंग के दौरान उदयपुर से बेगूं जाने वाली बस में 48 में से 23 सवारियों बिना टिकट पाए जाने पर परिचालक के विरुद्ध कार्यवाही की रिपोर्ट की।

जानकारी के अनुसार राजस्थान रोडवेज के एमडी पुरूषोत्तम शर्मा द्वारा नियमित चेकिंग का अभियान चलाया जा रहा है। जिसके तहत तकनीकी अधिकारियों सहित प्रत्येक अधिकारी को 30 वाहनों की जांच करने के निर्देश दिये गये है। जिसके तहत बुधवार को चित्तौड़गढ़ डिपो के उड़नदस्ते के प्रभारी एमओ आनन्द प्रकाश पत्रूसा ने उदयपुर -बेगूं बस को घोसुंडी के समीप चेक किया गया।

जिसमें 48 यात्रियों में से 23 यात्री बिना टिकट पाये गये। जिस पर परिचालक के खिलाफ नियमानुसार कार्यवाही के लिए रिपोर्ट तैयार कर भेजी गई है। इसके साथ ही बस नम्बर आरजे 09 पीए 4444 के सिविल डिफेंस परिचालक नारायण सालवी को त्वरीत प्रभाव से रुट ऑफ किया गया।

शाहपुरा की मिट्टी की महक अब पहुंचेगी सऊदी अरब

जीव दया सेवा समिति का अनूठा सेवा अभियान

स्मार्ट हलचल

शाहपुरा। भीषण गर्मी में जहां इंसान भी प्यास से व्याकुल हो उठता है, वहीं बेजुबान पक्षियों की पीड़ा को समझते हुए शाहपुरा की जीव दया सेवा समिति ने एक सराहनीय पहल की है। नूर बाग स्थित दरगाह परिसर से 'परिंडे लगाओ अभियान' की शुरुआत कर समिति ने पक्षियों के लिए दाना-पानी की व्यवस्था सुनिश्चित करने का बीड़ा उठाया है।

इस अभियान की खास बात यह रही कि शाहपुरा की मिट्टी से बने परिंडों की खुशबू अब देश की

सीमाएं लांघकर सऊदी अरब तक पहुंचेगी। नूर बाग में जियारत करने आए अजमेर जिले के कायमपुरा निवासी तयब खां कायमखानी और अलीपुरा निवासी अलादीन खां कायमखानी ने जब इन परिंडों को देखा, तो वे भावुक हो उठे। उन्होंने बताया कि वे सऊदी अरब और अमीरात में निजी व्यवसाय करते हैं और वहां भी इस तरह की सेवा शुरू करना चाहते हैं, ताकि पक्षियों को राहत मिल सके।

समिति के संयोजक अतू खां कायमखानी ने उनकी भावना का सम्मान करते हुए दोनों जायरीनों को पांच निशुल्क परिंडे भेंट किए। इस दौरान जायरीनों के हाथों ही परिंडे लगवाकर अभियान का शुभारंभ किया गया, जिससे यह सेवा कार्य और भी प्रेरणादायक बन गया।

कार्यक्रम में फरहान खां, आशिफ खां, एजाज खां, तुफैल, अरबाज खां, आफरीन खां, बिलाल खां, अदनान खां, दानिश खां सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे। सभी ने इस पुनीत कार्य की सराहना करते हुए इसे मानवता और जीव दया का उत्कृष्ट उदाहरण बताया।

संयोजक अतू खां कायमखानी ने इस अवसर पर कहा कि यदि किसी कार्य को सच्ची लगन और निष्ठा से किया जाए तो पूरी कायनात उसे सफल बनाने में लग जाती है। उन्होंने आमजन से अपील करते हुए कहा कि इस भीषण गर्मी में हर व्यक्ति अपने घर की छत, बालकनी या किसी छायादार स्थान पर एक परिंडा जरूर लगाए और उसमें प्रतिदिन पानी व दाना डाले, ताकि बेजुबान पक्षियों को जीवन मिल सके।

समिति के अनुसार यह अभियान केवल शहर तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि इसे ग्रामीण क्षेत्रों तक भी विस्तार दिया जाएगा। आने वाले दिनों में अधिक से अधिक लोगों को जोड़कर इस सेवा कार्य को जन आंदोलन का रूप देने का लक्ष्य रखा गया है। शाहपुरा की इस छोटी सी पहल ने यह साबित कर दिया है कि सच्ची सेवा की कोई सीमा नहीं होती। मिट्टी के परिंडों से उठी यह खुशबू अब विदेशों तक पहुंचेगी और मानवता का संदेश पूरी दुनिया में फैलाएगी।

उप स्वास्थ्य केंद्र बाकरा का औचक निरीक्षण, दिये निर्देश

स्मार्ट हलचल | खजुरी

क्षेत्र के उप स्वास्थ्य केंद्र बाकरा का टीटोडा जागीर पीएचसी प्रभारी मयंक झवर ने बुधवार को औचक निरीक्षण कर स्वास्थ्य व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान केंद्र पर साफ-सफाई, दवाइयों की उपलब्धता, मरीजों को दी जा रही सुविधाएं एवं रिकॉर्ड संधारण की बारीकी से जांच की गई।

निरीक्षण के दौरान प्रभारी ने स्टाफ को निर्देश दिए कि समय पर उपस्थित रहकर मरीजों को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें। उन्होंने टीकाकरण कार्य, जनस्वास्थ्य योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन एवं रिकॉर्ड अपडेट रखने के निर्देश दिए।

इस दौरान उन्होंने एचपीवी टीकाकरण योजना की जानकारी लेते

हुए कहा कि यह योजना किशोरियों को सर्वाइकल कैंसर जैसी गंभीर बीमारी से बचाने में बेहद महत्वपूर्ण है। उन्होंने निर्देश दिए कि 9 से 14 वर्ष की बालिकाओं का शत-प्रतिशत टीकाकरण सुनिश्चित किया जाए तथा अभिभावकों को इसके प्रति जागरूक किया जाए, ताकि अधिक से अधिक लाभार्थी योजना से जुड़ सकें।

निरीक्षण के दौरान सीएचओ अनिता गुर्जर एवं एएनएम निर्मला मीणा मौजूद रहीं। उन्होंने केंद्र की व्यवस्थाओं की जानकारी दी।

पीएचसी प्रभारी ने बताया कि स्वास्थ्य सेवाओं में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और पीएचसी क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले उप स्वास्थ्य केंद्र की नियमित मॉनिटरिंग जारी रखी जाएगी।

53 हज़ार स्कूलों में मिड-डे-मील के बर्तन बदलने की कवायद, बजट में भेदभाव का 'सियाराम शिक्षक संघ' ने लगाया आरोप

स्मार्ट हलचल | बांसवाड़ा

प्रदेश के 53,738 सरकारी स्कूलों और मदरसों में अब मिड-डे-मील (पीएम पोषण योजना) का भोजन नए और सुरक्षित बर्तनों में पकेगा। राज्य सरकार ने पाँच साल या उससे अधिक पुराने हो चुके किचन उपकरणों जैसे चूल्हे, बर्तन और कंटेनरों को बदलने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। मिड-डे-मील कार्यक्रम आयुक्तालय की ओर से इस संबंध में सभी जिला शिक्षा अधिकारियों (प्रारंभिक शिक्षा) को आदेश जारी किए गए हैं, जिसके तहत स्थानीय अधिकारी सूचनाएँ संकलित कर रहे हैं। जिला मंत्री महिपाल भुता ने बताया कि यह कदम शिक्षा मंत्रालय की गाइडलाइन के तहत उठाया जा रहा है।

नामांकन के आधार पर बजट आवंटन

सरकार ने नए बर्तन और किचन उपकरण खरीदने के लिए बजट का निर्धारण विद्यालय में नामांकित बच्चों की संख्या के आधार पर किया है। इस मद में 10,000 से लेकर 25,000 तक की राशि तय की गई है:

50 विद्यार्थियों तक: 10,000 प्रति स्कूल

51 से 150 विद्यार्थियों तक: 15,000 प्रति स्कूल

151 से 250 विद्यार्थियों तक: 20,000 प्रति स्कूल

251 और उससे अधिक विद्यार्थी: 25,000 प्रति स्कूल

स्वीकृत राशि की सीमा में रहते हुए स्कूल अपनी आवश्यकता के अनुसार तीन मदों में खरीदारी कर सकेंगे, जिनमें कुकिंग डिवाइस (स्टोव, गैस चूल्हा), कंटेनर (अनाज भंडारण के लिए), और बच्चों को परोसने के लिए आवश्यक बर्तन शामिल हैं।

सियाराम शिक्षक संघ ने लगाया भेदभाव का आरोप

बजट आवंटन के इस तरीके पर राजस्थान शिक्षक संघ सियाराम ने कड़ी आपत्ति जताई है और इसे भेदभावपूर्ण बताया है। संगठन के प्रदेश मंत्री नानूराम डामोर ने सभी स्कूलों को एक समान बजट आवंटन की मांग की है।

जिला अध्यक्ष नवीन कुमार जोशी ने कहा, 'सभी स्कूलों में नए बर्तन और किचन उपकरण खरीदने के लिए राशि का निर्धारण विद्यालय में नामांकित बच्चों की संख्या के आधार पर नहीं किया गया है।... भेदभाव न्यायोचित नहीं होगा '। संगठन ने आरोप लगाया कि एक पंचायत में आधी शालाओं को ही बजट आवंटित किया गया है।

इसके अतिरिक्त, संगठन ने जनजातीय (टीएसपी) परिक्षेत्रों में स्थित सरकारी स्कूलों को अधिक बजट देने की मांग की है। उनका तर्क है कि इन अंचलों में भौगोलिक परिस्थितियाँ अलग हैं और भामाशाहों (दानदाताओं) की कमी है। संघ ने भोजन शालाओं की मरम्मत और नवनिर्माण के लिए भी आवश्यक बजट की मांग की है, ताकि विद्यार्थियों को सुरक्षित दोपहर भोजन मिल सके।

दो दिन में मांगे गए प्रस्ताव

आयुक्तालय ने इस कार्य को सर्वोच्च प्राथमिकता पर रखने के सख्त निर्देश दिए हैं। सभी जिला शिक्षा अधिकारियों को पाबंद किया गया है कि वे अनुमोदित सूची वाले विद्यालयों से उनकी अति-आवश्यकता के आधार पर डिमांड भेजें। यह मांग पत्र हर हाल में दो दिन के भीतर आयुक्तालय को भिजवाना सुनिश्चित करना होगा, ताकि बजट जारी कर अग्रिम कार्यवाही की जा सके।

बांसवाड़ा की 525 से अधिक स्कूलों को नज़र अंदाज़ करने का आरोप

प्रदेश की ओर से जारी 53,738 विद्यालयों और मदरसों की सूची में बांसवाड़ा जिले के 525 से अधिक विद्यालय शामिल हैं। हालांकि, सियाराम शिक्षक संघ ने यह आरोप लगाया है कि जिले में अधिकतर विद्यालयों को नज़रअंदाज़ करते हुए बजट आवंटन नहीं किया गया है। मांग पत्र पर हस्ताक्षर करने वालों में प्रदेश सभाध्यक्ष ललित आर पाटीदार, अमृत लाल डामोर, और अरुण व्यास शामिल हैं।

एक दर्जन से अधिक महिला-पुरुषों का फर्नीचर शोरूम पर हमला

पत्थरबाजी और तोड़फोड़ से हजारों का नुकसान

चित्तौड़गढ़। कोतवाली थाना क्षेत्र के किला रोड स्थित जेपी फर्नीचर शोरूम पर बुधवार दोपहर 10 से 15 महिला पुरुषों की भीड़ ने पथराव कर भारी तोड़फोड़ कर दी। जिससे हजारों रुपये का नुकसान हो गया। गनीमत रही कि हमले में शोरुम संचालक या किसी कर्मचारी को चोट नहीं आई।

दुकान संचालक जे.पी. वंगानी ने बताया कि बुधवार दोपहर करीब 3:15 बजे एक व्यक्ति शराब के नशे में दुकान में घुसने का प्रयास करने लगा। जिसे बाहर निकाला गया। इसके कुछ देर बाद अपने साथ अन्य लोगों को लेकर लौटा जिसमें कुछ महिलाएं भी शामिल थी। सभी ने दुकान पर पथराव कर दिया। हमलावारों के पास बाइक के सांइलेंसर, लकड़ियां भी थी। हमलावरों ने दुकान के बाहर रखी कुर्सियां आदि फर्नीचर तोड़ दिया। एक हमलावर ने खुद को हिस्ट्रीशीटर बताते हुए धमकी भी दी। घटना के दौरान लगातार और लोगों को मौके पर बुलाया जाता रहा। इस दौरान आसपास के दुकानदारों व अन्य व्यक्तियों के एकत्रित होने पर हमलावर मौके से भाग छुटे। सूचना मिलने पर कोतवाली थाना पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जानकारी लेकर दुकान व आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज देखकर हमलावरों की तलाश में जुट गई। घटना के विरोध में व्यापार संघ अध्यक्ष सुनील कुमार जागेटिया ने बताया कि प्रत्यक्षदर्शियों और वीडियो फुटेज से स्पष्ट है कि एक व्यक्ति नशे में दुकान में घुसने की कोशिश कर रहा था, जिसे रोकने पर वह भीड़ के साथ लौटकर हमला कर बैठा।

हमलावर हथियारनुमा वस्तुएं लेकर आए थे और घटना गंभीर रूप ले सकती थी। व्यापार संघ ने कोतवाली थाने में ज्ञापन सौंपकर आरोपियों की शीघ्र गिरफ्तारी की मांग की है। साथ ही नगर परिषद आयुक्त को भी ज्ञापन देकर अतिक्रमण के खिलाफ कार्रवाई की मांग उठाई गई है।

हज़रत रोशन अली बाबा का 65वां उर्स 28 अप्रैल से, चार दिन तक सजेगी कव्वालियों की महफिल

कौमी एकता का होगा दीदार, चादर शरीफ के जुलूस और कुरआन ख्वानी से होगा आगाज़

स्मार्ट हलचल | निम्बाहेड़ा

कौमी एकता, भाईचारे और सूफी परंपरा के प्रतीक हज़रत रोशन अली बाबा साहब का 65वां उर्स मुबारक आगामी 28 अप्रैल से पूरी अकीदत और हर्षोल्लास के साथ शुरू होने जा रहा है। उर्स के चार दिवसीय कार्यक्रमों को लेकर बुधवार को उर्स कमेटी कार्यालय में एक अहम बैठक आयोजित की गई, जिसमें आयोजन को भव्य एवं सुव्यवस्थित रूप से मनाने पर विस्तार से चर्चा कर रूपरेखा को अंतिम रूप दिया गया।

कुरआन ख्वानी और चादर शरीफ के जुलूस से शुरुआत:

उर्स कमेटी के सदर सादिक हुसैन ने बताया कि उर्स का बाकायदा आगाज़ 28 अप्रैल को फजर की नमाज़ के बाद कुरआन ख्वानी से होगा। इसी दिन शाम 4 बजे बस

स्टैंड स्थित हज़रत केली वाले बाबा साहब के आस्ताने से चादर शरीफ का भव्य जुलूस निकाला जाएगा, जो शहर के मुख्य मार्गों से होता हुआ दरगाह पहुंचेगा। जुलूस के बाद मदरसे के बच्चों के लिए विभिन्न दीनी प्रतियोगिताएं भी आयोजित की जाएंगी।

दो दिन गूंजेंगे सूफियाना कलाम, ये कव्वाल देंगे प्रस्तुति:

29 अप्रैल (बुधवार): ईशा की नमाज़ के बाद महफिल-ए-कव्वाली का आयोजन होगा। इसमें उज्जैन के पगड़ीबंद कव्वाल लोकेश जीवन साबरी कार्यक्रम का आगाज़ करेंगे, जिसके बाद भोपाल के मशहूर कव्वाल हाजी मुकर्रम अली वारसी अपने सूफियाना कलाम पेश करेंगे।

30 अप्रैल (गुरुवार): इस दिन दिल्ली के प्रसिद्ध कव्वाल आमिर आरिफ साबरी अपनी शानदार कव्वालियों से समां बांधेंगे।

रंग की महफिल और लंगर के साथ होगा समापन:

1 मई (शुक्रवार) को जुहर की नमाज़ के बाद महफिल-ए-रंग का आयोजन किया जाएगा, जिसमें लोकेश जीवन साबरी और आमिर आरिफ साबरी संयुक्त रूप से 'रंग' पेश करेंगे। इसके पश्चात 'कुल' की रस्म अदायगी के साथ उर्स का विधिवत समापन होगा तथा अंजुमन जमात खाना में अकीदतमंदों के लिए आम लंगर वितरित किया जाएगा।

बैठक में इन्हें सौंपी जिम्मेदारियां:

उर्स कमेटी के संयोजक मोहम्मद फारूक निज़ामी ने बताया कि आयोजन को सफल बनाने के लिए सभी कमेटी सदस्यों को अलग-अलग जिम्मेदारियां सौंप दी गई हैं। उन्होंने सभी क्षेत्रवासियों से इस धार्मिक आयोजन में शिरकत करने की अपील की है।

बुधवार को हुई इस बैठक में सचिव मतलूब अजमेरी, कोषाध्यक्ष अयाज़ अहमद खान, नायब सदर जाकिर हुसैन खान, साकिब छिपा, भूरू मेव, तनवीर अली, अयाज़, साहिल, अमीरउल्ला खान, मोहसिन खान, आजाद गौरी और फिरोज मंसूरी सहित कमेटी के अन्य पदाधिकारी एवं सदस्य मौजूद रहे।

चित्तौड़गढ़ बना राज्य की फुटबॉल प्रतिभाओं का केंद्र, अंडर-20 राष्ट्रीय प्रशिक्षण शिविर का भव्य शुभारंभ

प्रदेशभर के 40 युवा खिलाड़ी ले रहे प्रशिक्षण, छत्तीसगढ़ में होने वाली राष्ट्रीय चैंपियनशिप के लिए बनेगी टीम

स्मार्ट हलचल / चित्तौड़गढ़

राजस्थान में फुटबॉल के बढ़ते प्रभाव के बीच चित्तौड़गढ़ एक बार फिर खेल प्रतिभाओं का प्रमुख केंद्र बनकर उभरा है। राजस्थान फुटबॉल एसोसिएशन के तत्वावधान और जिला फुटबॉल संघ (चित्तौड़गढ़) के संचालन में 'अंडर-20 राष्ट्रीय स्तरीय फुटबॉल प्रशिक्षण शिविर' का भव्य शुभारंभ सोमवार को स्थानीय कॉलेज ग्राउंड में हुआ। यह महत्वपूर्ण शिविर 20 अप्रैल से 3 मई 2026 तक आयोजित किया जा रहा है।

राष्ट्रीय मंच की ओर बढ़ते कदम:

लंबे अंतराल के बाद चित्तौड़गढ़ जिले को यह गौरव प्राप्त हुआ है। इस शिविर के माध्यम से राजस्थान टीम के लिए श्रेष्ठ खिलाड़ियों का चयन किया जाएगा। शिविर में प्रदेश के विभिन्न जिलों से चयनित लगभग 35 से 40 प्रतिभाशाली खिलाड़ी भाग ले रहे हैं। ये युवा खिलाड़ी अपने खेल कौशल को निखारते हुए राष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनाने के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं। शिविर में खिलाड़ियों को आधुनिक तकनीकों, फिटनेस प्रशिक्षण और रणनीतिक खेल की

बारीकियों से अवगत कराया जा रहा है।

छत्तीसगढ़ में दिखाएगी दम:

इस प्रशिक्षण शिविर के माध्यम से तैयार की जाने वाली राजस्थान की टीम आगामी 'अंडर-20 राष्ट्रीय फुटबॉल चैंपियनशिप' में हिस्सा लेगी, जिसका आयोजन नारायणपुर (छत्तीसगढ़) में प्रस्तावित है।

स्थानीय खिलाड़ियों के लिए सुनहरा अवसर:

शिविर के शुभारंभ अवसर पर जिला फुटबॉल संघ चित्तौड़गढ़ के अध्यक्ष पूरण आंजना, सचिव फैसल खान, संयुक्त सचिव धर्मेंद्र सिंह तंवर एवं संतोष ट्रॉफी खिलाड़ी व डी-लाइसेंस कोच शाहिद हुसैन सहित संघ के पदाधिकारियों ने राजस्थान फुटबॉल एसोसिएशन के सचिव दिलीप सिंह शेखावत का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि जिले को इस स्तर के राष्ट्रीय प्रशिक्षण शिविर की मेजबानी मिलना स्थानीय खिलाड़ियों के लिए एक बड़ी और प्रेरणादायक उपलब्धि है।

संघ पदाधिकारियों ने विश्वास जताया कि यह शिविर न केवल खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा निखारने का अवसर देगा, बल्कि राजस्थान फुटबॉल को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने में भी अहम भूमिका निभाएगा। इस तरह के राष्ट्रीय स्तर के आयोजनों से क्षेत्र में खेल संस्कृति को बढ़ावा मिल रहा है।

चारधाम यात्रा को लेकर चिकित्सा विभाग ने जारी की हैल्थ एडवाइजरी

स्मार्ट हलचल | जयपुर/भीलवाड़ा

प्रदेश से उच्च हिमालयी क्षेत्रों में स्थित चारधाम यात्रा के लिए जाने वाले तीर्थ यात्रियों के लिए चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग ने हैल्थ एडवाइजरी जारी की है। एडवाइजरी में यात्रा के दौरान आवश्यक तैयारी, जरूरी वस्तुएं साथ में रखने एवं स्वास्थ्य संबंधी बिन्दुओं को शामिल किया गया है।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. संजीव कुमार शर्मा ने बताया कि उच्च हिमालयी क्षेत्रों में स्थित तीर्थ स्थानों में यत्री का स्वास्थ्य अत्यधिक ठण्ड, कम आर्द्रता, अत्यधिक अल्ट्रा वॉइलेट रेडिएशन, कम हवा का दबाव और कम ऑक्सीजन की मात्रा से प्रभावित हो सकता है। ऐसे में सभी सुगम एवं सुरक्षित यात्रा हेतु दिशा-निर्देशों का पालन करना आवश्यक है। उन्होंने बताया कि यात्री अपनी यात्रा की योजना कम से कम 7 दिनों के लिए बनाएं, वातावरण के अनुरूप ढलने के लिए समय दें। ट्रेक के हर एक घंटे बाद या ऑटोमोबाइल चढ़ाई के हर 2 घंटे बाद, 5-10 मिनट का ब्रेक लें। रोजाना 5-10 मिनट के लिए श्वास व्यायाम का अभ्यास एवं रोजाना 20-30 मिनट टहलना चाहिए।

सीएमएचओ डॉ. शर्मा ने बताया कि वृद्धजन या हृदय रोग, अस्थमा, उच्च रक्तचाप या मधुमेह से ग्रसित रोगी फिटनेस सुनिश्चित करने के लिए स्वास्थ्य जांच अवश्य करवाएं। साथ ही गर्म कपड़े एवं बारिश से बचाव के लिए रेनकोट, छाता आदि साथ में लें। स्वास्थ्य जांच उपकरण पल्स ऑक्सीमीटर, थर्मामीटर भी साथ रखें। हृदय रोग, उच्च रक्तचाप, अस्थमा, मधुमेह रोग वाले यात्री सभी जरूरी दवा, परीक्षण उपकरण और चिकित्सक का संपर्क नंबर साथ रखें।

यात्रा के दौरान कम से कम दो लीटर तरल पदार्थ पिएं और भरपूर पोष्टिक आहार लें। कृपया अपनी यात्रा से पहले मौसम रिपोर्ट की जांच करें। उन्होंने बताया कि अगर डॉक्टर यात्रा न करने की सलाह देते हैं, तो यात्रा न करें। उत्तराखंड में चिकित्सा विभाग के सहायक निदेशक डॉ. अमित शुक्ला ने बताया कि उत्तराखंड सरकार द्वारा संचालित टोल फ्री नंबर 104 पर कॉल कर तत्काल मदद प्राप्त की जा सकती है। यदि किसी भी यात्री को सांस की तकलीफ (बात करने में कठिनाई), लगातार खांसी, चक्कर आना, भटकाव (चलने में कठिनाई), उल्टी, शरीर के एक तरफ कमजोरी या सुन्नता जैसे लक्षण दिखाई दें तो निकटतम स्वास्थ्य केन्द्र या टोल फ्री नंबर की मदद अवश्य लें। उन्होंने बताया कि वृद्धजन, गर्भवती महिलाएं, हृदय रोग, उच्च रक्तचाप, अस्थमा, मधुमेह या अधिक मोटापे से ग्रस्त यात्री चिकित्सा इकाइयों पर संपर्क करें और अपने स्वास्थ्य की जांच करवाएं। इसके अतिरिक्त कोई भी स्वास्थ्य सम्बंधित आपातकालीन घटना होने पर 104 हेल्पलाइन नंबर पर संपर्क करें।

अज्ञात कारणों से खेतों में लगी आग, खाखला, पेड़-पौधे व लकड़ियां जलकर राख, पांच घंटे में पाया काबू

स्मार्ट हलचल

सवाईपुर। सवाईपुर क्षेत्र की नवगठित ग्राम पंचायत बलिया खेड़ा गांव में बुधवार सुबह अज्ञात कारणों के चलते खेतों में आग लग गई, आग की चपेट में आने से खाखला, पेड़-पौधे और लकड़ियां जलकर राख हो गई, सुचना पर दमकल व सवाईपुर पुलिस मौके पर पहुंची । आग पर करीब पांच घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया ।

चौकी प्रभारी प्यार चंद खटीक ने बताया कि बलिया खेड़ा गांव में बुधवार सुबह अज्ञात कारणों के चलते खेतों में आग लग गई, आग की सूचना मिलने पर ग्रामीण मौके पर पहुंचे और दो जेसीबी मशीन व आसपास के दस कुओं से पानी की मोटरें चलाकर आग पर काबू पाने का प्रयास किया, लेकिन आग फैलती गई, इस पर दमकल विभाग को इसकी सूचना दी, भीलवाड़ा से पहुंची दमकल की गाड़ी ने ग्रामीणों की मदद से आग पर काबू पाया गया । आग की चपेट में आने से बालू गोदारा के खेत पर रखा तीन बिघा गेहूं का खाखला जल गया, इसके साथ ही मांगी लाल जाट, बद्रीलाल दरमोटा, बद्रीलाल बलाई, भोना बलाई सहित एक दर्जन से अधिक खेतों में आग फैली, जिससे पेड़-पौधे, लकडिया, पाइप, तार जाली जल गई । सुबह 11 बजे लगी आग पर सायं 4 बजे काबू पाया गया ।

पिप्पलेश्वर वाटिका में विशाल भंडारे का आयोजन, करीब 25 हजार श्रद्धालुओं ने किया भोजन

स्मार्ट हलचल | कोटा

महावीर नगर तृतीय,कंपटीशन कॉलोनी स्थित श्री पिप्पलेश्वर महादेव मंदिर समिति एवं दिवाथर्व विकास फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित अष्ठम प्राण-प्रतिष्ठा महोत्सव (पाटोत्सव) के समापन पर मंदिर परिसर में विशाल भण्डारे का आयोजन किया गया जिससमें 25 हजार से अधिक लोगो ने देर रात तक महाप्रसादी ग्रहण की।

साथ ही विशाल भंडारे का आयोजन किया गया जिसमें महादेव के की श्रद्धा देखते ही बनी। अध्यक्ष भारत भूषण एवं महामंत्री जागेश्वर सिंह चौहान एवं ने बताया कि इस अवसर पर करीब 25 हजार से अधिक लोगों ने भंडारे में प्रभु की प्रसादी ग्रहण की। कोषाध्यक्ष कुलदीप माहेश्वरी ने बताया कि भण्डारे में देर रात तक लोग प्रसादी ग्रहण करते रहे।

इस अवसर कोटा दक्षिण विधायक संदीप शर्मा, पूर्व नेता प्रतिपक्ष कोटा दक्षिण विवेक राजवंशी, पूर्व महापौर सुनिता व्यास,पार्षद भानू प्रसाद,सुनिल गौत्तम,परशुराम शर्मा सहित कई गणमान्य लोगों ने भी प्रसादी ग्रहण की।

कालिका पेट्रोलिंग टीम का आमुखीकरण कार्यक्रम सम्पन्न

महिलाओं एवं बच्चों की सुरक्षा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता : एसपी डॉ. अमृता दुहन

स्मार्ट हलचल | उदयपुर

सार्वजनिक स्थलों पर आमजन की सुरक्षार्थ प्रतिबद्ध राजस्थान पुलिस की इकाई कालिका पेट्रोलिंग यूनिट व टूरिस्ट पेट्रोलिंग टीम का आमुखीकरण (ओरिएंटेशन) कार्यक्रम बुधवार को जिला पुलिस अधीक्षक डॉ. अमृता दुहन के मुख्य आतिथ्य में उदयपुर के पुलिस लाइन सभागार में आयोजित हुआ। उदयपुर रेंज पुलिस एवं यूनिसेफ राजस्थान के तत्वावधान में संचालित पुलिसिंग फॉर केयर ऑफ चिल्ड्रन कार्यक्रम के तहत आयोजित इस आमुखीकरण में प्रतिभागियों को सार्वजनिक स्थलों पर महिलाओं एवं बच्चों की सुरक्षा के लिए नवीन प्रावधानों के साथ अन्य उपयोगी जानकारी दी गई।

पुलिस अधीक्षक डॉ. अमृता दुहन ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कहा कि महिलाओं एवं बच्चों की सुरक्षा हम सभी की सर्वोच्च प्राथमिकता है। महिलाओं एवं बच्चों

के जुड़े मामलों में संवेदनशीलता बरतते हुए उन्हें सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराएं और अपराध को बढ़ावा देने वालों के विरूद्ध सख्त कार्रवाई करें। उन्होंने पुलिस महानिरीक्षक महोदय के निर्देशन में आयोजित इस कार्यशाला को प्रतिभागियों के लिए उपयोगी बताते हुए कालिका पेट्रोलिंग टीम की भूमिका को कानून-व्यवस्था बनाए रखने, अपराधों की रोकथाम एवं आमजन में सुरक्षा की भावना सुदृढ़ करने हेतु अत्यंत महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने यूनिसेफ के प्रयासों की सराहना करते हुए उनके कार्यक्रमों को सामुदायिक पुलिसिंग के लिए उपयोगी बताया। उन्होंने टीम को सतर्कता, त्वरित प्रतिक्रिया एवं जनसहभागिता के साथ कार्य करने के निर्देश दिए।

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक हर्ष रतनू ने पेट्रोलिंग के दौरान अपनाई जाने वाली कार्यप्रणाली को और सुदृढ़ करने, संवेदनशील क्षेत्रों में विशेष ध्यान देने तथा तकनीकी संसाधनों के प्रभावी उपयोग पर बल दिया। यूनिसेफ राजस्थान के बाल संरक्षण विशेषज्ञ डॉ. संजय कुमार निराला सर ने पुलिस मुख्यालय की ओर से कालिका पैट्रोलिंग टीम के लिए जारी एसओपी एवं अन्य दिशा-निर्देशों की जानकारी देते हुए पीपीटी के माध्यम से महिला एवं बाल संरक्षण के नवीन कानूनी प्रावधानों की जानकारी दी। उन्होंने आधुनिक पुलिसिंग, सामुदायिक पुलिसिंग तथा आपात परिस्थितियों में त्वरित निर्णय लेने की रणनीतियों के बारे में भी बताया। यूनिसेफ राजस्थान की राज्य स्तरीय बाल संरक्षण विशेषज्ञ श्रीमती सिंधु बिनुजीत ने आज के आमुखीकरण के उद्देश्यों पर प्रकाश डाला एवं कालिका पैट्रोलिंग टीम की कार्यप्रणाली के सुदृढ़ीकरण के लिए आगे भी ऐसे कार्यक्रम आयोजित करने एवं सामुदायिक पुलिसिंग के लिए हरसंभव सहयोग देने की बात कही। कालिका पेट्रोलिंग टीम के प्रतिनिधियों ने अपने अनुभव साझा किये। प्रारंभ में योग विशेषज्ञ सउनि राजू सिंह ने प्रतिभागियों को तनाव मुक्ति एवं स्वस्थ रहने के लिए मेडिटेशन और योग करवाया। कार्यक्रम में डव की ओर से तैयार करवाए गये वीडियो के माध्यम से प्रतिभागियों को उपयोगी जानकारी दी गई। कार्यक्रम में कालिका पेट्रोलिंग टीम व टूरिस्ट पेट्रोलिंग टीम के साथ पुलिस लाइन के आर आई गुलाब सिंह, कार्यक्रम टीम के दिलीप सालवी आदि उपस्थित रहे।

टी9 साल से फरार 10 हजार का इनामी आरोपी आबिद को किया गिरफ्तार

स्मार्ट हलचल | बूंदी

जिला पुलिस अधीक्षक अवनीश कुमार शर्मा के निर्देशन में वांछित अपराधियों (स्थायी वारंटियों, उद्घोषित अपराधियों, 299 जा. फो./ धारा 335 बीएनएसएस, 173 (8) दंप्रसं/ 193 (9) बीएनएसएस, ईनामी अपराधियों) की गिरफ्तारी हेतु चलाये गये अभियान में अधिक से अधिक कार्यवाही करने के निर्देशों की पालना में श्रीमती उमा शर्मा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक बून्दी के मार्गदर्शन में एवं श्री अशोक जोशी वृताधिकारी वृत के. पाटन के सुपरविजन में श्री भूपेन्द्र सिंह थानाधिकारी पुलिस थाना केशोराय पाटन के नेतृत्व मे गठित पुलिस टीम द्वारा आज दिनांक 22.04.2026 को थाना के.पाटन द्वारा प्रकरण सं 96/17 धारा 392,365 आई. पी. सी. में धारा 299 सीआरपीसी में 9 साल से फरार वांछित अपराधी आबिद पुत्र खुशीला निवासी नंगला जंगली थाना बरसाना जिला मथुरा (उ.प्र.) को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की । आरोपी को न्यायालय में पेश किया जाकर न्यायालय के आदेश अनुसार रिमांड पर लिया जाएगा।

चंबल रिवर फ्रंट से लेकर किलों, बावड़ियों और टाइगर रिजर्व तक—हाड़ौती बना राजस्थान का उभरता पर्यटन हब

स्मार्ट हलचल| बूंदी

राजस्थान का हाड़ौती क्षेत्र अब पर्यटन के क्षेत्र में तेजी से अपनी पहचान बना रहा है। कोटा, बूंदी, बारां और झालावाड़ जैसे जिलों में पर्यटन गतिविधियों में लगातार वृद्धि हो रही है। यह क्षेत्र अपनी ऐतिहासिक धरोहर, प्राकृतिक सुंदरता और धार्मिक महत्व के कारण देश-विदेश के पर्यटकों को आकर्षित कर रहा है। सबसे पहले बात करें कोटा की, जहां चंबल रिवर फ्रंट पर्यटन का नया केंद्र बनकर उभरा है। आधुनिक डिजाइन, आकर्षक लाइटिंग, घाटों और मनोरंजन सुविधाओं के साथ यह रिवर फ्रंट न केवल स्थानीय लोगों बल्कि बाहर से आने वाले पर्यटकों को भी अपनी ओर खींच रहा है। शाम के समय यहां का नजारा बेहद मनमोहक होता है, जो सोशल मीडिया पर भी काफी लोकप्रिय हो रहा है।

बूंदी, जिसे 'छोटी काशी' और 'किलों का शहर' भी कहा जाता है, अपने ऐतिहासिक महत्व के लिए प्रसिद्ध है। यहां का बूंदी किला, प्राचीन बावड़ियां और चित्रशाला बूंदी पर्यटकों को राजस्थानी कला और स्थापत्य की झलक दिखाते हैं। इसके अलावा रामगढ़ विषधारी टाइगर रिजर्व भी वन्यजीव प्रेमियों के लिए आकर्षण का केंद्र बनता जा रहा है। यहां बाघों के साथ-साथ विभिन्न वन्य जीवों की उपस्थिति इको-टूरिज्म को बढ़ावा दे रही है। इसके अलावा रामगढ़ विषधारी टाइगर रिजर्व भी वन्यजीव प्रेमियों के लिए आकर्षण का केंद्र बनता जा रहा है। यहां बाघों के साथ-साथ विभिन्न वन्य जीवों की उपस्थिति इको-टूरिज्म को बढ़ावा दे रही है।

बारां जिला भी अब पर्यटन के नक्शे पर अपनी जगह बना रहा है। यहां के घने जंगल, प्राकृतिक झरने और वन क्षेत्र प्रकृति प्रेमियों के लिए किसी स्वर्ग से कम नहीं हैं। शांत वातावरण और हरियाली के कारण यह क्षेत्र शहरों की भीड़-भाड़ से दूर सुकून की तलाश करने वाले पर्यटकों के लिए खास आकर्षण बनता जा रहा है।

वहीं झालावाड़, जिसे 'राजस्थान का कश्मीर' भी कहा जाता है, अपने ऐतिहासिक मंदिरों और किलों के लिए प्रसिद्ध है। यहां के प्राचीन मंदिर, जैसे सूर्य मंदिर और गागरोन किला, अपनी वास्तुकला और ऐतिहासिक महत्व के कारण पर्यटकों को आकर्षित करते हैं। झालावाड़ की हरियाली और नदियों का संगम इसे अन्य जिलों से अलग पहचान देता है। हाड़ौती क्षेत्र में पर्यटन के बढ़ते प्रभाव का सबसे बड़ा लाभ स्थानीय लोगों को मिल रहा है। होटल, रिसॉर्ट, गेस्ट हाउस, ट्रैवल एजेंसी और गाइड सेवाओं में रोजगार के नए अवसर पैदा हो रहे हैं। इसके अलावा हस्तशिल्प, लोक कला, पारंपरिक भोजन और स्थानीय उत्पादों की मांग भी बढ़ रही है, जिससे छोटे व्यवसायियों और कारीगरों को सीधा फायदा मिल रहा है।

ग्रामीण क्षेत्रों में होम-स्टे और इको-टूरिज्म जैसे मॉडल तेजी से लोकप्रिय हो रहे हैं। इससे गांवों में रहने वाले लोगों को अपने घरों को पर्यटन से जोड़कर आय का नया स्रोत मिल रहा है। युवाओं के लिए टूर गाइड, फोटोग्राफी, ट्रैवल ब्लॉगिंग और एडवेंचर एक्टिविटी जैसे नए करियर विकल्प भी सामने आ रहे हैं।

सरकार द्वारा भी हाड़ौती क्षेत्र के पर्यटन विकास के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। बेहतर सड़क नेटवर्क, पर्यटन स्थलों का सौंदर्यीकरण, डिजिटल प्रमोशन और विभिन्न उत्सवों के आयोजन से इस क्षेत्र को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने की कोशिश की जा रही है। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि इसी तरह योजनाबद्ध तरीके से विकास जारी रहा, तो हाड़ौती क्षेत्र आने वाले वर्षों में राजस्थान का प्रमुख पर्यटन केंद्र बन सकता है। यह न केवल राज्य की अर्थव्यवस्था को मजबूत करेगा, बल्कि लाखों लोगों के लिए रोजगार के नए अवसर भी पैदा करेगा।

जार पदाधिकारियों ने दी पुलिस उपाधीक्षक को विदाई, कार्यों को सराहा

स्मार्ट हलचल

भवानी मंडी। जर्नलिस्ट्स एसोसिएशन ऑफ राजस्थान(जार) जिला झालावाड़ इकाई ने भवानी मंडी पुलिस उपाधीक्षक प्रेम कुमार चौधरी के जयपुर स्थानांतरण होने पर जर्नलिस्ट्स एसोसिएशन ऑफ राजस्थान(जार) जिला झालावाड़ इकाई की ओर से उन्हें विदाई दी गई। इस दौरान उनके कार्यालय में जार पदाधिकारी पहुंचे और उनका ओपरना ओढ़ाकर, फूल मालाएं पहनाकर व प्रतीक चिन्ह देकर विदाई दी। इस अवसर पर जार के प्रदेश संगठन महामंत्री भवँर सिंह कछवाहा ने कहा कि अधिकारी तो आते हैं जाते हैं लेकिन जो छवि आपने आमजन के बीच पुलिस के प्रति विश्वास की बनाई है वह प्रशंसनीय है और आने वाले अधिकारियों के लिए अनुकरणीय है। वहीं जार प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य रणवीर सिंह चौहान ने कहा कि आपने हमेशा पीड़ितों व फरियादी के हित में काम को प्राथमिकता दी। जार जिला महासचिव दिलीप श्रंगी ने भी कहा कि लोग अपनी बात रखने सीधे आपके पास आ जाते हैं जो हर अधिकारी के लिए सम्भव नहीं है। इस अवसर पर पुलिस उपाधीक्षक प्रेम कुमार चौधरी ने कहा कि मेरा प्रयास शुरू से ही आमजन की समस्याओं को ध्यान से सुनकर उनका उचित समाधान करने की रही है और आगे भी इसी प्रकार सेवा करते रहेंगे ताकि आमजन का विश्वास पुलिस में बना रहे और अपराधियों में पुलिस का डर बना रहे। उन्होंने पत्रकारों को भी धन्यवाद देते हुए कहा कि आपने सदैव हमारा सकारात्मक सहयोग किया है इसके लिए आपका आभार प्रकट करते हैं। इस दौरान जार जिला सचिव वसीम अकरम, जिला कार्यालय सचिव आचार्य किशोर तंवर डायरेक्टर, टोंक जार पदाधिकारी सुभाष सोदा व सदस्य अर्जुन सैनी आदि मौजूद रहे।

केंद्रीय विद्यालय बूंदी में कक्षा 11वीं में प्रवेश प्रक्रिया प्रारंभ

स्मार्ट हलचल|बूंदी

केंद्रीय विद्यालय बूंदी में शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए कक्षा 11वीं में प्रवेश प्रक्रिया जारी हैं। विद्यालय प्रशासन के अनुसार केंद्रीय विद्यालय के विद्यार्थियों के लिए आवेदन की अंतिम तिथि 25 अप्रैल 2026 निर्धारित की गई है, जबकि गैर-केवी (नॉन-केवी) विद्यार्थियों के लिए आवेदन की अंतिम तिथि 30 अप्रैल 2026 रखी गई हैं।

विद्यालय में इस वर्ष एक नई उपलब्धि के रूप में कला संकाय की शुरुआत की गई है। वर्तमान में विद्यालय में विज्ञान तथा कला दोनों संकायों में कुछ सीटें रिक्त हैं। इच्छुक विद्यार्थी एवं अभिभावक समय रहते आवेदन कर प्रवेश का लाभ उठा सकते हैं। अधिक जानकारी के लिए विद्यालय में संपर्क कर सकते हैं।

300 बीघा चारागाह भूमि से प्रशासन ने हटाया अतिक्रमण

बेगूं। राजस्थान हाई कोर्ट के आदेश के बाद प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा करीब 300 बीघा चारागाह भूमि पर किए गए अतिक्रमण को हटवाया गया।

जानकारी के अनुसार जिला कलेक्टर डॉ. मंजू, उपखण्ड अधिकारी अंकित सामरिया के निर्देशानुसार बुधवार को उपखंड क्षेत्र के जोधपुरिया और गोपालपुरा की बेशकीमती चारागाह भूमि पर किये गये अतिक्रमण को राजस्थान हाई कोर्ट के आदेश के बाद तहसीलदार गोपाल जीनगर, दो थानों के थाना अधिकारियों, एक दर्जन से अधिक पटवारी गिरदावर और 100 से भी अधिक पुलिस के जवानों की मौजूदगी में जेसीबी व ट्रेक्टरों की सहायता से हटवाया

गया। इस अतिक्रमण को हटाने के लिए ग्रामीण गजेंद्रसिंह आदि ने हाईकोर्ट में याचिका लगाई थी। जिस पर न्यायालय ने सुनवाई के बाद अतिक्रमण हटाने फैसला सुनाया। जिस पर स्थानीय प्रशासन द्वारा कार्रवाई की गई।

कोटा विश्वविद्यालय में अखिल भारतीय अंतर-विश्वविद्यालय गत का प्रतियोगिता का शुभारंभ

कोटा में पहली बार राष्ट्रीय गतका प्रतियोगिता का आगाज़,32 विश्वविद्यालयों की 212 महिला खिलाड़ियों ने दिखाया दम

स्मार्ट हलचल | कोटा

भारतीय विश्वविद्यालय संघ एवं खेल और युवा मामले विभाग, भारत सरकार के संयुक्त तत्वावधान में कोटा विश्वविद्यालय में बुधवार को अखिल भारतीय अंतर-विश्वविद्यालय गतका प्रतियोगिता का भव्य शुभारंभ हुआ। कुलगुरु प्रो. बी.पी. सारस्वत के निर्देशन में आयोजित इस प्रतिष्ठित स्पर्धा की मेजबानी इस वर्ष पहली बार कोटा विश्वविद्यालय को सौंपी गई है। 22 से 26 अप्रैल तक चलने वाली इस प्रतियोगिता में दिल्ली, पंजाब, हरियाणा, जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, गुजरात, महाराष्ट्र, तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश, उत्तर प्रदेश, राजस्थान एवं छत्तीसगढ़ सहित देशभर के 32 विश्वविद्यालयों की 212 महिला खिलाड़ियाँ तथा 30 कोच व मैनेजर भाग ले रहे हैं।

पंजाब के विश्वविद्यालयों का रहा दबदबा

आयोजन सचिव डा. विजय सिंह ने बताया कि प्रतियोगिता के पहले दिन फुल स्ट्राइक फटी सोटी टीम इवेंट में गुरु काशी यूनिवर्सिटी, पंजाब ने स्वर्ण पदक अपने नाम किया, जबकि श्री गुरु ग्रंथ साहिब यूनिवर्सिटी को रजत पदक प्राप्त हुआ। पंजाबी यूनिवर्सिटी, पटियाला एवं डॉ. प्रीति ग्लोबल यूनिवर्सिटी, जयपुर संयुक्त रूप से कांस्य पदक विजेता रहीं। हाफ स्ट्राइक सिंगल सोटी स्पर्धा में पंजाबी यूनिवर्सिटी, पटियाला ने स्वर्ण पदक जीता। श्री गुरु ग्रंथ साहिब यूनिवर्सिटी रजत

तथा डॉ. प्रीति ग्लोबल यूनिवर्सिटी एवं देवगढ़ यूनिवर्सिटी, गोबिंदगढ़ संयुक्त रूप से कांस्य पदक पर रहीं। आयोजन सचिव डॉ. विजय सिंह ने बताया कि प्रतियोगिता गतका की चार प्रमुख श्रेणियों में आयोजित हो रही है, जिसका संचालन गतका फेडरेशन ऑफ इंडिया के 30 तकनीकी अधिकारियों एवं रेफरी के पर्यवेक्षण में किया जा रहा है।

युवाओं को खेलों से जोड़ना आवश्यक — प्रो. चौधरी

उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि राजस्थान तकनीकी विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. निमित्त रंजन चौधरी ने कहा कि स्वस्थ जीवनशैली के लिए खेल अपरिहार्य हैं और प्रत्येक युवा को किसी न किसी खेल से अवश्य जुड़ना चाहिए। समारोह में वीर खालसा गतका दल, कोटा द्वारा पारंपरिक गतका का प्रभावशाली प्रदर्शन किया गया, जिसे दर्शकों

ने भरपूर सराहा। गतका फेडरेशन ऑफ इंडिया के महासचिव बलजिंदर सिंह तूर ने कहा कि कोटा में इस स्तर की प्रतियोगिता का यह ऐतिहासिक प्रथम आयोजन स्थानीय प्रतिभाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेगा। कार्यक्रम का संचालन विजयलक्ष्मी जैन ने किया तथा डॉ. विजय सिंह ने आभार व्यक्त किया।

वीर खालसा गतका दल की आकर्षक प्रस्तुति

उद्घाटन समारोह के दौरान वीर खालसा गतका दल, कोटा द्वारा पारंपरिक गतका का शानदार प्रदर्शन प्रस्तुत किया गया, जिसे उपस्थित दर्शकों ने खूब सराहा। इस अवसर पर सिख समाज के प्रतिनिधि तरुमीत सिंह बेदी एवं समाजसेवी हरमीत सिंह भी मौजूद रहे।

ये रहे मंचासीन

कार्यक्रम में राजस्थान तकनीकी विश्वविद्यालय, कोटा के कुलगुरु प्रो. निमित्त रंजन चौधरी के साथ भारत माता कॉलेज के निदेशक डॉ. मजीद मलिक 'कमांडो', प्राइवेट कॉलेज एसोसिएशन के अध्यक्ष विशाल जोशी, समाजसेवी प्रेम जे. भाटिया, सर्वोदय कॉलेज के निदेशक ए.जी. मिर्जा, अधिष्ठाता स्नातकोत्तर अध्ययन प्रो. घनश्याम शर्मा, प्रो. बी.एस. राठौड़ तथा कार्यवाहक कुलसचिव एवं वित्त नियंत्रक भगवान करमचंदानी मंचासीन रहे एवं अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम का संचालन विजयलक्ष्मी जैन ने किया, जबकि आयोजन सचिव डॉ. विजय सिंह ने सभी अतिथियों एवं प्रतिभागियों के प्रति आभार प्रकट किया। इस अवसर पर डॉ. एम.एल. साहू, एच.एस. शक्तावत, डॉ. चक्रपाणि गौतम, डॉ. शिखा दाधीच, डॉ. पायल जोशी, डॉ. विपुल शर्मा, डॉ. चमन तिवारी, डॉ. अमर सिंह यादव, डॉ. मूलचंद शर्मा, आशीष यादव, डॉ. तीरथ सांगा, डॉ. धीरेन्द्र सक्सेना, डॉ. भूपेंद्र शर्मा, शाहबाज खान, अफरोज अब्बास सहित अनेक अधिकारी, कार्मिक एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

बनारस-प्रयागराज रूट पर 'बस रेड' से मचा हड़कंप, 170 बेटिकट यात्री धराए

स्मार्ट हलचल

वाराणसी। बिना टिकट यात्रा करने वालों पर रेलवे ने सख्ती का डंडा चलाते हुए बुधवार को बनारस-हरदत्तपुर रेल खंड पर बड़ा 'बस रेड' टिकट चेकिंग अभियान चलाया, जिससे पूरे रूट पर हड़कंप मच गया और यात्रियों में अफरा-तफरी का माहौल देखने को मिला। मंडल रेल प्रबंधक आशीष जैन के निर्देशन में वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक शेख रहमान एवं सहायक वाणिज्य प्रबंधक पशुपतिनाथ मिश्रा के नेतृत्व में हरदत्तपुर स्टेशन को आधार बनाकर यह सघन जांच की गई, जिसमें बनारस-प्रयागराज रामबाग रेल खंड पर चलने वाली चौरीचौरा एक्सप्रेस, ज्ञानगंगा एक्सप्रेस, स्वतंत्रता सेनानी एक्सप्रेस, विभूति एक्सप्रेस, नई दिल्ली-बनारस सुपरफास्ट एक्सप्रेस और प्रयागराज रामबाग-मऊ मेमू सहित कई ट्रेनों में किलाबंदी कर टिकट जांच की गई। इस अभियान में सहायक वाणिज्य प्रबंधक पी.एन. मिश्रा के साथ मुख्य टिकट निरीक्षक विवेक बाजपेयी, मारूफ खान, उमेश यादव, नरेंद्र पाठक और अमित समेत कुल 17 टिकट जांच कर्मियों तथा 7 रेलवे सुरक्षा बल के जवानों ने संयुक्त रूप से कार्रवाई को अंजाम दिया। जांच के दौरान बिना टिकट या अनियमित टिकट पर यात्रा कर रहे कुल 170 यात्रियों को पकड़ा गया, जिनसे 58,540 रुपये का जुर्माना वसूल कर छोड़ दिया गया, जबकि 15 यात्रियों को जुर्माना न देने पर रेलवे मजिस्ट्रेट प्रशांत मिश्रा के समक्ष पेश किया गया, जहां 11 ने जुर्माना अदा कर राहत पाई और 4 यात्रियों को ट्रायल के लिए भेजा गया। इस सख्त कार्रवाई का असर तुरंत देखने को मिला और स्टेशनों के टिकट काउंटरों पर यात्रियों की लंबी कतारें लग गईं, जिससे स्पष्ट हो गया कि अभियान ने यात्रियों को नियमों के पालन के लिए मजबूर कर दिया है। वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक शेख रहमान ने आम यात्रियों से अपील करते हुए कहा कि सभी लोग यात्रा के दौरान वैध टिकट लेकर ही सफर करें, अन्यथा कार्रवाई से बच पाना मुश्किल होगा। जनसंपर्क अधिकारी अशोक कुमार ने मीडिया को जानकारी देते हुए बताया कि रेलवे आगे भी ऐसे अभियान लगातार चलाता रहेगा, ताकि राजस्व की हानि रोकी जा सके और यात्रा व्यवस्था को अनुशासित बनाया जा सके।

15 दिन की हड़ताल के बाद झुकी सरकार: पीएचइडी ठेकेदारों से समझौता, मई तक 2500 करोड़ भुगतान का वादा

स्मार्ट हलचल

जयपुर/भीलवाड़ा। प्रदेशभर में पेयजल योजनाओं को प्रभावित कर रही पीएचईडी ठेकेदारों की हड़ताल आखिरकार सरकार और ठेकेदारों के बीच समझौते के बाद समाप्त हो गई। करीब 15 दिन से बकाया भुगतान, लंबित बिलों और विभागीय अनियमितताओं को लेकर आंदोलन कर रहे राजस्थान पीएचईडी कॉन्ट्रैक्टर्स एसोसिएशन ने बुधवार को सरकार के आश्वासन के बाद हड़ताल वापस लेने की घोषणा कर दी।

22 अप्रैल को जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री की मौजूदगी में हुई अहम बैठक में विभागीय अधिकारियों और ठेकेदार संगठन के प्रतिनिधियों के बीच लंबी वार्ता चली। आखिरकार 11 सूत्रीय समझौते पर सहमति बनी, जिसके बाद आंदोलन समाप्त हुआ। सबसे बड़ा फैसला यह रहा कि राज्य

सरकार केंद्र सरकार से समन्वय कर मई 2026 तक करीब 2500 करोड़ रुपए के बकाया भुगतान की व्यवस्था करेगी। जैसे ही राशि प्राप्त होगी, ठेकेदारों के लंबित भुगतान प्राथमिकता के आधार पर जारी किए जाएंगे। लंबे समय से भुगतान नहीं मिलने से आर्थिक संकट झेल रहे ठेकेदारों ने इसे बड़ी राहत बताया है।

पूर्ण हो चुके कार्यों का भुगतान 15 मई तक

समझौते के तहत तय किया गया कि जिन परियोजनाओं के कार्य पूर्ण हो चुके हैं, उनके भुगतान से जुड़ी फाइलें मिलने के बाद 15 मई 2026 तक लंबित बिलों का निस्तारण किया जाएगा। इससे हजारों ठेकेदारों को राहत मिलने की उम्मीद है।

डीएलपी और हैंडओवर कार्यों को भी राहत

बैठक में यह भी सहमति बनी कि हैंडओवर और डिफेक्ट लायबिलिटी पीरियड से जुड़े कार्यों के भुगतान को लेकर स्पष्ट आदेश जारी किए जाएंगे ताकि फील्ड स्तर पर ठेकेदारों को परेशान नहीं होना पड़े।

विभागीय खामियों का खामियाजा नहीं भुगतेंगे ठेकेदार

समझौते में यह साफ किया गया कि यदि किसी योजना में कार्य विभागीय स्वीकृति के आधार पर किया गया है तो बाद में तकनीकी आपत्तियों के नाम पर भुगतान नहीं रोका जाएगा। ठेकेदार लंबे समय से इसी मुद्दे को लेकर नाराज थे।

बजट नहीं मिलने से अटके भुगतान

बैठक में विभाग ने स्वीकार किया कि केंद्र से पर्याप्त बजट आवंटन नहीं मिलने के कारण वर्ष 2024 से कई योजनाओं के भुगतान अटके हुए हैं। अब 4 मई तक वित्त विभाग से बजट जारी कराने का भरोसा दिया गया है।

घोषणा आधारित कार्यों का होगा सत्यापन

विधायकों और जनप्रतिनिधियों की घोषणाओं के आधार पर किए गए कार्यों के भुगतान के लिए अलग प्रक्रिया अपनाई जाएगी। संबंधित अधिकारियों को सत्यापन के निर्देश दिए गए हैं।

हड़ताल से प्रभावित हुई थीं जल योजनाएं

प्रदेश के कई जिलों में ठेकेदारों की हड़ताल के कारण जल जीवन मिशन सहित कई पेयजल योजनाओं की गति धीमी पड़ गई थी। ग्रामीण क्षेत्रों में पाइपलाइन, टंकी निर्माण और मरम्मत कार्य प्रभावित हो रहे थे।

सरकार के सामने बड़ा सवाल

हालांकि समझौते के बाद हड़ताल खत्म हो गई है, लेकिन बड़ा सवाल यह है कि क्या सरकार तय समय में भुगतान कर पाएगी? क्योंकि इससे पहले भी कई बार आश्वासन दिए गए, लेकिन जमीनी स्तर पर हालात नहीं बदले। फिलहाल ठेकेदारों ने काम पर लौटने का फैसला कर लिया है, लेकिन यदि तय समय में भुगतान नहीं हुआ तो आंदोलन फिर तेज हो सकता है। ऐसे में सरकार के लिए यह समझौता सिर्फ कागजों तक सीमित न रहे, यह सबसे बड़ी चुनौती होगी।

दीवार काटकर घर में घुसे चोर, नकदी व जेवर समेत लाखों का माल पार

स्मार्ट हलचल | खखरेरू / फतेहपुर

थाना क्षेत्र के नट का डेरा मजरे हकीमपुर खंतवा गांव में सोमवार रात अज्ञात चोरों ने एक घर की पीछे की दीवार काटकर नगदी और जेवरात समेत लाखों का सामान चोरी कर लिया। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

गांव निवासी मोहम्मद महफूज पुत्र फूल अहमद ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि सोमवार रात वह अपनी पत्नी, मां और बहन के साथ घर के सामने सो रहे थे। इसी दौरान अज्ञात चोर घर के पीछे की दीवार काटकर अंदर घुस गए। चोरों ने कमरे में रखी अलमारी और संदूक के ताले तोड़ दिए और उसमें रखे 45 हजार रुपये नकद, लगभग 100 ग्राम चांदी के पायल, सोने की झुमकी और लॉकेट समेत अन्य सामान चोरी कर लिया।

मंगलवार सुबह जब परिवार के सदस्य जागे और घर के अंदर पहुंचे तो सामान बिखरा पड़ा देख उनके होश उड़ गए। दीवार कटी हुई थी और चोरी की घटना का पता चला। पीड़ित ने आसपास काफी खोजबीन की, लेकिन कोई सुराग नहीं लग सका।

इस संबंध में थाना प्रभारी विद्या प्रकाश ने बताया कि तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है और मामले की जांच की जा रही है।

‘शुद्ध आहार मिलावट पर वार’ अभियान के तहत खाद्य सुरक्षा दल की कार्रवाई

स्मार्ट हलचल

ब्यावर। राजस्थान सरकार के ‘शुद्ध आहार मिलावट पर वार’ अभियान के अंतर्गत ब्यावर जिले में मिलावटखोरों के खिलाफ शिकंजा कसना शुरू हो गया है। जिला कलेक्टर कमल राम मीणा के निर्देशन एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. संजय गहलोत के मार्गदर्शन में खाद्य सुरक्षा दल द्वारा जिले के शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में सघन निरीक्षण और जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है।

नौनिहालों को दिया ‘ईट राइट’ का मंत्र

अभियान के तहत खाद्य सुरक्षा अधिकारी सुशीला सिरोही ने राजकीय पटेल उच्च माध्यमिक विद्यालय (ब्यावर), शम्भुपुरा, मकरेडा और मेड़िया के विद्यालयों में ‘ईट राइट इंडिया’ कार्यक्रम का आयोजन किया। प्रमुख सलाहः बच्चों को भोजन में नमक, चीनी और तेल की मात्रा कम करने तथा फास्ट फूड से दूर रहने के लिए प्रेरित किया गया। सावधानीः बच्चों को पैकिंग वाले खाद्य पदार्थ लेबल पढ़कर खरीदने और मौसमी फल-सब्जियों को प्राथमिकता देने की सलाह दी गई।

डेयरी और आइसक्रीम प्लांट पर छापेमारी, लिए गए नमूने

खाद्य सुरक्षा अधिकारी नारायण सिंह ने जिले के विभिन्न प्रतिष्ठानों का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान टीम ने निम्नलिखित स्थानों पर कार्रवाई की। आइसक्रीम इकाइयाँः बाडीलाल (शिवा एजेंसी), शिव आइस फैक्ट्री, अमूल (विनायक मार्केटिंग), शीतल आइसक्रीम और श्री अम्बे एंटरप्राइजेज। डेयरी प्रतिष्ठानः मातेश्वरी दूध डेयरी, शर्मा डेयरी, जय श्री डेयरी, लक्ष्मी डेयरी, कपिल मावा भंडार और श्री महावीर दूध भंडार।

जांच का दायराः दल द्वारा दूध, दही, पनीर, घी, वनस्पति, आइसक्रीम, बर्फ और कोल्ड ड्रिंक्स के नमूने लिए गए। साथ ही, फलों और सब्जियों में मिलावट एवं उन्हें कृत्रिम रूप से पकाने के लिए उपयोग होने वाले कैल्शियम कार्बाइड व एथिलीन गैस की भी सघन जांच की जा रही है।

मिलावटखोरों को चेतावनीः होगी कठोर विधिक कार्रवाई

डॉ. संजय गहलोत ने बताया कि यह अभियान आने वाले दिनों में और तेज होगा। अब दल द्वारा होटलों, रेस्टोरेंट्स और मिठाई की दुकानों की नियमित जांच की जाएगी। ‘खाद्य व्यापारियों को गुणवत्ता और स्वच्छता बनाए रखने के सख्त निर्देश दिए गए हैं। यदि किसी भी प्रतिष्ठान पर मिलावट या मानकों में लापरवाही पाई गई, तो उनके विरुद्ध नियमानुसार कठोर कानूनी कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।’ > – खाद्य सुरक्षा दल, ब्यावर

कांग्रेस का ‘जोश हाई’: हुआ नेता प्रतिपक्ष का अभिनंदन

स्मार्ट हलचल

ब्यावर। राजस्थान विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली के ब्यावर आगमन पर आज कांग्रेस कार्यकर्ताओं का सैलाब उमड़ पड़ा। जयपुर से पाली जाने के दौरान सरमालिया चौराहा स्थित होटल नटराज पर जूली का ऐतिहासिक स्वागत किया गया। ढोल-नगाड़ों और गगनभेदी नारों के बीच कार्यकर्ताओं ने अपने जननेता को फूल-मालाओं से लाद दिया।

‘कार्यकर्ता ही कांग्रेस की असली शक्ति’ – टीकाराम जूली

सभा को संबोधित करते हुए नेता प्रतिपक्ष ने स्पष्ट किया कि वर्तमान राजनैतिक दौर में कार्यकर्ताओं की भूमिका सबसे अहम है। उन्होंने कहाः ‘ब्यावर की इस धरती पर जो उत्साह आज दिख रहा है, वही कांग्रेस की असली ताकत है। हमें एकजुट होकर जनता की आवाज बनना है और सरकार की जनविरोधी नीतियों के खिलाफ मजबूती से लड़ना है। ‘

संगठन की मजबूती पर जोर

जिलाध्यक्ष किशोर चौधरी ने स्वागत भाषण में कहा कि जूली साहब का यह दौरा ब्यावर जिले के कार्यकर्ताओं के लिए संजीवनी का काम करेगा। कार्यक्रम में ब्लॉक अध्यक्ष अजय शर्मा, खनन प्रकोष्ठ के प्रदेशाध्यक्ष आशीषपाल पदावत सहित कई वरिष्ठ नेताओं ने भी संगठन की रीति-नीति को घर-घर पहुँचाने का संकल्प लिया।

इस गरिमामयी अवसर पर अल्पसंख्यक जिलाध्यक्ष अज़मत काठात, बिरोल सरपंच राजेश पंवार, पूर्व प्रधान लाल मोहम्मद, दिनेशपाल पदावत, अभिषेक जैन, भरत खरवा और प्रहलाद गुर्जर सहित सैकड़ों की संख्या में पदाधिकारी मौजूद रहे। अंत में जिलाध्यक्ष ने सभी का आभार व्यक्त करते हुए एकता का संदेश दिया।

सावर-मोटालाव रोड पर ठेकेदार की लापरवाही उजागरः 3 किमी तक गिट्टी बिछाकर काम अधूरा, ग्रामीणों में भारी आक्रोश

तीन महीने से ठप निर्माण, श्रद्धालु और राहगीर परेशान, प्रशासन पर अनदेखी के आरोप

स्मार्ट हलचल

सावर(अजमेर)। सावर से मोटालाव जाने वाले मार्ग पर ठेकेदार की लापरवाही एक बार फिर सामने आई है, जहां सड़क निर्माण कार्य अधूरा छोड़ देने से आमजन को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। प्रशासनिक अनदेखी के चलते सड़क पर क्रेशर गिट्टी डालकर कार्य बीच में ही रोक दिया गया है, जिससे राहगीरों की मुश्किलें बढ़ गई हैं।

जानकारी के अनुसार, सावर से उदयसागर होते हुए प्रसिद्ध धार्मिक स्थल भगवान द्वारकाधीश चारभुजा नाथ (मोटालाव) तक जाने वाले मार्ग का निर्माण कार्य पिछले करीब तीन महीनों से बंद पड़ा है। ठेकेदार द्वारा लगभग 3 किलोमीटर तक गिट्टी बिछाकर डामरीकरण का कार्य अधूरा छोड़ दिया गया है।

ग्रामीणों का आरोप है कि ठेकेदार को कई बार फोन के माध्यम से समस्या से अवगत कराया गया, लेकिन उसने कोई जवाब देना तक उचित नहीं समझा। वहीं, सार्वजनिक निर्माण विभाग के अधिकारियों को भी शिकायतें दी गईं, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है।

यह मार्ग धार्मिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है, जहां प्रतिदिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु भगवान द्वारकाधीश चारभुजा नाथ के दर्शन के लिए पैदल व वाहनों से गुजरते हैं। सड़क पर फैली गिट्टी के कारण पैदल यात्रियों और वाहन चालकों को काफी परेशानी उठानी पड़ रही है, विशेषकर गर्मी के मौसम में हालात और भी गंभीर हो गए हैं।

ग्रामीणों में इस स्थिति को लेकर भारी आक्रोश है। उन्होंने क्षेत्रीय विधायक शत्रुघ्न गौतम और जिला कलेक्टर अजमेर से मांग की है कि जल्द से जल्द निर्माण कार्य पूरा करवाकर आमजन को राहत दिलाई जाए।

डिजिटल जनगणना की तैयारीः ब्यावर में अफसरों ने सीखी पोर्टल की बारीकियां, फील्ड ट्रेनर्स का अभ्यास पूरा

स्मार्ट हलचल

ब्यावर। आगामी जनगणना-2027 को त्रुटि रहित और सफल बनाने के लिए जिला प्रशासन ब्यावर पूरी तरह सक्रिय है। बुधवार को जिला कलेक्ट्रेट के वी.सी. कक्ष में जिला जनगणना अधिकारी की अध्यक्षता में एक दिवसीय रिफ्रेशर प्रशिक्षण आयोजित किया गया, जिसमें जिले के समस्त उपखण्ड अधिकारियों और चार्ज अधिकारियों ने भाग लिया।

एचएलओ ऐप और स्वगणना पर जोर

संभाग प्रभारी मेधा शर्मा ने प्रशिक्षण के दौरान सीएमएमएस पोर्टल की कार्यप्रणाली को विस्तार से समझाया। उन्होंने एचएलओ एप में शामिल 34 महत्वपूर्ण प्रश्नों की जानकारी देते हुए बताया कि डेटा की सटीकता कितनी अनिवार्य है। साथ ही, आमजन के बीच ‘स्वगणना’ के व्यापक प्रचार-प्रसार पर भी बल दिया गया ताकि नागरिक स्वयं अपनी भागीदारी सुनिश्चित कर सकें।

दूसरी ओर, पीएमश्री राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय में चल रहा फील्ड ट्रेनर्स के द्वितीय बैच का तीन दिवसीय प्रशिक्षण भी बुधवार को संपन्न हो गया। प्रशिक्षण के अंतिम दिन 20 फील्ड ट्रेनर्स ने केवल किताबी ज्ञान ही नहीं लिया, बल्कि धरातल पर उतरकर कार्य सीखाः

क्षेत्र भ्रमणः ट्रेनर्स ने न्यू महावीर कॉलोनी, गोपाल नगर और लिंक रोड में घर-घर जाकर सर्वे किया।

डिजिटल एंट्रीः उप जिला जनगणना अधिकारी कैलाश चन्द एवं मास्टर ट्रेनर्स के निर्देशन में एचएलओ मोबाइल ऐप पर डेटा भरने का प्रायोगिक अभ्यास किया गया।

जनगणना से जन कल्याण का संकल्प

समापन समारोह में जिला समन्वयक चन्दन सिंह और संभाग प्रभारी मेधा शर्मा ने प्रशिक्षुओं का उत्साहवर्धन किया। उन्होंने कहा कि ‘जनगणना से जन कल्याण’ की भावना तभी सार्थक होगी जब डेटा पूरी तरह सटीक होगा। फील्ड ट्रेनर्स को इस राष्ट्रीय कार्य में उनके महत्वपूर्ण योगदान के लिए प्रेरित किया गया।

पति के गेहूं कतराई में न जाने से नाराज महिला ने जहर खाया, इलाज के दौरान मौत

स्मार्ट हलचल | खखरेरू / फतेहपुर

थाना क्षेत्र के रक्षपालपुर स्थित एक निजी नर्सिंग होम में जहर खाने वाली महिला की इलाज के दौरान मौत हो गई। महिला की मौत की खबर मिलते ही परिजनों ने नर्सिंग होम के बाहर हंगामा किया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने परिजनों को शांत कराते हुए मामले की जानकारी संबंधित जनपद पुलिस को दी।

मिली जानकारी के अनुसार, कौशांबी जनपद के पैंइसा थाना क्षेत्र के शाहनगर गांव निवासी रिया पासवान (27) पत्नी अनिल पासवान ने पति के गेहूं की कतराई में न जाने को लेकर हुए विवाद के बाद कथित रूप से जहर खा लिया। हालत बिगड़ने पर परिजन उसे तत्काल रक्षपालपुर स्थित एक निजी नर्सिंग होम लेकर पहुंचे, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

मौत की सूचना मिलते ही परिजनों का आक्रोश फूट पड़ा और उन्होंने नर्सिंग होम के बाहर जमकर हंगामा किया। मामला बढ़ता देख खखरेरू पुलिस मौके पर पहुंची और परिजनों को समझाकर स्थिति नियंत्रित की। इसके बाद कौशांबी पुलिस को सूचना दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

परिजनों के अनुसार, रिया की शादी करीब आठ वर्ष पूर्व अनिल कुमार से हुई थी। वह पति के साथ सास-ससुर से अलग रहकर जीवन यापन कर रही थी। अनिल गांव के ही एक थ्रेसर में रहकर कतराई का कार्य करता है। मंगलवार शाम अनिल के चोटिल होने के कारण काम पर न जाने से पति-पत्नी के बीच विवाद हुआ, जिसके बाद महिला ने आवेश में आकर जहर खा लिया। मृतका अपने पीछे तीन वर्षीय पुत्र शिवांश और चार वर्षीय पुत्री प्रियंका को छोड़ गई है। मां की मौत के बाद दोनों बच्चों का रो-रोकर बुरा हाल है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

ज्ञान की रेल’ में गूंजा प्राकृतिक खेती का मंत्रः ब्यावर में ‘आपणों खेत-आपणी खाद’ अभियान का आगाज

स्मार्ट हलचल

ब्यावर। बलूपुरा आज की आधुनिक खेती में जहां रासायनिक खादों का बोलबाला है, वहीं राजस्थान सरकार की ‘आपणों खेत-आपणी खाद’ मुहिम अब नई पीढ़ी के जरिए खेतों तक पहुँच रही है। बलूपुरा के उस चर्चित विद्यालय में, जिसकी बनावट किसी रेलगाड़ी से कम नहीं लगती, आज बच्चों ने ‘प्राकृतिक खाद’ के जरिए धरती को बचाने का पाठ पढ़ा।

आकर्षण का केंद्र बना ‘ट्रेन’ वाला स्कूल

बलूपुरा स्थित राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय अपनी अनोखी संरचना के कारण पूरे क्षेत्र में चर्चा का विषय है। स्कूल के कमरों को रेल के डिब्बों की तरह रंगा गया है, जिससे बच्चे खेल-खेल में शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं। अध्यापक आसुराम मेघवाल ने बताया कि इस नवाचार से न केवल नामांकन बढ़ा है, बल्कि परीक्षा परिणाम भी उत्कृष्ट आ रहे हैं।

बच्चों को बनाया गया ‘कृषि दूत’

सूचना एवं जनसंपर्क कार्यालय द्वारा आयोजित जागरूकता कार्यक्रम में बच्चों को अभियान की बारीकियों से अवगत कराया गया। जनसंपर्क अधिकारी सतीश सोनी ने छात्रों को प्रेरित करते हुए कहा कि वे इस संदेश को अपने माता-पिता और आसपास के किसानों तक पहुंचाएं।

क्या है ‘आपणों खेत-आपणी खाद’ अभियान?

कृषि सुपरवाइजर भाकर राम ने तकनीकी सत्र में बताया कि इस अभियान का मुख्य लक्ष्य यूरिया और डीएपी जैसे रसायनों को हटाकर मिट्टी को फिर से जीवित करना है।

अवधिः 6 अप्रैल से 30 अप्रैल 2026 तक पूरे राजस्थान में संचालित। प्रमुख खादः जीवामृत, बीजामृत, घनजीवामृत और वर्मी कम्पोस्ट का उपयोग। फायदेः खेती की लागत में कमी, मिट्टी की जलधारण क्षमता में वृद्धि और जहर मुक्त उच्च गुणवत्ता वाली उपज।

जन-जन तक पहुँच रही मुहिम

ग्राम स्तर पर इस अभियान को सफल बनाने के लिए रात्रि चौपाल, किसान गोष्ठियां और प्रभात फेरियों का आयोजन किया जा रहा है। कार्यक्रम के अंत में विभाग द्वारा प्रचार-प्रसार सामग्री का वितरण किया गया ताकि बच्चे और ग्रामीण तकनीक को आसानी से समझ सकें।

ईसरदा-दौसा पेयजल परियोजना का जिला कलक्टर ने किया निरीक्षण

स्मार्ट हलचल| दौसा

जिला कलक्टर डॉ. सौम्या झा ने बुधवार को ईसरदा-दौसा पेयजल परियोजना के पैकेज-1 (ट्रांसमिशन मेन) के अंतर्गत प्रगतिरत कार्यों का निरीक्षण कर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान जिला कलक्टर ने डिडवाना रेलवे ब्रिज क्रोसिंग एवं बगड़ी पम्प हाउस का जायजा लिया। डिडवाना रेलवे ब्रिज क्रोसिंग पर पाईल फाउंडेशन का कार्य प्रगति पर पाया गया। अधिकारियों ने अवगत कराया कि कुल 20 पाईल फाउंडेशन के आधार पर ब्रिज का निर्माण किया जाएगा, जिसके ऊपर से पाइपलाइन बिछाई जाएगी। इस पर जिला कलक्टर ने कार्य की गति बढ़ाने के निर्देश दिए।

बगड़ी पम्प हाउस के निरीक्षण के दौरान बताया गया कि 21,500 केएल क्षमता का स्वच्छ जलाशय एवं पम्प हाउस का सिविल कार्य पूर्ण हो चुका है, जबकि मास्टर कंट्रोल बिल्डिंग का निर्माण कार्य प्रगति पर है। साथ ही पम्प इंस्टॉलेशन एवं कंट्रोल पैनल स्थापित करने का कार्य जारी है। अन्य कार्य जैसे वॉल एवं पाइपलाइन निर्माण भी समानांतर रूप से पूर्ण किए जा रहे हैं।

अधिकारियों ने जानकारी दी कि मोरेल नदी पर कॉफर डेम का निर्माण कार्य अंतिम चरण में है तथा मात्र 80 मीटर कार्य शेष है। इसके पश्चात पाईल फाउंडेशन के माध्यम से पेडेस्ट्रल का निर्माण कर उस पर पाइपलाइन बिछाई जाएगी। इस पर जिला कलक्टर ने निर्देश दिए कि शेष कार्य को एक माह में पूर्ण करने का प्रयास किया जाए।

जिला कलक्टर डॉ. झा ने कहा कि यह परियोजना दौसा जिले में पेयजल आपूर्ति को सुदृढ़ बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी, इसलिए सभी कार्यों को गुणवत्ता के साथ निर्धारित समय सीमा में पूर्ण किया जाना सुनिश्चित करें।

मोरेल डेम का किया निरीक्षण

जिला कलक्टर डॉ. सौम्या झा ने बुधवार को मोरेल डेम का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान जिला कलक्टर ने डेम की सुरक्षा व्यवस्था, नहरों की मरम्मत, जल भंडारण क्षमता एवं पानी की गुणवत्ता सहित विभिन्न महत्वपूर्ण बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने नहरों की मरम्मत कार्यों को समयबद्ध रूप से पूर्ण करने के निर्देश दिए।

महुवा में परशुराम जयंती पर धूमधाम से निकाली कलश व शोभायात्रा

विधायक राजेंद्र मीणा ने महुवा मंडावर में परशुराम सर्किल महुवा में ब्राह्मण धर्मशाला के लिए जमीन आवंटन कराने की की घोषणा

स्मार्ट हलचल

महुवा। महुवा उपखंड मुख्यालय के तहसील रोड बदेही जी के मंदिर के समीप स्थित ब्राह्मण धर्मशाला से मुख्य बाजार होते हुए बुधवार को भगवान श्री परशुराम जी के जन्म उत्सव पर ब्राह्मण समाज के अध्यक्ष ताराचंद शर्मा के नेतृत्व में भगवान परशुराम की विशाल कलश व शोभायात्रा दर्जनो जीवंत झांकियां के साथ बैंड बाजो के साथ निकाली गई।

गोपुत्र अवधेश अवस्थी ने बताया कि भगवान परशुराम जी के जन्मोत्सव पर बुधवार को महुवा में भगवान परशुराम जी की विशाल शोभायात्रा कलश यात्रा प्रातः 9:00 बजे ब्राह्मण धर्मशाला बदेही जी के मंदिर के पास महुवा से भगवान परशुराम सहित भगवान शिव बारात भगवान कृष्ण सहित अन्य जीवंत झांकियां के साथ कलश यात्रा बैंड बाजा व दर्जनो जीवंत झांकियां के साथ प्रारंभ होकर तहसील रोड, हिंडौन रोड, थाने के सामने, बोहरा धर्मशाला, सब्जी मंडी, गणेश चौक, सर्राफा बाजार, झंडे के नीचे ,जैन मंदिर, गोपीनाथ जी का मंदिर, होते हुए श्री कृष्ण गोपाल गौशाला पुरानी तहसील के समीप स्थित अग्रवाल धर्मशाला पहुंची इस दौरान कलश यात्रा व शोभा यात्रा का जगह-जगह महुवा के दर्जनों सामाजिक संगठनों सहित लोगों ने पुष्प वर्षा के साथ पेयजल जलपान कराकर तोरण द्वार लगाकर भव्य स्वागत सत्कार किया।

अग्रवाल धर्मशाला मे आयोजित ब्राह्मण समाज के प्रतिभावान छात्र-छात्राओं सम्मान समारोह में पहुंचे विधायक राजेंद्र मीणा, नगर पालिका अधिशासी अधिकारी प्रमोद कुमार शर्मा, आर ए एस अधिकारी मयंक गोड़, संत सरजू दास जी महाराज, कुंड वाला बाग रसीदपुर के संत धर्मेश्वर दास जी महाराज , पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष विजय शंकर बोहरा, महुवा बार एसोसिएशन के अध्यक्ष घनश्याम अवस्थी ,मंडावर ब्राह्मण समाज के अध्यक्ष संतोष शर्मा, सोलंगा ब्राह्मण समाज के अध्यक्ष ओमप्रकाश मुदगल, पावटा ब्राह्मण समाज के अध्यक्ष नंदकिशोर शर्मा सहित अन्य अतिथियों द्वारा भगवान परशुराम के समक्ष दीप प्रज्वलित कर पुष्प माला अर्पित कर कार्यक्रम का शुभारंभ के साथ ब्राह्मण समाज की कक्षा 10 व12 वी कक्षा के प्रतिभावान छात्र-छात्राओं सहित ब्राह्मण समाज की प्रतिभाओं का सम्मान समारोह आयोजित किया गया जिस मैं कार्यक्रम के मुख्य अतिथि क्षेत्रीय विधायक राजेंद्र मीणा सहित अन्य अतिथियों की उपस्थिति में प्रतिभावान छात्र-छात्राओं व समाज की प्रतिभाओं को अतिथियों द्वारा पुष्प माला पहनाकर प्रमाण पत्र व स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर विधायक राजेंद्र मीणा ने कहा कि राजस्थान की सबसे बड़ी पंचायत विधानसभा में पहुंचाने में ब्राह्मण समाज का अमूल्य योगदान मुझे मिला है जिसका एहसान में जीवन भर नहीं भूल सकता इस दौरान ब्राह्मण समाज द्वारा समाज की धर्मशाला की मांग पर विधायक राजेंद्र मीणा ने कहा कि शीघ्र ही आप की मांग के अनुसार ब्राह्मण धर्मशाला के लिए जमीन आवंटन के लिए प्रक्रिया शुरू कर जमीन आवंटन कर धर्मशाला बनवाने में तन मन धन से सहयोग किया जाएगा वही विधायक राजेंद्र मीणा ने महुवा और मंडावर में परशुराम सर्किल बनाने की घोषणा की जिस पर सभी ब्राह्मण समाज बंधुओ ने विधायक राजेंद्र मीणा का धन्यवाद ज्ञापित किया।

इस अवसर पर समाजसेवी अजय बोहरा, पावटा सरपंच प्रतिनिधि मुकेश शर्मा, हडिया सरपंच प्रतिनिधि दिनेश पंडित ,ब्राह्मण समाज महुवा के अध्यक्ष ताराचंद शर्मा, मंडावर ब्राह्मण समाज युवा के अध्यक्ष अवधेश शर्मा, एडवोकेट सत्यनारायणशर्मा, रतन वकील, महेश शर्मा कंडक्टर, पंडित राधा कृष्ण भारद्वाज, विनोद शर्मा दिवली वाले, महेश आचार्य, हरिओम हाडली, जगदीश भारद्वाज, रमाकांत गुलपहाड़िया मंत्रर, गौ पुत्र अवधेश अवस्थी, पं राधामोहन हुडला, नरेंद्र पाली, राजकुमार शर्मा शिव कैटर्स, कन्हैया शर्मा, हंडिया सरपंच प्रतिनिधि प्रवीण शर्मा , पंकज जोशी, लोकेश अवस्थी, भगवान सहाय तिवारी, विष्णु दत्त पाराशर, हरिओम दिक्षित, राजेश जैमिनी, प्रिंसिपल चन्द्र कान्त शर्मा, अवधेश शर्मा पाली, दयानंद शर्मा,प्रियांशु झाडोलिया, लक्षी राम शर्मा, बनवारी शुक्ला, भूपेंद्र शर्मा, चंद्रकांत उपाध्यक्ष, रमेश महेश गोपाल अवस्थी कमालपुर वाले, जीपी शर्मा, हरि ओम अवस्थी दुल्हेपुरा वाले, पूरण लखपति, संतोष मनोज डंडा वाले, गोलू शर्मा सहित ब्राह्मण समाज के हजारों गणमान्य समाज बंधु, माता, बहने मौजूद रहे।

उनियारा थाना पुलिस ने नाबालिग से छेड़छाड़ के दो आरोपी किए गिरफ्तार

स्मार्ट हलचल

टोंक/उनियारा। जिले के उनियारा थाना पुलिस ने नाबालिग लड़की से छेड़छाड़ के मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक टोंक राजेश कुमार मीणा के निर्देश एवं पुलिस उप अधीक्षक वृत्त उनियारा आकांक्षा चौधरी के सुपरविजन में की गई।

उनियारा थाना प्रभारी कप्तान सिंह चौधरी (पुलिस निरीक्षक) की जानकारी अनुसार बीते दिनों 16 अप्रैल 2026 को पीड़िता के भाई ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि उसकी नाबालिग बहन को रास्ते में रोककर छेड़छाड़ की गई। मामले की जांच के बाद पुलिस ने आरोपियों दिलखुश चौपदार (19) निवासी बाजोलिया और तेजपाल चौपदार (21) निवासी बनेठा को 21 अप्रैल 2026 को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार दोनों आरोपियों को 22 अप्रैल 2026 को न्यायालय में पेश किया गया, जहां से मजिस्ट्रेट ने दोनों आरोपियों को न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया है। पुलिस द्वारा मामले में अग्रिम जांच व कार्यवाही की जा रही है।

क्या आप भी जल्दी जल्दी नौकरी बदलते हैं ? ये हैं फायदे एवं नुकसान

एक तो लोगों को नौकरी मिलना आज के समय में बेहद मुश्किल का कार्य है, वहीं कई लोग भाग्यशाली होते हैं, जिन्हें एक नौकरी छोड़ने से पहले ही दूसरी नौकरी मिल जाए ! ऐसे में थोड़ी ग्रोथ के लिए लोगबाग जल्दी-जल्दी नौकरी चेंज करने लगते हैं। शायद आप भी उनमें से हों, किन्तु अगर आप भी जल्दी जल्दी नौकरी चेंज करते हैं तो यह जान लें कि शार्ट टर्म में बेशक इसके कुछ फायदे दिखें, किन्तु दीर्घावधि में इसका काफी नुकसान होता है।

हालांकि अभी के समय में हालात यह हैं कि अब पहले की तरह लोग एक ही नौकरी पर बहुत दिन तक कार्य नहीं करते हैं, बल्कि नौकरी चेंज करने में वह अपनी ग्रोथ देखते हैं, और उसी अनुरूप डिसीजन भी लेते हैं।

किंतु जॉब बदलने का फैसला कुछ मामलों में बेशक ठीक लगता है, किंतु कुछ मामलों में यह कहीं ना कहीं नुकसान देता है। आइये जानते हैं.अगर फायदे की बात करें तो आप यह जान लीजिए कि जॉब बदलने में सबसे पहले तो कुछ परसेंट ही सही, मगर आपकी सैलरी बढ़ जाती है। निश्चित रूप से हर व्यक्ति चाहता है कि उसे उसके काम के अधिक से अधिक पैसे मिलें, और एक नौकरी में अगर उस अनुरूप ग्रोथ नहीं होती है, तो वह जॉब बदलना चाहता है, और ऐसे में उसे तुरंत ही ग्रोथ मिल जाती है।

वहीं अगर दूसरे फायदे की बात करें तो इससे पर्टिकुलर इंडस्ट्री में आपका नेटवर्क बेहतर होता है। अगर एक कंपनी में आप जॉब करते हैं, फिर दूसरी कंपनी में जाते हैं, और इस तरीके से अलग-अलग कंपनी में आपका बेस तैयार होता चला जाता है। इसके अलावा सबसे बड़ी बात यह है कि एक ही कंपनी में काम करने पर आप कंफर्ट जोन में आ जाते हैं। आपकी स्किल कहीं ना कहीं सैचुरेट हो जाती है, तो दूसरी कंपनी में जब आप जाते हैं, तो वहां कुछ ना कुछ नया सीखने को अवश्य मिलता है। चाहे वहां आपका नया सीनियर हो, चाहे वहां का इनवायरमेंट हो, आप उस कंपनी से नई चीजें जरूर सीखते हैं, और यह वह चीज है जो आपको आने वाले दिनों में मजबूती करती है। इसके अलावा कई भारत लोग एक जगह पर कार्य करने से बोर भी हो जाते हैं, ऐसे में नयी जॉब में उन्हें नयापन भी मिलता है।

हालांकि यह इसका पॉजिटिव पक्ष है, किंतु कुछ निगेटिव पक्ष भी हैं, जिन्हें आपको अवश्य ध्यान में रखना चाहिए।

नुकसान की बात करें तो बार बार जॉब चेंज करने से पोजीशन के मामले में आपके आगे बढ़ने पर असर पड़ सकता है। जी हाँ ! एक ही कंपनी में जब आप काम करते हैं, तो वहां आपकी कांस्टेंट ग्रोथ होती है। वहां आपको प्रमोशन मिलता रहता है, किंतु जब आप दूसरी कंपनी में जाते हैं, तो सीनियर पोजिशन पर आपको पहुंचने में कहीं ना कहीं दिक्कत होती है।

इससे आपकी लॉयल्टी भी चेक की जाती है। अगर आप कुछ ज्यादा ही जॉब चेंज करते हैं, तब आपको किसी हायर पोजिशन पर जॉब देने से एचआर मैनेजर निश्चित ही कई बार सोचेगा।

कंपनी अगर किसी जिम्मेदारी वाली पोस्ट पर आप की हायरिंग कर भी लेती है, तो भी कंपनी श्योर नहीं हो पाती है कि आप आखिर कितने दिन जॉब करेंगे ? कहीं आप बीच में ही जॉब छोड़ कर कहीं और तो नहीं चले जाएंगे ? ऐसे में आप शक के घेरे में आ जाते हैं !

यह कार्य सिर्फ पोजीशन के मामले में ही नहीं है, बल्कि प्रोजेक्ट अलॉटमेंट के मामले में भी है, तो क्लाइंट इंटरेक्शन के मामले में भी है। जब तक आप किसी कंपनी के लम्बे समय तक वफादार नहीं होते हैं, तब तक किसी बड़े प्रोजेक्ट की कमांड आपके हाथ में देने से निश्चित रूप से वह कंपनी हिचकिचाएगी। इसी प्रकार से बड़े क्लाइंट हैंडलिंग में भी कंपनी आपको तब तक इंवॉल्व नहीं करेगी, जब तक आप उसके प्रति लॉयल साबित न हो जाएँ ! ऐसे में कहीं ना कहीं बड़ी संभावनाओं से आपके दूर रहने की शुरुआत हो जाती है।

कंपनी बार-बार चेंज करने का आपके फाइनेंसियल पोजीशन पर भी खासा असर पड़ता है। चाहे आप क्रेडिट कार्ड एप्लीकेशन के लिए अप्लाई करें, चाहे आप होम लोन या दूसरे लोन के लिए अप्लाई करें.आपकी फाइनेंशियल स्टेबिलिटी जरूर चेक की जाती है। आप किस कंपनी में कितने लंबे समय तक रहे हैं, यह आपके लिए एक प्लस प्वाइंट साबित होता है। वहीं अगर आप बार-बार अपनी जॉब चेंज करते हैं, तो कहीं ना कहीं आप की फाइनेंसियल स्टेबिलिटी पर एक सवाल खड़ा होता है।

मैनेजेरियल स्किल डेवलपमेंट पर पड़ता है फर्क

जी हां ! ऊपर से आपको बेशक लगे कि आप कुछ चीजें ऊपर ऊपर समझ गए हैं, किंतु प्रबंधन के गुणों को आप तब तक नहीं समझ सकते, जब तक आप किसी कंपनी में देर तक नहीं टिकेंगे ! कहीं टिक कर काम करने के बाद ही कंपनी पॉलिटिक्स, प्रबंधन टेक्निक आप समझ पाते हैं। कंपनी अपने इन्वेस्टमेंट डिसीजंस किस प्रकार लेती है, वास्तव में उसकी रुचि और भविष्य की योजनायें क्या हैं, यह आप गहराई से एक समय के बाद ही समझ पाते हैं। अगर बाद में आप कभी अपना उद्यम शुरू करना चाहें, तो इसलिए जरूरी है कि किसी कंपनी में आप देर तक टिक कर काम करें, अन्यथा आप उसकी गहराई को नहीं समझ पाएंगे।

पॉलीमर साइंस में बीटेक करने के बाद है शानदार करियर संभावनाएं

विदेश ही नहीं, भारत में भी कई पॉलिमर और पेट्रोकेमिकल इंडस्ट्रीज खुल चुकी हैं। नतीजतन, करियर विकल्प के रूप में केमिकल इंजीनियरिंग या पॉलिमर इंजीनियरिंग का महत्व कई गुना बढ़ गया है। अगर आप इस क्षेत्र में अपना करियर बनाना चाहते हैं तो 12वीं के बाद पॉलीमर साइंस में बीटेक कर सकते हैं।

मौजूदा तकनीकी दौर में पॉलीमर प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल दिन-ब-दिन बढ़ता जा रहा है। इनमें प्लास्टिक, मोल्डेड सामग्री, सिंथेटिक फाइबर, रबर आदि शामिल हैं। ईको-फ्रेंडली और रीसाइक्लेबल प्लास्टिक के साथ इन सभी पॉलीमर प्रोडक्ट्स के उचित प्रबंधन की आवश्यकता भी समय के साथ बढ़ रही है। यह काम पॉलिमर इंजीनियर्स करते हैं। वे प्लांट डिजाइन, प्रोसेस डिजाइन और थर्मोडाइनेमिक्स के सिद्धांतों का उपयोग करते हैं। विदेश ही नहीं, भारत में भी कई पॉलिमर और पेट्रोकेमिकल इंडस्ट्रीज खुल चुकी हैं। नतीजतन, करियर विकल्प के रूप में केमिकल इंजीनियरिंग या पॉलिमर इंजीनियरिंग का महत्व कई गुना बढ़ गया है। अगर आप इस क्षेत्र में अपना करियर बनाना चाहते हैं तो 12वीं के बाद पॉलीमर साइंस में बीटेक कर सकते हैं। आज के इस लेख में हम आपको पॉलीमर साइंस में बीटेक के बाद करियर अवसर के बारे में जानकारी देंगे-

पॉलिमर इंजीनियरिंग में बीटेक के बाद सार्वजनिक क्षेत्र के अवसर

पॉलिमर इंजीनियरिंग में बीटेक के बाद आप सरकारी फर्मों जैसे सेंट्रल ग्लास एंड सिरेमिक रिसर्च इंस्टीट्यूट, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, राउरकेला और सेंट्रल साल्ट एंड मरीन केमिकल्स रिसर्च इंस्टीट्यूट आदि में बतौर जूनियर रिसर्च फेलो काम कर सकते हैं। इन फेलोशिप कार्यक्रमों के लिए आवेदन करने के लिए उम्मीदवारों को राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा उत्तीर्ण करने की आवश्यकता है। कुल मिलाकर कम से कम 55% अंकों के साथ एम टेक डिग्री प्राप्त करने के बाद कोई भी नेट के लिए बैठ सकता है। जिन उम्मीदवारों ने अपनी बी टेक डिग्री में 60% अंक प्राप्त किए हैं, वे भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) में वैज्ञानिक या इंजीनियर के रूप में 40,000/- रुपये के मासिक वेतन के साथ काम कर सकते हैं। रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन भी वैज्ञानिक बी पद की भूमिका में पॉलिमर इंजीनियरिंग स्नातकों की भर्ती करता है। इनके अलावा सेंट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ प्लास्टिक इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, ब्रह्मपुत्र क्रैकर एंड पॉलिमर लिमिटेड (बीसीपीएल) जैसे संगठन भी पॉलिमर इंजीनियरिंग में बी टेक स्नातकों को नियुक्त करते हैं। इनके अलावा स्नातक डिग्री धारक पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय, ऑयल इंडिया लेबोरेटरीज, पेट्रोकेमिकल्स इंजीनियरिंग प्लांट्स और ऑयल एंड नेचुरल गैस कमीशन (ओएनजीसी) आदि विभागों में भी रोजगार पा सकते हैं। उम्मीदवार विभिन्न इंजीनियरिंग संस्थानों में लेक्चरर पद का विकल्प भी चुन सकते हैं।

पॉलिमर इंजीनियरिंग में बीटेक के बाद निजी क्षेत्र के अवसर

जर्मन आधारित कंपनी विंडमोलर एंड होल्शर, अक्सर अपने मैकेनिकल इंजीनियरिंग अनुभाग में संचालन करने के लिए पॉलिमर इंजीनियरों की भर्ती करती है। 7 से 8 साल के कार्य अनुभव वाले लोग एलाइड सॉल्यूशंस इंडिया प्राइवेट लिमिटेड में सेल्स/बिजनेस डेवलपमेंट सेक्शन में जा सकते हैं। यहाँ आप 35,000/- से रु। 50,000/- प्रति माह तक की सैलरी पा सकते हैं। अपोलो टायर्स लिमिटेड, सिएट लिमिटेड आदि जैसी टायर कंपनियों को भी पॉलिमर इंजीनियर्स की जरूरत है। पॉलीमर इंजीनियरिंग में स्नातकों के लिए क्वालिटी इंजीनियर, प्रोडक्शन इंजीनियर्स/ टेक्नोलॉजिस्ट, पॉलीमर स्पेशलिस्ट आदि सामान्य जॉब प्रोफाइल हैं।

प्रतिभावान विद्यार्थियों को तराशती योजना

राष्ट्रीय प्रतिभा खोज परीक्षा

नेशनल टेलेंट सर्च यानी राष्ट्रीय प्रतिभा खोज एनसीईआरटी की एक प्रमुख योजना है। इसका उद्देश्य प्रतिभावान विद्यार्थियों का पता लगाना और उनकी प्रतिभा को बढ़ाना है। इसके तहत विज्ञान, सामाजिक विज्ञान, इंजीनियरिंग, चिकित्सा विज्ञान, प्रबंधन और विधि जैसे क्षेत्रों को शामिल किया गया है। यह योजना प्रतिभावान विद्यार्थियों को मासिक स्कॉलरशिप के रूप में आर्थिक मदद दे कर सहयोग देती है। इस योजना में बेसिक साइंस, सामाजिक विज्ञान और वाणिज्य के पाठ्यक्रमों के लिए पीएचडी स्तर तक सहायता प्रदान की जाती है। व्यावसायिक पाठ्यक्रमों जैसे इंजीनियरिंग, चिकित्सा विज्ञान, प्रबंधन एवं विधि के लिए पीजी स्तर तक सहायता दी जाती है। एनसीईआरटी द्वारा राष्ट्रीय प्रतिभा खोज परीक्षा का आयोजन कक्षा 8 स्तर पर किया जाता है।

स्कॉलरशिप

परीक्षा आयोजन के आधार पर कक्षा 8 की परीक्षाओं के लिए बैठे छात्रों के प्रत्येक समूह के लिए 1000 स्कॉलरशिप दी जाती हैं। स्कॉलरशिप की राशि प्रत्येक माह 500 रुपए होती है। अनुसूचित जाति के छात्रों के लिए 15 प्रतिशत, अनुसूचित जनजाति के छात्रों के लिए 7.5 प्रतिशत और विकलांग छात्रों के लिए 3 प्रतिशत स्कॉलरशिप आरक्षित होती है। स्कॉलरशिप का भुगतान सीधे प्राप्तकर्ता को न देकर संबद्ध संस्थान के प्रमुख के माध्यम से दिया जाता है।

चयन प्रक्रिया

प्रतिभाओं की पहचान दो स्तरीय लिखित परीक्षा के आधार पर की जाती है। प्रथम स्तर का चयन अलग-अलग राज्य/यूनियन टेरेटरीज द्वारा लिखित परीक्षा के माध्यम से किया जाता है। प्रथम स्तर की परीक्षा में सफल अभ्यर्थी ही एनसीईआरटी द्वारा संचालित द्वितीय स्तर की परीक्षा में भाग लेने के लिए पात्र माने जाते हैं। राज्य और यूनियन टेरेटरीज राष्ट्रीय प्रतिभा खोज योजना की प्रथम स्तर की लिखित परीक्षा के साथ राष्ट्रीय आय एवं योग्यता आधारित छात्रवृत्ति योजना की भी परीक्षा आयोजित करते हैं।

पात्रता

मान्यताप्राप्त विद्यालयों के 8वीं कक्षा में अध्ययनरत विद्यार्थी उस राज्य/यूनियन टेरेटरी द्वारा संचालित प्रथम स्तर की परीक्षा में बैठने के पात्र होते हैं, जिस राज्य में विद्यालय स्थित है।

आवेदन प्रपत्र

आवेदन-प्रपत्र प्राप्त करने के लिये राज्य संपर्क अधिकारी से संपर्क करें। आवेदन-प्रपत्र एनसीईआरटी की वेबसाइट से भी डाउनलोड किया जा सकता है। भरे हुए आवेदन प्रपत्र विद्यालय के प्राचार्य द्वारा हस्ताक्षरित होने चाहिए। आवेदन प्रपत्र जमा कराने की अंतिम तिथि तथा प्रपत्र कहां जमा कराया जायेगा, इस संबंध में संबंधित राज्य/संघ राज्य-क्षेत्र के संपर्क अधिकारी से पता किया जा सकता है। विभिन्न राज्यों की आवेदन प्रपत्र जमा कराने की अंतिम तिथियां भिन्न हो सकती हैं।

शुल्क

एनसीईआरटी द्वारा द्वितीय स्तर की परीक्षा के लिए कोई शुल्क नहीं लिया जाता। राज्य और यूनियन टेरेटरी प्रथम परीक्षा के लिए अपेक्षित शुल्क के भुगतान के लिए अधिसूचना जारी कर सकते हैं। इसलिये आवेदन प्रपत्र जमा करने से पहले कितनी और कैसे फीस दी जायेगी, इसका पता अपने राज्य संपर्क अधिकारी से लगा लेना चाहिए।

परीक्षा माध्यम

परीक्षा हिन्दी व अंग्रेजी के साथ असमी, बंगला, गुजराती, कन्नड़, मराठी, मलयालम, उड़िया, पंजाबी, तमिल, तेलुगु, उर्दू में संचालित की जाएगी। अभ्यर्थी आवेदन प्रपत्र में जिस भाषा में परीक्षा देना चाहते हैं, उस विकल्प का उल्लेख करें। इसके आधार पर ही अभ्यर्थी को उस भाषा में प्रश्न पुस्तिका उपलब्ध कराई जाएगी।

परीक्षा-विधि

8वीं के लिए लिखित परीक्षा की विधि इस प्रकार है - प्रथम स्तर की राज्य/ यूनियन टेरेटरी स्तर पर संचालित परीक्षा में दो भाग होंगे (अ) मानसिक योग्यता परीक्षण (एमएटी) और (ब) शैक्षिक योग्यता परीक्षण (एसएटी)। इनमें सामाजिक विज्ञान, विज्ञान और गणित विषय शामिल होंगे। द्वितीय स्तर की राष्ट्रीय स्तर पर संचालित परीक्षा में (अ) मानसिक योग्यता परीक्षण (एमएटी) और (ब) शैक्षिक योग्यता परीक्षण (एसएटी) शामिल होंगे। इनमें सामाजिक विज्ञान, विज्ञान और गणित विषय शामिल होंगे। (स) इंटरव्यू - इंटरव्यू के लिए उन्हीं अभ्यर्थियों को आमंत्रित किया जाएगा, जिन्होंने राष्ट्रीय स्तर पर संचालित लिखित परीक्षा उत्तीर्ण की हो।

लिखित परीक्षा

लिखित परीक्षा में प्रथम भाग एमएटी और द्वितीय भाग एसएटी शामिल होंगे। दोनों परीक्षाएं एक छोटे से अंतराल पर अलग-अलग ली जाएंगी। मानसिक योग्यता परीक्षा- एमएटी - चार विकल्पों सहित इसमें 90 मल्टीच्वॉइस प्रश्न होंगे, जिनमें से केवल एक सही उत्तर होगा। प्रत्येक प्रश्न एक अंक का होगा। समय 90 मिनट होगा।

स्कॉलरशिप पाने की सामान्य शर्तें

स्कॉलरशिप प्राप्त करने के लिए यह जरूरी है कि उम्मीदवार अनुमोदित पाठ्यक्रमों में अध्ययनरत हो। वह अच्छा आचरण बनाए रखता हो (संस्थान प्रमुख द्वारा प्रमाणित) और अपना अध्ययन एक नियमित विद्यार्थी के रूप में कर रहा हो। बिना उचित अवकाश के अनुपस्थित न होता हो। पूर्णकालिक आधार पर अध्ययन करता हो। कोई रोजगार नहीं करता हो। राष्ट्रीय प्रतिभा खोज योजना पीएचडी कोर्स को छोड़ कर छात्रवृत्ति प्राप्तकताओं को कोई अन्य स्कॉलरशिप स्वीकार करने से वंचित नहीं करती, अलबत्ता किसी भी पाठ्यक्रम के लिए विदेश में अध्ययन के लिए कोई स्कॉलरशिप उपलब्ध नहीं होगी। यदि कोई प्राप्तकर्ता पंजीकरण/प्रवेश के एक माह के अंदर अपने पाठ्यक्रम का अध्ययन छोड़ता है तो उसे कोई स्कॉलरशिप नहीं दी जाएगी।

विजुअल मर्चेंडाइजिंग के क्षेत्र में हैं अपार संभावनाएं

विजुअल मर्चेंडाइजिंग शब्द भले ही कुछ लोगों के लिए नया हो, लेकिन सेल्स और एडवरटाइजिंग के क्षेत्र से जुड़े लोग इससे भली-भांति वाकिफ हैं। विजुअल मर्चेंडाइजिंग वास्तव में एक आर्ट है, जिसमें एक व्यक्ति किसी प्रॉडक्ट या सर्विस को क्लाइंट्स के सामने कुछ इस तरह पेश करता है ताकि वह सेल्स को बढ़ावा दे सके। अब इस कॉन्सेप्ट को रिटेल सेक्टर में एक मार्केटिंग टूल के रूप में उपयोग किया जा रहा है। इस क्षेत्र में वह सभी गतिविधियां शामिल हैं, जो रिटेल स्टोर्स में उत्पादों की बिक्री बढ़ाने में मदद करती हैं। उदाहरण के तौर पर, प्रॉडक्ट के संभावित ग्राहकों के माइंड को समझना और उपभोक्ताओं को उत्पाद के बारे में शिक्षित करना व प्रॉडक्ट को बेहद इफेक्ट व क्रिएटिव तरीके से पेश करना आदि। तो चलिए विस्तार से जानते हैं इस करियर के बारे में

क्या है विजुअल मर्चेंडाइजिंग

एजुकेशन एक्सपर्ट बताते हैं कि विजुअल मर्चेंडाइजिंग के क्षेत्र से जुड़े लोगों को विजुअल मर्चेंडाइजर कहा जाता है। विजुअल मर्चेंडाइजर ऐसे पेशेवर हैं जो किसी भी ब्रांड, एक चेहरे को देने के लिए जिम्मेदार हैं। वे ऑनलाइन शॉपर्स और रिटेल स्टोर दोनों के लिए विंडो और स्टोर डिस्प्ले में अवधारणा, डिजाइन और कार्यान्वयन करते हैं। वे स्टोर थीम की योजना बनाते हैं, डिस्प्ले के लिए प्रॉपर की व्यवस्था करते हैं, डिस्प्ले फिक्स्चर और लाइटिंग की व्यवस्था करते हैं, ओपनिंग से पहले स्टोर सेट करते हैं, फ़्लोर प्लान के साथ काम करते हैं और डिस्प्ले को बनाने के लिए सेल्स फ़्लोर पर स्टोर कर्मियों को प्रशिक्षित करते हैं। एक विजुअल मर्चेंडाइजर का मुख्य उद्देश्य स्टोर की छवि के अनुरूप डिस्प्ले बनाना और अधिक ग्राहकों को स्टोर में लाना है।

शैक्षणिक योग्यता

आजकल ऐसे कई इंस्टीट्यूट हैं जो विजुअल मर्चेंडाइजिंग से संबंधित सर्टिफिकेट व डिप्लोमा कोर्स करवाते हैं। इस कोर्स को करने के लिए छात्र का 12वीं पास होना आवश्यक है। हालांकि अधिकतर जगहों पर विजुअल मर्चेंडाइजिंग को फैशन डिजाइनिंग या फैशन टेक्नोलॉजी कोर्स के तहत पढ़ाया जाता है।

कॅरियर एक्सपर्ट के अनुसार, विजुअल मर्चेंडाइजिंग के कोर्स में छात्रों को विजुअल मर्चेंडाइजिंग से संबंधित विभिन्न पहलुओं पर प्रशिक्षित किया जाता है जैसे कि रिटेल स्टोर का लेआउट और डिजाइन, इंटीरियर डेकोरेशन, स्टोर के अंदर फर्नीचर और फिक्स्चर की स्थापना, स्टोर डिस्प्ले और उत्पादों की प्रस्तुति, विभिन्न संचार साधनों के उपयोग के जरिए ग्राहकों को आकर्षित करना।

व्यक्तिगत गुण

इस क्षेत्र में कॅरियर देख रहे छात्रों में डिजाइनिंग और क्रिएटिविटी के गुण का होना बेहद आवश्यक है। एक विजुअल मर्चेंडाइजर में बेहतरीन आर्गेनाइजिंग स्किल्स होने के साथ-साथ प्लानिंग, प्रोजेक्ट मैनेजमेंट व टाइम मैनेजमेंट आदि विशेषताएं भी होनी चाहिए। इसके अलावा उनमें संचार व इंटरपर्सनल स्किल्स, समस्या सुलझाने की क्षमता और कंप्यूटर का ज्ञान होना भी जरूरी है। कॅरियर एक्सपर्ट कहते हैं कि विजुअल मर्चेंडाइजर को उपभोक्ताओं के मनोविज्ञान को जानना आना चाहिए और उसे रूझानों का भी पूर्वानमान लगा लेना चाहिए।

संभावनाएं

शॉपिंग मॉल, फाइव स्टार होटल, बुटीक व रिटेल आउटलेट्स की संख्या बढ़ने के साथ ही विजुअल मर्चेंडाइजर्स की मांग में भी काफी इजाफा हुआ है। विजुअल मर्चेंडाइजर फैशन बुटीक, शॉपिंग मॉल, एम्पोरिया, डिजाइन कंपनी, आर्किटेक्चर फर्म, थीम पार्टी ऑर्गनाइजिंग कंपनी आदि में जॉब कर सकते हैं। वे प्रदर्शनियों, मेलों, ब्यूटी कॉन्टेस्ट, अवार्ड सेरेमनी, मॉल, रिटेल में विंडो डिस्प्ले के लिए अनुबंध के आधार पर फ्रीलांसिंग भी कर सकते हैं।

आमदनी

इस क्षेत्र में एक फ्रेशर भी दस से पंद्रह हजार आसानी से कमा सकता है। वहीं कुछ समय के अनुभव के बाद आप किसी बड़े ब्रांड के रिटेल आउटलिट में काम कर सकते हैं और एक आकर्षक पैकेज पा सकते हैं।

प्रमुख संस्थान

- नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ डिजाइन, बैंगलोर
- द सिंथेटिक एंड आर्ट सिल्क मिल्स रिसर्च एसोसिएशन, मुम्बई
- स्कूल ऑफ कम्युनिकेशन एंड मैनेजमेंट स्टडीज, कोच्चि
- बिरला इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट टेक्नोलॉजी, ग्रेटर नोएडा

स्वत्वाधिकार प्रकाशन एवं मुद्रक राजकुमार आमेटा के लिए स्मार्ट कम्प्यूटर्स एण्ड प्रिन्टर्स, कोर्ट के सामने, माण्डलगढ़ से प्रकाशित एवं मुद्रित। मो. 9649222850 Email.smarthalchalnews@gmail.com